राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 56
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शनिवार 10 सितंबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 ग्रेटर नोएडा में चोरों से डॉलर बरामद , पेन्टर बनकर दिन में घरों में करता था काम,रात में करता था चोरी | पेज 5 दवा लेने जा रही महिला को किडपैन कर पांच दिन तक रेप करते रहे दरिंदे, पुलिस पर कार्रवाई ना करने का आरोप | पेज 7 नियमों से ऊपर होंगे ब्रिटेन के नए राजा प्रिंस चार्ल्स, बिना पासपोर्ट कहीं भी दौरा, बिना लाइसेंस चलाएंगे गाड़ी

यूपी: गणेश विसर्जन में 8 की मौत

संत कबीर नगर में 4 भाई-बहन की जान गई, ललितपुर और उन्नाव में 2-2 डूबे

संतकबीर नगर। यूपी में गणपति विसर्जन के दौरान अलग-अलग जिलों में 8 लोग डूब गए। संत कबीर नगर में 4 बच्चे डूब गए। चारों आपस में भाई-बहन थे। सभी के शव निकाल लिए गए हैं। वहीं ललितपुर और उन्नाव में 2-2 लोगों की विसर्जन के दौरान डूबने से मौत हो गई है।

सबसे बड़ा संत कबीर नगर की आमी नदी में हुआ

संत कबीर नगर के खलीलाबाद शहर के मगहर चौकी क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर बाद करीब 4 बजे बड़ा हादसा हो गया। यहां के बांसगांव में वीरेंद्र मगहर रहता है। उसकी पत्नी संजू मोहम्मदपुर कटार में अपनी बहन के घर विसर्जन में शामिल होने आई थी।

आमी नदी उनके घर से 2 किलोमीटर दूर दक्षिण में बहती है। संजू, उसका 10 साल का बेटा अजीत, संजू की बहन की 3 बेटियां रूबी, दीपाली, पप्पूइया आमी नदी में गणपति का विसर्जन करने गई थीं। उनके साथ गांव के दूसरे लोग भी थे।

एक-दूसरे का हाथ पकड़कर नदी में उतरे थे बच्चे

गणपति विसर्जन के लिए संजू नदी में उतर गई। इस पर पीछे से अजीत और तीनों बच्चियां भी एक-दूसरे का हाथ पकड़कर नदी में उतर गईं।

अचानक एक बच्चे का पैर गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने के चक्कर में एक-एक कर चारों बच्चे नदी में डूबते गए। संजू ने यह देखकर शोर मचाया, लेकिन तब तक चारों गहरे पानी में चले गए।

हादसे की सूचना पर पुलिस और उपजिलाधिकारी स्थानीय गोताखोर के साथ मौके पर पहुंचे। गोताखोरों ने नदी में तलाश शुरू की। करीब एक घंटे बाद उन्होंने चारों बच्चों के शव बरामद कर लिए। पुलिस ने चारों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं।

दूसरा हादसा ललितपुर में हुआ, दोस्त को बचाने में युवक डूबा

ललितपुर में भी गणेश प्रतिमा के विसर्जन के दौरान दो दोस्त तालाब में डूब गए। हादसा ग्राम पटौरा कला में शुक्रवार दोपहर हुआ। गांव के तालाब में गणेश प्रतिमा का विसर्जन किया जा रहा था। गांव का पीयूष अपने पड़ोसी दोस्त इसरार (18) उर्फ छोटू के साथ तालाब में विसर्जन करने गया था। पीयूष तालाब में डूबने लगा, तो उसे बचाने को इसरार भी कूद गया। इसके बाद दोनों डूब गए।

ग्रामीणों ने निकाला, तब तक थम चुकी थी सांसें

दोनों को डूबते देखकर आसपास के लोग तालाब में कूद गए। उन्होंने दोनों को तालाब से बाहर निकाला। मगर, जब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हालांकि परिवार वाले दोनों को जिला अस्पताल ले गए। मगर, वहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

तीसरा हादसा उन्नाव में गंगा तट पर हुआ, तीन युवक डूबे, दो की मौत

तीसरा हादसा उन्नाव में गंगा तट पर गणेश विसर्जन के दौरान हुआ। यहां तीन युवक डूब गए। दो युवकों के शव निकाले गए। जबकि एक युवक को गंभीर हालत में कानपुर के हैलट अस्पताल भेजा गया है। वहां उसकी हालत गंभीर बानी है।

हादसा सफीपुर के माखी थाना क्षेत्र में हुआ। यहां एक ट्राली में बैठ कर 50 से अधिक लोग मूर्ति विसर्जन करने गंगा तट पर पहुंचे थे। मूर्ति विसर्जन के दौरान लवलेश, प्रशांत और विशाल गंगा में गहरे पानी में चले गए।

अलीगढ़ में प्रतिमा विसर्जन में गए 3 युवक डूबे : गोताखोरों ने 2 को बचाया, 1 की तलाश जारी

अलीगढ़ में प्रतिमा विसर्जन करने गए 3 युवक गंगा में डूब गए। हादसा विसर्जन के बाद स्नान करने के दौरान हुआ। 2 युवकों को गोताखोरों ने बचा लिया। एक युवक की तलाश जारी है। अतरौली के मोहल्ला टेड़ानीम से शुक्रवार को लोग गणेश प्रतिमा का विसर्जन करने के लिए नरौरा गंगा घाट पर पहुंचे। करीब 70 लोग घाट पर मौजूद थे। विसर्जन के बाद सभी गंगा में स्नान करने लगे। इस दौरान उमेश (35), श्यामू (25) और संजय उर्फ गोलू (18) गहरे पानी में डूबने लगे। शोर मचने पर गोताखोरों ने श्यामू और संजय को बचा लिया, जबकि उमेश की तलाश जारी है।

गोताखोरों ने आधे घंटे में निकाला

घाट पर मौजूद गोताखोर गंगा में कूदे और करीब आधे घंटे बाद तीनों युवकों को बाहर निकाला। इसमें लवलेश और प्रशांत की डूबने से मौत हो चुकी थी। विशाल बेहोशी की हालत में था। विशाल को इलाज के लिए पुलिस ने कानपुर के हैलट अस्पताल भेजा है।

हरियाणा : गणपति विसर्जन के दौरान डूबने से 4 की मौत

हरियाणा के नारनौल की में हादसा; 4 की हालत गंभीर, कई और के बहने की आशंका

एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा के महेंद्रगढ़ में गणपति विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा हो गया। कनीना-रेवाडी रोड पर स्थित गांव झगड़ोली के पास नहर पर गणेश की प्रतिमा विसर्जित करने गए करीब 9 व्यक्ति पानी के तेज बहाव के साथ बह गए। देर रात आठ लोगों को नहर से बाहर निकाला गया। इनमें से 4 की मौत हो गई। अन्य 4 लोगों की हालत गम्भीर बनी हुई है। प्रशासन की ओर से बचाव कार्य शुरू किया गया। शवों को अस्पताल और घायलों को हायर सेंटर भेजा गया है।

प्रतिमा के साथ बह गए 9 लोग

महेंद्रगढ़ के मोहल्ला ढाणी गणेश मंडल

के सदस्य शुक्रवार को गणेश विसर्जन के लिए झगड़ोली की नहर पर गए थे। वो गणपति की 8 फीट की प्रतिमा का विसर्जन करने पहुंचे थे। जैसे ही उपस्थित लोगों ने प्रतिमा को प्रवाहित किया तो 9 लोग प्रतिमा के साथ पानी में बह गए। मौके पर उपस्थित लोगों ने तत्काल बचाव कार्य करते हुए 3 लोगों को बाहर निकाला। मौके पर मेन सड़क मार्ग से एक एनडीआरआई का जवान अपने बच्चे को लेने रेवाडी जा रहा था तो उसने मौके पर भीड़ देखकर फुर्ती दिखाई और 4 लोगों को बाहर निकाला।

नहर का पानी रुकवाया गया

लोगों के नहर में बहने की सूचना के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। महेंद्रगढ़ के सरकारी अस्पताल में सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई। पूर्व शिक्षामंत्री रामबिलास शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने नहर विभाग के चीफ से बात कर नहर में पानी को रुकवाया। महेंद्रगढ़ के लगभग सभी निजी अस्पतालों के चिकित्सक भी सहायता के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचे। डीसी, एसपी समेत महेंद्रगढ़ के विभिन्न विभागों के अधिकारी भी सरकारी अस्पताल व मौके पर पहुंचे।

देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 6,093 नए मामले

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के 6,093 नए मामले सामने आने संक्रमितों की कुल संख्या 4,44,84,729 हो गयी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 214.55 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना महामारी से 18 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 528121 तक पहुंच गई है। दैनिक संक्रमण दर 1.93 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान इस महामारी से 6,768 लोगों के मुक्त होने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 4,39,06,972 हो गयी हैं।

मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 3,16,504 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 88.87 करोड़ से अधिक कोविड परीक्षण किए हैं। देश में स्वस्थ होने की दर 98.7 प्रतिशत है। सक्रिय मामलों का की दर 0.11 प्रतिशत है और मृत्युदर 1.19 फीसदी है।

केरल में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस संक्रमण के 144 नए मामले सामने आने से संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 10803 हो गया है इसी अवधि में कोरोना महामारी से उबरने वालों की संख्या बढ़कर 6685335 हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो मामले में दोषियों की सजा में छूट संबंधी दस्तावेज पेश करने को कहा

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 2002 के गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ सामूहिक बलात्कार और उसके परिवार के सदस्यों की हत्या के मामले में सभी 11 दोषियों को छूट देने मामले में गुजरात सरकार को दो सप्ताह के भीतर सभी रिकॉर्ड दाखिल करने का आदेश शुक्रवार को दिया।

न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने दोषियों की रिहाई को चुनौती देने वाली

याचिकाओं पर राज्य सरकार को जवाब दाखिल कर यह बताने को कहा कि 11 दोषियों को किस आधार पर रिहाई की गई थी।

शीर्ष अदालत ने दोषियों को माकपा की पूर्व सांसद सुभासिनी अली, पत्रकार रेवती लौल और प्रोफेसर रूप रेखा वर्मा द्वारा दायर एक याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने की भी अनुमति दी, जिसमें उनकी (दोषियों की) छूट की वैधता को चुनौती दी गई थी।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने भी अलग से याचिका दायर की है।

सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने पूछा कि क्या दूसरे मामले में नोटिस जारी करने की आवश्यकता है और क्या यह एक समान याचिका है, जिसमें कार्रवाई की एक ही वजह है।

कोलकाता बंदरगाह पर 200 करोड़ की हेरोइन जब्त

गुजरात एटीएस को छापे में मिली 40 किलो ड्रग, दुबई से आए शिपिंग कंटेनर में छिपाकर रखी गई थी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोलकाता बंदरगाह के पास 200 करोड़ की हेरोइन जब्त की गई। गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) और राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) की टीम ने इसे बरामद किया। करीब 40 किलो हेरोइन कंटेनर में 36 गियर बॉक्स में छिपाकर लाई गई थी।

गुजरात के पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया ने बताया कि 36 गियर बॉक्स में से 12 पर सफेद स्याही के निशान मिले। इन्हें दुबई के जेबेल अली पोर्ट से शिपिंग कंटेनर में भेजा गया था। यह इसी साल फरवरी में कोलकाता

बंदरगाह पहुंचा था। जांच में पता चला है कि इस हेरोइन को कोलकाता से किसी दूसरे देश में एक्सपोर्ट करना था।

36 गियर बॉक्स में 12 पर सफेद स्याही के निशान

गुजरात एटीएस को गुप्त जानकारी मिलने के बाद यहां छापा मारा गया। इसके बाद एटीएस और DRI के अधिकारियों की टीम ने कोलकाता बंदरगाह के पास से करीब 40 किलो हेरोइन बरामद की। इस दौरान 36 गियर बॉक्स में 72 पैकेट हेरोइन मिली।

इन गियर बॉक्स को खोलने पर उनमें सफेद रंग का पाउडर मिला। जांच अभी भी जारी है। बचे हुए गियर बॉक्स को भी खोलने का काम किया जा रहा है। इससे पहले 18 अगस्त को भी गुजरात एटीएस ने ड्रग्स की बड़ी खेप बरामद की थी।

जुलाई में 376.5 करोड़ की हेरोइन जब्त हुई थी

इस साल जुलाई में गुजरात एटीएस ने कच्छ जिले के मुंद्रा बंदरगाह के पास एक कंटेनर से 75.3 किलोग्राम हेरोइन जब्त की थी। इसकी कीमत 376.5 करोड़ रुपए से अधिक थी। इसे कपड़े के रोल के अंदर छुपाया गया था और इसे संयुक्त अरब अमीरात से पंजाब ले जाने के लिए भेजा गया था।

इस साल मई में भी एटीएस ने मुंद्रा बंदरगाह के पास एक कंटेनर से 500 करोड़ रुपए की 56 किलोग्राम कोकीन जब्त की थी।

अप्रैल में डीआरआई ने कच्छ में कांडला बंदरगाह के पास एक कंटेनर से 1,439 करोड़ रुपए की 205.6 किलोग्राम हेरोइन जब्त की थी।

केदारनाथ में बना श्रद्धालुओं के आने का रिकॉर्ड

126 दिनों में 11 लाख तीर्थयात्रियों नड़े किए दर्शन; लॉकडाउन से पहले पहुंचे थे 10 लाख लोग

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ में बाबा के दर्शनों के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं ने पिछले तीन साल का रिकॉर्ड तोड़ा है। पिछले 126 दिनों में 11 लाख तीर्थयात्रियों ने बाबा के दर्शन किए हैं। अधिकारियों द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले 2019 में 10 लाख तीर्थयात्री केदारनाथ धाम पहुंचे थे। रुद्रप्रयाग जिले के DM मयूर दीक्षित ने कहा कि इस बार रिकॉर्ड संख्या में यात्री पहुंचे हैं। केदारनाथ यात्रा साल 2020 और 2021 में

कोरोना महामारी के कारण प्रभावित रही, लेकिन इस बार यात्रा अच्छे से आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि शुरुआत में ज्यादा भीड़ के कारण समस्या आई थी। सफाई व्यवस्था में भी कुछ कमी थी, लेकिन अब सभी समस्याओं को ठीक कर दिया गया है।

500 से ज्यादा सफाई कर्मचारी यात्रा में सेवाएं दे रहे

दीक्षित ने बताया कि 500 से ज्यादा सफाई कर्मचारी यात्रा में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। साथ ही यात्रा से जुड़े विभाग भी लगातार अपने काम पर ध्यान दे रहे हैं। सभी विभागों को निर्देश दे दिए गए हैं कि यात्रा में किसी भी यात्री को कोई भी दिक्कत न हो। धाम में तीर्थयात्रियों को पैदल मार्ग सहित बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

यात्रियों की संख्या 13 लाख पार होने की उम्मीद

यात्रा में अभी भी डेढ़ महीने बाकी हैं और सभी होटल पहले से ही बुक हो गए हैं। इस साल 6 मई को केदारनाथ धाम की यात्रा शुरू हुई थी। DM ने कहा कि उम्मीद है कि केदारनाथ आने वालों की संख्या 13 लाख को पार कर जाएगी। जानकारी के अनुसार, केदारनाथ यात्रा में इस साल अब तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

कर्लीज क्लब को गिराने पर सुप्रीम कोर्ट का स्टे

सभी कॉमर्शियल एक्टिविटी पर रोक लगाई, यहीं सोनाली फोगाट को ड्रग्स दी गई थीं

गोवा। गोवा के कर्लीज क्लब को गिराने पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने इस शर्त पर रोक लगाई है कि अब क्लब में किसी तरह की कॉमर्शियल एक्टिविटी नहीं होगी। शुक्रवार सुबह से ही क्लब को गिराने का काम चल रहा था।

को गिराने के लिए बुलडोजर भी पहुंच चुका था। यह वही क्लब है, जिसमें भाजपा नेता सोनाली फोगाट को ड्रग्स दी गई थी।

इधर, गोवा प्रशासन का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने क्लब के सिर्फ एक हिस्से पर रोक लगाई है। बाकी हिस्सों को गिराने का काम चल रहा है। गोवा प्रशासन के मुताबिक कर्लीज क्लब को नो डेवलपमेंट जोन में बनाया गया है। गोवा कोस्टल जोन मैनेजमेंट अथॉरिटी ने 2016 में इसे ढहाने का आदेश दिया था। क्लब के मालिक एडविन नुन्स ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में इस आदेश को चुनौती दी थी। एनजीटी ने 6 सितंबर को GCZMA के फैसले को बरकरार रखा था। इसके बाद 8 सितंबर (गुरुवार) को जिला प्रशासन ने क्लब को गिराने का आदेश जारी किया था।

झुग्गी बस्ती से चलने वाली पार्टी को कहां से मिला 90 करोड़ चंदा

मुंबई। मुंबई की एक झुग्गी बस्ती से चलने वाली एक राजनीतिक पार्टी को मिले करोड़ों के चंदे ने आयकर विभाग के कान खड़े कर दिए हैं।

हाल ही में देश भर में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से छापेमारी की गई थी। इसी दौरान इस राजनीतिक दल के बारे में भी खुलासा हुआ है। जनतावादी कांग्रेस पार्टी नाम के इस दल का मुख्यालय चूनाभट्टी इलाके की एक झुग्गी बस्ती में स्थित है।

जानकारी सामने आई है कि 2015 में बनी जनतावादी कांग्रेस पार्टी को कोई छोटी राशि नहीं बल्कि 90 करोड़ रुपये का चंदा मिला है। आयकर विभाग को शक है कि हवाला रैकेट के जरिए आई रकम राजनीतिक दल को ट्रांसफर की गई है। इससे शक और गहरा गया है।

एक गुमनाम पार्टी को कहां से मिल गया 90 करोड़ का चंदा

जनतावादी कांग्रेस पार्टी पंजीकृत दल है, लेकिन महाराष्ट्र या फिर मुंबई की सियासत में इसका कभी कोई रोल नहीं रहा है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि जनतावादी कांग्रेस पार्टी को 90 करोड़ रुपये का दान किसने दिया? जो एक चाली में दो मंजिला कमरे से चलती है और पार्टी के सिंबल के अलावा उसके पास कुछ नहीं है। इस बारे में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष काटके ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी को 90 करोड़ रुपये का चंदा मिला। यह सारा पैसा पार्टी के काम में खर्च किया गया। हमने कुछ भी गलत नहीं किया है।

मास्टर

21 लाख फेक खातों में गए पीएम किसान योजना के 46 अरब रुपए, कृषि मंत्री बोले- वसूली होगी

उत्तरप्रदेश में टैक्स भरने वाले खा गए किसानों का पैसा

एजेंसी

लखनऊ। यूपी के 2 करोड़ 85 लाख किसान पीएम सम्मान निधि का लाभ उठा रहे हैं। इनमें से 21 लाख अपात्र लोग गलत तरीके से योजना की राशि ले रहे हैं। सरकार ने ऐसे फेक किसानों की जानकारी जुटा ली है, इनके बैंक खातों में भेजी गई रकम को अब वसूला जाएगा।

यूपी के कृषी मंत्री सूर्य प्रताप शाही का कहना है, योजना में ऐसे किसानों का भी नाम है, जो इनकम टैक्स फाइल करते थे। कहीं एक पति-पत्नी दोनों किस्त का लाभ ले रहे हैं। सरकार ने ऐसे फेक किसानों को आखिरी

मौका दिया है। वो चाहें तो ऑनलाइन पोर्टल पर जाकर ली गई रकम अपनी मर्जी से वापस कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत 1 दिसंबर 2018 को हुई थी। इसके तहत किसानों को साल भर में 6000 रूपए का लाभ सीधे उनके बैंक खाते में दिया जाता है। हर 4 महीने में किसान को 2000 रूपए की किस्त दी जाती है। तो इस तरह की 2000 रूपए की 11 किस्तें यूपी के किसानों को मिल चुकी हैं।

सभी किसानों को 12वीं किस्त का इंतजार है जो 25 सितंबर तक आने की संभावना है। दरअसल, ये 12वीं क़िस्त इसलिए रुकी हुई है क्योंकि सरकार ने योजना का लाभ ले रहे ऐसे 21 लाख लोगों को खोजा है, जो इस योजना के पात्र ही नहीं हैं। इन फेक अकाउंट्स का पता लगाने की वजह से बाकी किस्त आने में समय लगा है।

21 लाख किसानों की रुकी हुई है किस्त

2 करोड़ 85 लाख किसानों में से 21 लाख किसानों की किस्त रुकी हुई है। वो इसलिए क्योंकि पोर्टल पर उन किसानों का आधार नंबर और भूलेख डाटा गलत दर्ज है। सात सितंबर को हुई बैठक में यूपी के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि योजना में लाभ ले रहे कई फेक अकाउंट होल्डर्स सरकारी नौकरी, आयकर भरने वाले और एक ही परिवार के दो-दो लाभार्थी हैं। इन लोगों से सभी 11 किस्तों की रकम वसूली जाएगी।

हर फेक किसान से होगी 22 हजार रुपए की वसूली

कृषि मंत्री शाही ने बताया, भारत सरकार से मिली लिस्ट में यूपी के लाभार्थी किसानों की संख्या 2.85 करोड़ है। हमने इन सभी लोगों के अकाउंट की जांच की। इसके बाद इनमें से कुल 21 लाख किसान अपात्र पाए गए हैं। इनमें से कई को नोटिस भेजा जा चुका है। बचे हुए लोग को नोटिस भेजने की प्रकिया जारी है।

शार्ट न्यूज

राजौरी में निषेधाज्ञा लागू

जम्मू। केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिला में दो समुदायों के बीच विवाद के बाद प्रशासन ने शुक्रवार को निषेधाज्ञा लागू कर दी, जिसके तहत एक स्थान पर पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक लगा दी गयी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, दो समुदायों के बीच जमीन के एक हिस्से को लेकर कुछ मुद्दा है। इसके मद्देनजर किसी भी तरह से कानून और व्यवस्था को बिगड़ने से रोकने के लिए भारतीय अपराध संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 लागू की गई है। उन्होंने बताया कि अफवाह फैलाने से रोकने के लिए हाई स्पीड इंटरनेट सेवा भी कुछ घंटों के लिए बंद रही। उन्होंने कहा, स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है और प्रतिबंध बहुत जल्द हटा दिए जाएंगे। अधिकारी ने बताया कि प्रशासन बीच का रास्ता निकालने के लिए दोनों समुदायों के प्रमुख सदस्यों से बातचीत कर रहा है।

साइंस एंड टैक्नोलॉजी मंत्री कॉन्क्लेव में धामी का प्रतिनिधित्व करेंगी आर्या

देहरादून। गुजरात के अहमदाबाद स्थित साइंस सिटी में आगामी 10-11 सितम्बर को होने वाले स्टेट साइंस एण्ड मिनिस्टर्स कॉन्क्लेव में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रतिनिधि के रूप में महिला सशक्तिकरण मंत्री रेखा आर्या सम्मिलित होंगी। शुक्रवार को अमदाबाद जाने से पहले श्रीमती आर्या ने बताया कि इस कांन्क्लेव में सभी राज्यों के सम्बन्धित मंत्री प्रतिभाग करेंगे। चूंकि राज्य में यह विभाग स्वयं मुख्यमंत्री के पास है और वह अन्यत्र व्यस्त हैं, इसलिये वह उनके प्रतिनिधि के रूप में इस कॉन्क्लेव में हिस्सा लेंगी। उन्होंने बताया कि राज्य में साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी में अभी तक किये गए कार्य का प्रस्तुतिकरण वहां किया जायेगा। साथ ही हमें केंद्र सरकार से किन-किन चीजों की आवश्यकता है, उसका विवरण प्रस्तुत किया जायगा।

तमिलनाडु के अलग-अलग स्थानों पर बारिश

चेन्नई। तमिलनाडु में पिछले 24 घंटों के दौरान अलग-अलग स्थानों पर बारिश हुई जबकि पुडुचेरी और कराईकल में मौसम शुष्क रहा। मौसम विभाग ने यहां यह जानकारी दी। इस दौरान पुडुचेरी और कराईकल क्षेत्र में मौसम शुष्क रहा। बारिश की मुख्य मात्रा सेंटीमीटर में: चिन्नाकल्लार (कोयंबटूर जिला) 7 सेंमी, वालपराई पीटीओ (कोयंबटूर जिला) 6 सेंमी, एवलांच (नीलगिरी जिला), शोलायार (कोयंबटूर जिला), हरिसन एस्टेट, चेरुमुल्ली (नीलगिरि जिला) प्रत्येक में 5-5 सेंमी, सिनकोना (कोयंबटूर जिला), देवाला (नीलगिरि जिला), वल्परई तालुक कार्यालय (कोयंबटूर जिला), वल्परई पीएपी (कोयंबटूर जिला) प्रत्येक में 4-4 सेंमी, पंडालूर (नीलगिरि जिला) 3 सेंमी, गोबीचेट्टीपलयम (इरोड जिला), ऊपरी भवानी (नीलगिरि जिला) प्रत्येक में 2-2 सेंमी, पेरियार (थेनी जिला), पेचिपराई (कन्याकुमारी जिला), कोल्लीडम (मयिलादुथुरई जिला), वुड बरैयार एस्टेट (नीलगिरि जिला) में 1-1 सेंमी।

नागालैंड पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 840 ग्राम हेरोइन बरामद की

कोहिमा। नागालैंड पुलिस ने कोहिमा-फुत्सेरो-इंफाल राजमार्ग के निकट विश्वेमा वाई-जंक्शन के पास एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से करीब 840 ग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कोहिमा पुलिस मुख्यालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि बुधवार को आरोपी वाहन से मणिपुर के सेनापति जिला मुख्यालय से दीमापुर की ओर जा रहे थे। पुलिस ने मोबाइल वाहन जांच चौकी के पास जांच के दौरान आरोपियों से 840 ग्राम हेरोइन बरामद की है जो साबुन के अंदर छिपाकर रखी गयी है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान तदुबी के काताफिमई एक 39 वर्षीय पुरूष और मणिपुर में तदुबी के अंतर्गत आने वाले पाहिबुंग शुक्लेन निवासी 34 वर्षीय महिला के रूप में की है। जिन्हें प्रतिबंधित मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार कर लिया गया और उनके वाहन को जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और कार्रवाई जारी है।

सिहाली कलां में वृद्धा की हत्या के मामले में तीन बदमाश गिरफ्तार

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के मुंडावर थाना क्षेत्र के सिहाली कलां गांव में पिछले माह हुई वृद्धा कृष्णा देवी की हत्या के मामले में पुलिस ने आज मुख्य आरोपी सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया। मुंडावर थाना प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अब तक मामले में लिप्त पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिसमें दो लोगों को पहले ही पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। प्रेमिका की मौत का बदला लेने के लिए आरोपियों ने सास एवं पति का हत्या करने का प्लान था लेकिन मौके पर केवल वृद्ध महिला ही घर पर मौजूद थी जिसके चलते मृतका महिला के पति की हत्या होने से बच गई। पुलिस ने इस मामलो में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने शुक्रवार को मुख्य आरोपी अंकुर जाट (21) निवासी खुडलिया थाना सिंभावली जिला हापुड, गोल्डी उर्फ गोलू जाट (23) निवासी कुराना सिंभावली, दिग्विजय सिंह उर्फ दिग्गज जाट (22) निवासी मोहम्मदपुर खुडलिया हाल सुभाष विहार कॉलोनी सिंभावली जिला हापुड को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

स्कूली वाहनों पर परिवहन अधिकारी ने की चालानी कार्रवाई

मुरैना। मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में गाइडलाइन का पालन नहीं करने वाले 34 स्कूल वाहनों पर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अर्चना परिहार द्वारा कार्रवाही की गयी है। कार्रवाई में 5 मैजिक वाहन ऐसे पाये गये, जिन पर लायसेंस, फिटनेस परमिट की त्रुटियां थी। उन पर 41 हजार 900 रूपये की चालान कार्रवाई की गई है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार कलेक्टर बी.कार्तिकेयन ने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिये थे कि जिले में लायसेंस, फिटनेस परमिट बिना वाले वाहन चलना नहीं चाहिये। इसके तारतम्य में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने लगातार आज तीसरे दिन कार्रवाई की। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अर्चना परिहार ने सभी स्कूल संचालकों को सूचित किया है कि स्कूल में आने वाले छात्र-छात्राओं के लिए वाहन नियमानुसार संचालित करें। समय-समय पर वाहनों की चेकिंग कराएं। कहीं भी नियमों का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। एक भी वाहन चालक नियमों का पालन नहीं करता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

बिशप पी सी सिंह निकला करोड़ों का आसामी

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर में राज्य के आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने द बोर्ड ऑफ एजुकेशन चर्च आफ नार्थ इंडिया जबलपुर डायोसिक के चेयरमैन बिशप पी सी सिंह के आवास एवं कार्यालय में छापे की कार्रवाई की जिसमें वह करोडों रुपए का आसामी निकला। ईडब्ल्यूओ के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार कार्रवाई के दौरान उसके पास से बडी मात्रा में नगदी, जेवरात, प्रॉपर्टी, बैंक खाते, वाहन सहित अन्य दस्तावेज मिले है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शैक्षणिक संस्थाओं को मिली जमीन और प्राप्त होने वाली आय के दुरूपयोग के संबंध में धर्मातंरण सहित अन्य बिन्दु निर्धारित करते हुए ईओडब्ल्यू को जांच सौंपी है। इसके अलावा जिला प्रशसन भी अपने स्तर पर जांच करेगा। द बोर्ड ऑफ एजुकेशन चर्च आफ नार्थ इंडिया जबलपुर डायोसिक के बिशप पी सी सिंह द्वारा मूल सोसायटी के नाम परिवर्तित उसका अध्यक्ष बनने की शिकायत ईओडब्ल्यू को मिली थी। उन्होंने पद का दुरूपयोग करते हुए सोसायटी की विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं से प्राप्त होने वाली छात्रों की फीस की राशि का उपयोग धार्मिक संस्थाओं को चलाने एव स्वयं के उपयोग में किया है। जांच में वर्ष 2004-05 से 2011-2012 के बीच दो करोड 70 लाख की राशि धार्मिक संस्थाओं को टॉन्सफर करने तथा खुद के उपयोग में लेकर गबन करने का आरोप सही पाया गया। साक्ष्यों के आधार पर ईओडब्ल्यू ने बिशप पी सी सिंह तथा तत्कालीन असिस्टेंट रजिस्टार फमर्स एण्ड सोसायटी बी एस सोलंकी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया था।

कांग्रेस अध्यक्ष बनने के सवाल पर पहली बार बोले राहुल गांधी

कोई कन्फ्यूजन नहीं है, इंतजार करिए

एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी कांग्रेस अध्यक्ष बनेंगे या नहीं? इस पर कांग्रेसियों के अलावा देश भर के राजनीतिक पंडितों की नजर है। इस बीच राहुल गांधी ने इस सस्पेंस को और बढ़ाते हुए इंतजार करने की बात कही है।

भारत जोड़ो यात्रा पर निकले राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा, मैं कांग्रेस का अध्यक्ष बनूंगा या नहीं, यह बात तब पता चल जाएगी जब कांग्रेस के संगठन चुनाव होंगे। मुझे क्या करना है, इसे लेकर मैं पूरी तरह से क्लियर हूं। मेरे दिमाग में कोई कन्फ्यूजन नहीं है। यही नहीं राहुल गांधी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि उसने देश के सभी संस्थानों पर कब्जा जमा लिया है और उन पर दबाव बना रही है। हम सिर्फ एक राजनीतिक दल से नहीं लड़ रहे हैं।

यह लड़ाई भारत की पूरी व्यवस्था और विपक्ष के बीच हो गई है। राहुल गांधी ने कहा कि दो अलग-अलग विचारों की यह लड़ाई करीब हजार साल से चली आ रही है और जारी रहेगी। भारत को लेकर दो विजन हैं। एक ऐसा विचार है, जो सबको कंट्रोल करने की बात करता है।

इसके अलावा दूसरा ऐसा है, जो खुले विचारों वाला है और सबका सम्मान करता है। इन दोनों के बीच लड़ाई तो जारी ही रहेगी। बता दें कि राहुल गांधी कांग्रेस के अध्यक्ष बनेंगे या नहीं, इसे लेकर लगातार कांग्रेस पार्टी पसोपेश में चल रही है। अशोक गहलोत समेत कई कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी से आग्रह किया है कि वह कांग्रेस अध्यक्ष बनने के लिए तैयार हो जाएं।

बता दें कि इस बीच कांग्रेस ने मुकुल वासनिक को मध्य प्रदेश के प्रभारी पद से हटा दिया है।

ऐसे में इस बात की भी चर्चा है कि क्या उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है। वहीं एक वर्ग ऐसा भी है, जो अशोक गहलोत के नाम को लगातार आगे बढ़ा रहा है।

हालांकि खुद अशोक गहलोत ने अपने अध्यक्ष बनने की चर्चाओं को खारिज कर दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि सोनिया गांधी की अशोक गहलोत को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने पर सहमति है। उनकी राय से प्रियंका गांधी और राहुल गांधी जैसे नेता भी सहमत हैं।

कश्मीर में धूमधाम से मनाया गया मच्छल मेला

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में ग्रामीणों और भारतीय सेनाओं द्वारा पहली बार मच्छल मेला का आयोजन गांव के मैदान में किया गया है।

रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि मेला का आयोजन कुपवाड़ा के सीमांत कश्मीर जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास मच्छल गांव क्रिकेट मैदान में किया गया। ग्रामीणों और सेनाओं ने सभी कार्यक्रमों का आयोजन और संचालन किया। मच्छल मेले के मुख्य अतिथि वज्र संभाग के जनरल ऑफिसर कमांडिंग थे। इस अवसर पर सेना और नागरिक प्रशासन के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत गांव के प्रतिनिधियों द्वारा मच्छल स्टेडियम के शिलान्यास के अनावरण के साथ हुई।

समापन समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत और कई अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया।

इस आयोजन की मुख्य विशेषताएं मुंबई की एक प्रसिद्ध भरतनाट्यम नर्तकी पृथिका सिमानी का प्रदर्शन, मेरी जिंदगी फीमेल रॉक बैंड द्वारा संगीतमय प्रदर्शन, आबिद अली द्वारा संगीत कार्यक्रम और सेव यूथ सेव फ्यूचर फाउंडेशन की मंडली द्वारा नृत्य प्रदर्शित किया गया।

तेलंगाना : बालापुर गणेश लड्डू रिकॉर्ड कीमत 24.60 लाख में बिका

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में शुक्रवार को 21-किलो वजन वाला बालापुर गणेश लड्डू रिकार्ड कीमत पर 24.60 लाख रुपये में बिका। स्थानीय निवासी वी लक्ष्मा रेड्डी ने इस लड्डू के लिए सफलतापूर्वक बोली लगायी। पिछले वर्ष यह लड्डू 18.90 लाख रूपये में नीलाम हुआ था जिसमें इस वर्ष 5.70 लाख रुपये की वृद्धि हुई है। प्रत्येक वर्ष गणेश विसर्जन यात्रा शुरू होने से पहले इस लड्डू की नीलामी होती है। यह नीलामी अब तक की सबसे बड़ी नीलामी है, जिसकी शुरूआत 28 वर्ष पहले 1994 में हुई थी। बालापुर उत्सव समिति ने इस वर्ष नीलामी में लड्डू की कीमत का अनुमान 20 लाख रुपये लगाया था। इस नीलामी में 10 लोगों ने भाग लिया।

शुरुआती वर्ष में बालापुर लड्डू केवल 450 रुपये में बिका था और अब प्रत्येक वर्ष लड्डू के नीलामी की परंपरा चली आ रही है। लोगों का विश्वास है कि बालापुर लड्डू खरीदने वाले को वरदान मिलता है और नीलामी में इसे जीतने वाला भाग्यशाली होता है। नीलामी में लड्डू जीतने के बाद, विजेता इसका वितरण ग्रामीणों के बीच करेंगे और उपज में बढ़ोत्तरी के लिए इसके कुछ भाग खेतों में भी डालेंगे।

एलिज़ाबेथ द्वितीय के निधन पर ममता ने जताया शोक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने ब्रिटेन की महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय के निधन पर शुक्रवार को गहरा शोक प्रकट किया। बनर्जी ने ट्विटर पर लिखते हुए कहा, मैं महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन पर ब्रिटिश शाही परिवार और ब्रिटेन के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। उन्होंने यह भी कहा कि सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली ब्रिटिश महारानी के निधन के साथ ही एक युग का अंत हो गया है।

बेंगलुरु यूनिवर्सिटी में मंदिर निर्माण को लेकर विवाद, छात्र बोले- लाइब्रेरी बनाई जाए

बेंगलुरु। कर्नाटक की बेंगलुरु यूनिवर्सिटी में मंदिर बनाए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। छात्र विश्वविद्यालय के परिसर में गणेश मंदिर के निर्माण का विरोध कर रहे हैं। स्टूडेंट्स की मांग है कि यूनिवर्सिटी में मंदिर की जगह लाइब्रेरी बनाई जाए। विश्वविद्यालय के कुछ प्रोफेसर भी छात्रों की इस मांग के साथ खड़े हैं। छात्रों ने मंदिर निर्माण का विरोध किया और इसके बदले एक पुस्तकालय की मांग की। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण को लेकर रजिस्ट्रार और कुलपति ने भी विरोध जताया है। इसके बावजूद बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) विश्वविद्यालय परिसर के अंदर मंदिर बनाने पर अड़ी है।

सड़क को चौड़ा करने के दौरान शिफ्ट हुआ मंदिर

रिपोर्ट के मुताबिक, यूनिवर्सिटी के कैंपस में पहले से ही एक मंदिर बना हुआ था। हालांकि, सड़क को चौड़ा किए जाने के दौरान उसे शिफ्ट करना पड़ा। अब जब बीबीएमपी के कर्मचारी मंदिर निर्माण के लिए परिसर में पहुंचे तो उन्हें छात्रों के एक गुट की ओर से विरोध का सामना करना पड़ा। छात्रों ने जमकर नारेबाजी की।

यूनिवर्सिटी का भगवाकरण करने का लगाया आरोप

स्टूडेंट्स ने यूनिवर्सिटी का भगवाकरण करने का आरोप लगाया है। एक छात्र ने कहा कि मंदिर के नाम पर यह विवाद खड़ा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यूजीसी और सुप्रीम कोर्ट भी इसकी इजाजत नहीं देता है। मीडिया में जो फुटेज सामने आए हैं, उनमें हालात तनावपूर्व नजर आ रहा है। कुछ लोग मंदिर बनाने के काम में लगे हुए हैं।

विजिलेंस जांच के खिलाफ किशन चंद्र पहुंचे हाईकोर्ट, सरकार से मांगा जवाब

एजेंसी

नैनीताल। भारतीय वन सेवा के अधिकारी व कार्बेट टाइगर रिजर्व (सीटीआर) के कालागढ़ वन प्रभाग के निलंबित तत्कालीन उप वन संरक्षक किशन चंद्र सतर्कता अधिष्ठान की जांच के खिलाफ उच्च न्यायालय पहुंच गये हैं। उन्होंने अदालत से उनके खिलाफ दायर अभियोग को रद्द करने की मांग की है। अदालत ने सरकार से इस मामले में 16 सितंबर तक जवाब पेश करने को कहा है।

आईएफएस अधिकारी किशन चंद्र की ओर से याचिका दायर कर कहा गया कि उन पर लगाये गये आरोप बेबुनियाद हैं। उन्होंने किसी प्रकार की कोई अनियमितता नहीं की है। विभागीय अनुमति के बाद ही निर्माण कार्य किये गये हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत से उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे को रद्द करने की मांग की गयी। याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा गया कि सरकार की ओर से उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

दूसरी ओर सरकार की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ गंभीर आरोप हैं। राष्ट्रीय बाघ प्राधिकरण (एनसीटीए) व उच्च न्यायालय के आदेश पर की गयी जांच में अनियमितताओं की पुष्टि हुई है। सरकार की ओर से यह भी कहा गया कि जांच अभी प्राथमिक चरण में है। इसके बाद अदालत ने सरकार से इस मामले में 16 सितंबर तक जवाब पेश करने को कहा है। इस मामले में अगली सुनवाई 16 सितंबर को होगी।

चंद्र पर सीटीआर में तैनाती के दौरान कालागढ़ वन प्रभाग के मोरघट्टी व पाखरो में भ्रष्टाचार व अनियमितताओं के आरोप हैं। आरोप है कि उनकी तैनाती के दौरान अवैध निर्माण को अंजाम दिया गया और पेड़ों का अवैध पातन किया गया।

सरकार ने श्री चंद्र को कुछ समय पहले निलंबित कर दिया था। साथ ही पूरे प्रकरण की जांच विजिलेंस को सौंप दी थी। विजिलेंस की ओर से पिछले महीने आठ अगस्त को आरोपी के खिलाफ वन संरक्षण अधिनियम, 1980, भारतीय वन अधिनियम व भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की गंभीर धाराओं में अभियोग पंजीकृत जांच शुरू कर दी थी। श्री चंद्र अब सेवानिवृत्त हो गये हैं।

केदारनाथ धाम के लिए फिर से शुरू हुई हेली सेवाएं

देहरादून। उत्तराखंड में मानसून के समापन की शुरुआत के साथ ही विश्व प्रसिद्ध चारधाम यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी होने लगी है। साथ ही, बढ़ते श्रद्धालुओं और मौसम को दृष्टिगत रखते हुए एक बार फिर श्री केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवाएं भी शुरू कर दी गई हैं। सूत्रों के अनुसार, अन्य धामों के साथ ही 18 किलोमीटर पैदल ट्रैक वाले केदारनाथ धाम में तीर्थयात्रियों की संख्या में भी लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। प्रतिदिन चार से छह हजार के बीच यात्री केदारनाथ धाम पहुंच रहे हैं। इस बीच हेली सेवाओं के पुन: संचालन से धाम की यात्रा सुगम हो गई है। हेली कंपनियों द्वारा तीर्थयात्रियों को बेहतर व्यवस्थाएं मुहैया कराई जाए, इसके लिए प्रशासन की ओर से लगातार निगरानी रखी जा रही है। केदारनाथ धाम में अभी तक कुल 96094 श्रद्धालु हेलीकॉप्टर से दर्शन करने पहुंचे हैं।

किशोरी को बंधक बना दुष्कर्म करने के जुर्म में दोषी को 20 वर्ष कारावास

एजेंसी

जींद। हरियाणा में जींद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ चंद्रहास की अदालत ने किशोरी का अपहरण के बाद बंधक बनाकर दुष्कर्म करने के जुर्म में दोषी को 20 वर्ष का कारावास तथा 40,500 रुपये जुर्माना सुनाया है। डीएलएसए पीड़िता को चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता भी देगा। सदर थाना नरवाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने गत 19 नवंबर को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि गत 17 नवंबर को सुबह उसकी 16 वर्षीय पुत्री संदिग्ध परिस्थितियों के चलते गांव से गायब हो गई। आसपास तलाशने तथा पूछताछ करने पर उसकी पुत्री का कोई सुराग नहीं लगा। सदर थाना नरवाना पुलिस ने व्यक्ति की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया था। बाद में पुलिस ने किशोरी को बरामद कर गांव फरैण कलां निवासी गुरमीत उर्फ जस्सा को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने गुरमीत के खिलाफ अपहरण के अलावा बंधक बनाने तथा छह पाक्सो एक्ट की धाराएं और जोड़ दी थी।

हिमाचल प्रदेश में भाजपा की पुन: सत्ता में आएगी: ठाकुर

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार के जन हितैषी निर्णय कांग्रेस नेताओं को रास नहीं आ रहे हैं लेकिन अब यही नेता जनता को लुभाने के लिए 10 गारंटी दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के बड़े-बड़े दावों के बहकावे में प्रदेश की जनता नहीं आएगी और प्रदेश में भाजपा की पुन: सत्ता में आएगी। कांग्रेस पार्टी का देश से पूरी तरह सफाया हो गया है और अब प्रदेश की बारी है कि राज्य में भाजपा का 'मिशन रिपीट' सुनिश्चित किया जाए।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र में लगभग 51.08 करोड़ रुपये की नौ विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किए। उन्होंने कहा कि इन समारोहों का उद्देश्य युवा पीढ़ी को राज्य के गौरवमयी विकासात्मक, सांस्कृतिक और राजनीतिक सफर से अवगत करवाना भी है। इस अवसर प्रदेश के दूरदर्शी नेताओं, डॉक्टरों, इंजीनियरों, शिक्षकों, कर्मचारियों, श्रमिकों, किसानों और सबसे बढ़कर उन सभी लोगों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का है, जिन्होंने राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इनके प्रयासों से ही हिमाचल प्रदेश आज देश के अन्य राज्यों के लिए रोल मॉडल बनकर उभरा है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के चार वर्ष का कार्यकाल के पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मंडी दौरे के दौरान 10,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को समर्पित किया। राज्य सरकार आगामी कुछ महीनों में अपना कार्यकाल पूर्ण करने वाली है। राज्य सरकार का यह कार्यकाल गरीबों और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित रहा है।

ठाकुर ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी सदैव हिमाचल प्रदेश को अपना दूसरा घर मानते थे। अटल जी को जब भी समय मिलता था वे एक-दो दिन के लिए मनाली जरूर आते थे।

मोदी भी हिमाचल प्रदेश को अपना दूसरा घर मानते हैं और प्रदेश के लोगों की विकासात्मक आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील हैं।

परनीत कौर ने आप सरकार पर सियासी बदले की कार्रवाई का लगाया आरोप

एजेंसी

पटियाला। कांग्रेस नेता एवं पंजाब में पटियाला सीट से सांसद परनीत कौर ने जिला प्रशासन की ओर से पार्षद वर्षा कपूर के पति हरीश कपूर की दुकान पर की गई कार्रवाई को सियासी बदले की कार्रवाई करार देते हुये इसकी निंदा की है।

कौर ने आज एक बयान में कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार की ओर से की जा रही बदले की कार्रवाई निंदनीय है और वह इसकी सख्त शब्दों में आलोचना करती हैं। रेवेन्यू रिकार्ड के अनुसार उक्त विवादित डेरे की जमीन पर 156 के करीब जायदाद हैं और सिर्फ नये मालिक को खुश करने के लिये जिला प्रशासन ने सियासी दबाव में आकर पूरे शहर में केवल एक ही दुकान को गिरा दिया। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन ने निष्पक्ष कार्रवाई करनी थी तो हमारे पार्षद को निकालने के बजाय सभी 156 जायदादों पर कार्रवाई होनी चाहिये थी। यह कार्रवाई पूरी तरह अनावश्यक थी और जिस तरह जल्दबाजी में यह कदम उठाया गया वो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। उनके अनुसार कल रात एक आदेश दिया गया और आज सुबह दुकान के मालिक को अपना पक्ष रखने या अदालत का दरवाजा खटखटाने का मौका तक नहीं दिया गया। अनेक बार आग्रह के बावजूद मालिक को दुकान से अपना सामान तक नहीं निकालने दिया और सारा सामान सड़क पर फेंक दिया गया।

केरल के पत्रकार कप्पन को सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के आरोप में उत्तर प्रदेश में गिरफ्तार केरल के पत्रकार सिद्दीक कप्पन को शुक्रवार को जमानत दे दी। मुख्य न्यायाधीश यू यू ललित और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की पीठ ने याचिकाकर्ता कप्पन को जमानत देते हुए छह सप्ताह तक दिल्ली में रहने और उसके बाद उन्हें केरल जाने की अनुमति दी। पीठ ने जमानत स्वीकार करते हुए यह भी कहा कि याचिकाकर्ता करीब दो साल से जेल में है और आरोप तय होने में समय लगेगा।

कमलनाथ का आरोप पोषण आहार घोटाले मामले में नहीं हो रही कार्रवाई

एजेंसी

भोपाल। मध्यप्रदेश में कथित तौर पर हुए पोषण आहार घोटाले मामले को लेकर आज कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आरोप लगाते हुए कहा कि इस मामले को लेकर केग रिपोर्ट भी सामने आ गयी, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई मामले को लेकर नहीं की गयी। कमलनाथ ने यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से चर्चा में यह आरोप लगाए। उनका कहना है कि पोषण आहार घोटाला अभी सामने आया है, केग की रिपोर्ट सामने आई है कि किस प्रकार भ्रष्टाचार किया गया है, लेकिन इस मामले को लेकर न कोई जवाब दिया जा रहा है और न ही इस मामले में एफआईआर दर्ज की जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधानसभा के आगामी सत्र में इस मामले को जोर-शोर से उठाएंगी और सरकार से जवाब मांगेंगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले किसानों को खाद-बीज के लिए भटकना नहीं पड़ता था, आज किसान खाद-बीज के लिए भटक रहा है, पिछले 2 साल से यह स्थिति है, किसान इस सच्चाई को देख रहा है।

भीलवाडा में अनंत चतुदर्शी पर निकाली शोभायात्रा

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा में कोरोना के चलते दो साल बाद आज अनंत चतुदर्शी के मौके पर शोभायात्रा में मात्र दो ही मूर्तियां शामिल हुई है, जिसे लेकर लोगों में कई तरह की चर्चायें चलती रही। प्राप्त जानकारी के अनुसार शोभायात्रा में दो ही मूर्तियों के शामिल होने को लेकर लोगों में निराशा नजर आई, जहां दो साल पहले एक से डेढ़ किलोमीटर लंबा जुलूस हुआ करता था, वहां आज 100 मीटर में भी जुलूस नहीं होकर पुलिस के वाहन शामिल थे। गौरतलब है कि शहर में 38 स्थानों पर गणेश पांडालों में 10 दिन तक भव्य आयोजन हुये, लेकिन आज विसर्जन के लिए मूर्तियां एक साथ जुलूस में नहीं होने से वर्षों की परंपरा टूटती नजर आई।

एक और जहां दो साल पहले तक शोभायात्रा में रंग-गुलाल उड़ाते लोग डीजे और डांडिया पर थिरकते नजर आते थे।

शिक्षा में सुधार के लिये नयी शिक्षा नीति को पूरी तरह लागू करने का लक्ष्य

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए नई शिक्षा नीति-2020 को वर्ष 2025 तक पूर्ण रुप से लागू करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर आज पंचकूला में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, हरियाणा (उच्च शिक्षा संवर्ग) के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि छात्रों और शिक्षकों के अनुपात में कुछ स्कूलों को विलय किया गया है। ऐसा नहीं है कि किसी भी स्कूल में शिक्षकों की कमी आई है। केवल विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की तैनाती संस्थागत रूप से सुनिश्चित की गई है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की ऑनलाइन शिक्षक स्थानांतरण नीति अन्य राज्यों द्वारा भी सराही जा रही है और वे इसका अनुसरण कर रहे हैं। इस नीति के तहत स्थानांतरित हुए अध्यापकों में से 90 प्रतिशत शिक्षकों को उनके द्वारा चुने हुए टॉप-3 विकल्प मिल रहे हैं और इससे शिक्षक संतुष्ट हैं। फिर भी यदि कहीं से शिक्षकों की कमी से संबंधित कोई मामले सरकार के समक्ष आ रहे हैं तो उन पर तुरंत संज्ञान लिया जा रहा है। सरकार द्वारा जल्द ही शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। नियमित भर्ती होने तक हरियाणा कौशल विकास निगम के माध्यम से भी शिक्षकों की कमी को पूरा किया जाएगा।

राज्य के एक 102 वर्षीय बुजुर्ग की पेंशन के मामले से मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले के समाधान के लिए अतिरिक्त जिला उपायुक्त को आदेश दे दिए गए हैं। पेंशन से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए अतिरिक्त जिला उपायुक्त स्तर पर शिकायत निवारण मंच बना हुआ है, जिसके माध्यम से सभी शिकायतों का निपटान किया जाता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई गलत तरीके से पेंशन प्राप्त करेगा तो यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हालांकि कांग्रेस सरकार की तरह उन लोगों को नोटिस जारी कर उनसे रिकवरी नहीं की जाएगी। वर्तमान राज्य सरकार का ध्येय केवल पारदर्शी तरीके से सरकारी सुविधाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना है।

शार्ट न्यूज

कैंटर का टायर फटने से जान गई

नोएडा। सेक्टर-62 के पास गुरुवार देर रात सब्जी से भरे कैंटर का टायर फट गया। इससे वह पलट गया। हादसे चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां व्यक्ति मोमराज को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य उपचाराधीन हैं। कैंटर में अमरोहा से सब्जी भरी गई थी। सब्जी को बिक्री के लिए गाजीपुर सब्जी मंडी ले जाया जा रहा था। जब चालक सेक्टर-62 गोल के पास पहुंचा तो वाहन का अगला टायर अचानक फट गया। इससे वाहन पलट गया। हादसे में वाहन में सवार चार लोग घायल हो गए। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने चारों घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां पर उपचार के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान अमरोहा निवासी 36 वर्षीय मोमराज के रूप में हुई है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है।

योग की बुकिंग के नाम पर जालसाजी

नोएडा। साइबर अपराधी ने योग के माध्यम से इलाज की बुकिंग कराने के नाम पर महिला से 60 हजार रुपये ठग लिए। इस संबंध में पीड़ित ने सेक्टर-20 थाने में धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया है। पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-20 निवासी तृप्ति मिश्रा ने बताया कि उन्होंने योग ग्राम में बुकिंग के लिए ऑनलाइन नंबर सर्च किया। इंटरनेट पर उन्हें एक नंबर मिला। उन्होंने संबंधित नंबर पर संपर्क किया। फोन उठाने वाले ने खुद को वहां का कर्मचारी बताकर उनके मोबाइल पर एक बार कोड भेजा। आरोपी ने कहा कि बार कोड स्कैन करने पर बुकिंग की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। जैसे ही उन्होंने बार कोड स्कैन किया तो उनके खाते से 60 हजार रुपये निकल गए। मोबाइल पर ट्रांजेक्शन का मैसेज आने पर महिला को ठगी का पता चला। इसके बाद मामले की शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कूड़ा डालने का विरोध करने पर पीटा

दादरी। बादशाह नगर कॉलोनी निवासी सलीम के घर के पास शुक्रवार को पड़ोसी कूड़ा डाल रहे थे। सलीम ने इसका विरोध किया तो उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। इसके बाद पड़ोसियों ने उनके घर में घुसकर लाठी-डंडों से मारपीट और तोड़फोड़ की। मारपीट में जुनेद, नाजिम और सलीम आदि घायल हो गए। घटना की तहरीर कोतवाली में दी गई है।

स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस के लिए परेशान रहे लोग

नोएडा। सेक्टर-32 स्थित सहायक संभागीय परिवहन विभाग में शुक्रवार को स्थाई ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए लोग परेशान रहे। सर्वर में तकनीकी समस्या के कारण स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस की प्रक्रिया में बाधा थी। बरौला से स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस की प्रक्रिया के लिए पहुंचे राकेश ने कहा कि पहले तो ऑनलाइन आवेदन स्वीकार नहीं हो रहा था। इसके बाद जैसे तैसे आवेदन स्वीकार हुआ तो फार्म में गल्तियां दुरुस्त नहीं हो रही थी। बार-बार प्रक्रिया रुक रही थी। एआरटीओ प्रशासन सियाराम वर्मा ने कहा कि सर्वर में तकनीकी दिक्कत के कारण परेशान थी। ऐसे में कर्मचारियों को निर्देश दिया गया कि जिन लोगों के लर्निंग लाइसेंस का अंतिम दिन है, उनका स्थायी डीएल बनाया जाए और फॉर्म की गलतियों को बाद में सुधार कर लिया जाए।

कल जारी होगी हल्के वाहनों की नई सिरीज

नोएडा। हल्के वाहनों की नई सिरीज यूपी 16डीके रविवार को जारी होगी। वाहन मालिक उसी दिन से सिरीज के आकर्षक और अति आकर्षक नंबरों की नीलामी में हिस्सा लेने के लिए पंजीकरण करा सकेंगे। एआरटीओ प्रशासन सियाराम वर्मा ने बताया कि यूपी16डीजे सिरीज के करीब नौ हजार नंबर बुक हो गए हैं। बाकी नंबर भी दो दिन में बुक हो जाएंगे।

गाली देने पर पेचकस मारकर की थी सन्नो की हत्या

मुरादनगर। नगर की नूरगंज कॉलोनी में दो माह पूर्व सरकारी नल पर पानी भरने को लेकर हुए विवाद में पेचकस मारकर की गई महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सरकारी नल पर गंदगी करने और पानी फैलाने को लेकर महिला की हत्या की गई थी। इस मामले में दो आरोपी पहले ही जेल जा चुके हैं। थानाप्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि गत 3 जुलाई की रात को नगर की नूरगंज कॉलोनी में पेचकस मारकर महिला सन्नो की हत्या कर दी गई थी।इस मामले में एक महिला सहित तीन लोगों को नामजद कराया गया था। थानाप्रभारी ने बताया कि शुक्रवार सुबह सूचना के आधार पर मुख्य आरोपी महिला बानो पत्नी यामीन निवासी चौड़ा खड़जा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में महिला ने पुलिस को बताया कि सरकारी नल पर पानी भरने को लेकर सन्नो से विवाद हुआ था। सन्नो ने सरकारी नल पर गंदगी कर दी थी और पानी इधर उधर फैला दिया था। जब इसका विरोध किया तो वह गाली देने लगी। इसी बीच मेरा पुत्र आ गया और उसने पेचकस से कई बार कर दिए, जिससे उसकी मौत हो गई थी।

बच्चों का विकास शारीरिक के साथ मानसिक रूप से भी जरूरी : सीडीओ

गाजियाबाद। राजनगर के एक होटल में शुक्रवार को जिला स्तरीय कंसलटेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कहा है कि बच्चों के संरक्षण के लिए संगठन और लोगों को सेवा भाव से जुड़ा चाहिए। इससे किसी तरह का मुनाफा कमाने की इच्छा हमारे अंदर नहीं होनी चाहिए। महिला कल्याण विभाग और रेलवे चिल्ड्रन इंडिया के माध्यम से आयोजित इस कार्यशाला में सर्वोच्चे न्यायालत के एडवोकेट शशांक शेखर ने किशोर न्याय अधिनियम में हुए संशोधन के बारे में जानकारी दी। संजय तिवारी ने गाजियाबाद में रेलवे स्टेशन पर रेलवे चिल्ड्रन इंडिया की ओर से चलाए जा रहे प्रोग्राम के बारे में बताया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बाल संरक्षण से संबंधित सभी स्टेक होल्डर्स से संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी बाल अधिकारों का सम्मेलन के मूल प्रावधानों को समझाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि भारत में किशोर न्याय अधिनियम के मूल प्रावधान संयुक्त राष्ट्र के बाल अधिकार सम्मेलन पर ही आधारित है। बाल अधिकार संरक्षण केवल किसी एक विभाग का कार्य नहीं है। पुलिस, रेलवे, बाल संरक्षण इकाई, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, श्रम विभाग, शिक्षा विभाग समेत सभी की जिम्मेदारी है। बच्चों को संरक्षित करना सिर्फ पुनर्वासन करना या फिर फैमिली को देना नहीं है। बल्कि बच्चों का मानसिक, मनोवैज्ञानिक और शारीरिक विकास भी सही तरीके से हो।

ड्रंक एंड ड्राइव अभियान के तहत 172 के चालान काटे

लोनी। पुलिस ने ड्रंक एंड ड्राइव अभियान के तहत 172 वाहनों के चालान काटे और आधा दर्जन को सीज किया। लोनी बॉर्डर थाना प्रभारी योगेंद्र पंवार ने बताया कि गुरुवार को इंद्रापुरी चौकी और दो नंबर बस स्टैंड के पास अभियान के तहत कुल 1102 वाहनों और 1470 व्यक्तियों की जांच की गई। इनमें से 172 वाहनों का एमवी एक्ट के तहत चालान काटा गया है। जबकि 220 लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि भविष्य में भी यह अभियान जारी रहेगा।

नीट में जिले के होनहारों ने लहराया सफलता का परचम

गाजियाबाद। नीट (नेशनल एलिजिबिलिटी एंड एंट्रेंस टेस्ट) यूजी परीक्षा के करीब डेढ़ महीने बाद परीक्षार्थियों का इंतजार खत्म करते हुए एनटीए ने बुधवार की देर रात नीट यूजी का रिजल्ट जारी कर दिया। जिले में शैल्या अग्रवाल ने 74वीं रैंक हासिल कर टॉप करने का दावा किया है। राष्ट्रीय पात्रता व प्रवेश परीक्षा यानी नीट का आयोजन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए के माध्यम से किया जाता है। इस साल इस परीक्षा का आयोजन 17 जुलाई को किया गया था। जिसका परिणाम बुधवार को जारी कर दिया गया। जिले में शास्त्री नगर में रहने वाली शैल्या अग्रवाल ने 74वीं रैंक प्राप्त की है।

दिल्ली जल बोर्ड का मिनरल वाटर प्लांट शुरू, रोजाना हजारों घरों की बुझाएगा प्यास

दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दक्षिणी दिल्ली में किया वॉटर बोटलिंग प्लांट का उद्घाटन

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड के मिनरल वाटर बोटलिंग प्लांट आज से शुरू हो गया है। इसके जरिए रोजाना हजारों घरों की प्यास बुझायी जाएगी। दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आज दक्षिणी दिल्ली के सादिक नगर में एक वाटर बोटलिंग प्लांट का उद्घाटन किया। इसकी प्रतिदिन 9 हजार बोतल भरने की क्षमता है। इस बोटलिंग प्लांट में आधुनिक तकनीकों का प्रयोग कर ऑटोमैटिक तरीके से पानी को पीने लायक बनाकर बोतल में भरा जाएगा और फिर जल सुविधा केन्द्र के जरिए ये पानी की बोतलें आम जनता तक पहुंचाई जाएंगी। इसके साथ ही अलग अलग संस्थान या कोई आम व्यक्ति पानी की बोतलों के लिए बड़े ऑर्डर्स भी दे सकता है।

इस दौरान विधायक सौरभ भारद्वाज ने बताया कि यह प्लांट 3 शिफ्ट में काम करेगा। हर शिफ्ट में 3 हजार बोतल पैक करने का काम किया जाएगा यानि एक दिन में 9 हजार बोतल पानी भरने की क्षमता होगी। बोतलें भरने के लिए प्लांट को जो पानी सप्लाई किया जा रहा है उसमें वेस्ट होने वाले पानी को भी दोबारा रिसाइकिल कर के प्रयोग में लाया जाएगा ताकि पानी की बर्बादी बिल्कुल भी ना हो।

दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि दिल्ली के लोगों को पीने के पानी की कोई परेशानी ना हो। फिलहाल लोग लोकल वेंडर से पीने के पानी की बोतले खरीदते हैं। जिसकी क्वालिटी के बारे में किसी को पता नहीं होता है।

दिल्ली जल बोर्ड के इस बोटलिंग प्लांट से गंगा का निर्मल और मिनरल युक्त पानी सप्लाई किया जाएगा और इसकी गुणवत्ता और क्वालिटी को लैबोरेटरी द्वारा नियमित तौर पर चेक किया जाता रहेगा।

साथ ही इन पानी की बोतलों की कीमत भी दिल्ली जल बोर्ड ही निर्धारित करेगा ताकि आम लोगों को सही कीमत पर बाजार से बेहतर पानी उपलब्ध कराया जा सके।

बाजार में बिकने वाले मिनरल वॉटर से बेहतर होगा पानी

दिल्ली जल बोर्ड के इस बोटलिंग प्लांट से जो पानी सप्लाई होगा उसकी क्वालिटी बीआईएस स्टैंडर्ड के मानकों से भी बेहतर होगी। बाजार में बिकने वाले पैकेज्ड पानी की बोतलों से भी यह बेहतर होगा। इस प्लांट में रोज गंगा नदी से 3.5 लाख लीटर पानी सप्लाई किया जाएगा। जिससे आम लोगों को पीने के लिए गंगा नदी का निर्मल और मिनरल युक्त पानी मिल सके। इस प्लांट में पानी को पीने योग्य बनाने के लिए एक्टिवेटेड कार्बन और माइक्रो फिल्टरेशन तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। साथ ही इस प्लांट में बोटलिंग, बोतल की धुलाई, बोतल भरने और पैक करने के लिए किसी इंसान के हस्तक्षेप की जरूरत नहीं होगी, ये प्लांट पूरी तरह ऑटोमैटिक है।

दिल्ली जल बोर्ड इस प्लांट में कामकाज पर पूरी तरह निगरानी रखेगा ताकि पानी की क्वालिटी को लेकर कोई कमी ना होने पाए। इस प्लांट में किसी भी तरह के केमिकल का प्रयोग नहीं किया जाएगा।

इसके अलावा इस प्लांट में क्वालिटी को समय समय पर लैबोरेटरी द्वारा चेक किया जाएगा, ताकि ये सुनिश्चित किया जा सके कि पानी की बोटलिंग में सबसे अच्छी तकनीक का सही तरीके से उपयोग किया जा रहा है। इस प्लांट से निकलने वाले पानी के बोतल की कीमतें भी दिल्ली जल बोर्ड निर्धारित करेगा।

दिल्ली सरकार द्वारा फंडेड 12 डीयू कॉलेजों में अभूतपूर्व आर्थिक संकट : बिधूड़ी

3 महीने से नहीं मिल पा रही सैलरी, कॉलेज बंद करने की नौबत, सैलरी में कटौती

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने केजरीवाल सरकार द्वारा फंडेड दिल्ली विश्वविद्यालय के 12 कॉलेजों के वित्तीय संकट पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना से अनुरोध किया है कि इस संकट को दूर कराने के लिए वह हस्तक्षेप करें क्योंकि कॉलेजों के टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ को कई महीनों से सैलरी नहीं मिल पा रही। कॉलेज अब शिक्षकों के वेतन में कटौती कर रहे हैं और खर्चे कम करने के लिए पढ़ाई के दिन भी कम किए जा रहे हैं।

बिधूड़ी ने कहा कि जब से दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार आई है, इन कॉलेजों को फंड जारी करने में लगातार अनियमितता बरती जा रही है। कॉलेजों के प्रिंसिपलों पर अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है जिसकी शिकायत प्रिंसिपल एसोसिएशन द्वारा भी की गई है। दिल्ली सरकार इन कॉलेजों को इतना कम फंड जारी कर रही है कि उससे पूरा वेतन देना भी संभव नहीं है।

सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू करने के लिए एरियर, प्रमोशन का एरियर और मेडिकल बिलों का भुगतान भी पूरी तरह रुका हुआ है। सैलरी न मिल पाने के कारण शिक्षक अब प्रॉविडेंड फंड से अपनी जमा पूंजी निकालने के लिए मजबूर हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षा में क्रांति का झूठा दावा करने वाली दिल्ली सरकार के इस रवैये को देखते हुए दिल्ली सरकार के दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज ने तो फैसला लिया है कि अब सप्ताह में छह दिन की बजाय पांच दिन ही काम करेंगे। ऐसा इसलिए किया गया है कि एक दिन कॉलेज बंद रहेगा तो बिजली का बिल और दूसरे खर्चों में कमी आएगी और कॉलेज के वित्तीय संकट को कम किया जा सकेगा। स्वाभाविक है कि इससे छात्रों की पढ़ाई का नुकसान होगा लेकिन आर्थिक संकट को देखते हुए कॉलेज यह फैसला लेने के लिए मजबूर हैं।

यही नहीं, इस कॉलेज ने यह फैसला भी किया है कि दिल्ली सरकार द्वारा फंड जारी न किए जाने के कारण अब असिस्टेंट प्रोफेसरों के वेतन में से 50-50 हजार रुपए और एसोसिएट प्रोफेसरों के वेतन में से 30-30 हजार रुपए की कटौती कर दी जाए। कटौती की यह राशि इन शिक्षकों को तब जारी की जाएगी जब दिल्ली सरकार पूरी ग्रांट जारी करेगी।

ग्रेटर नोएडा में चोरों से डॉलर बरामद

पेन्टर बनकर दिन में घरों में करता था काम,रात में करता था चोरी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा की थाना बीटा-2 पुलिस ने सेंधमारी कर घरों में चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने चोरी के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने 4000 अमेरिकी डॉलर बरामद किया है। पकड़े गए चोरों में एक युवक पेंटर है। जबकि पेंट करने वालों घरों में रेकी करता था। बीटा- 2 थाना पुलिस ने एक शातिर चोरों के गिरोह का खुलासा किया है। इस दौरान पुलिस ने एक महीने पहले हुई चोरी का खुलासा करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों ने एक मकान में सेंधमारी करते हुए चोरी की घटना को अंजाम दिया था। इस दौरान चोर घर से 6400 अमेरिकी डॉलर चुरा कर ले गया था।

बीटा 2 पुलिस ने डोमिनोज़ गोल चक्कर के पास से अनवर अली और राकेश उपाध्याय को गिरफ्तार किया ।अनवर मूल रूप से इटावा का रहने वाला है और यह ग्रेटर नोएडा में पेन्टर का काम किया करता था। घरों में जाकर यह पेंट करता था और इसी बहाने घरों की रैकी कर दिया करता था।

बन्द पड़े मकान से चोरी किये डॉलर

एक माह पहले अनवर ने सेक्टर अल्फा टू में एक मकान में पुताई का कार्य किया। उस मकान में एक महिला रहती थी जिसके पास विदेशी डॉलर भी थे। अनवर ने घर में पुताई के दौरान उन डॉलर को देख लिया और चोरी की योजना बनाई।महिला जब अपने रिश्तेदारी के यहां चली गयी तो इसने बन्द पड़े मकान का ताला तोड़कर 6400 डॉलर चोरी कर लिया।

4000 अमेरिकी डॉलर हुए बरामद

अनवर ने यह डॉलर राकेश को दे दिए।राकेश इन डॉलर को रुपये में बदलाव के लिए ले गया। राकेश ने कुछ लोगों से मिलकर डॉलर को रुपए में बदला हालांकि यह लोग केवल 2400 डॉलर को ही बदलवा पाए। शुक्रवार को जब पुलिस ने इन लोगों को गिरफ्तार किया तो उन्होंने चोरी की पूरी घटना की कहानी बना कर दी और पुलिस ने इनकी निशानदेही पर इनके घर से 4000 अमेरिकी डॉलर भी बरामद कर लिए।

विधवा महिला के घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ और फायरिंग

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट के वैदपुरा गांव निवासी विधवा महिला ने पड़ोस के लोगों पर घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ और फायरिंग करने का आरोप लगाया। आरोप है कि जमीनी विवाद के चलते आरोपियों ने घर में घुसकर उनके परिवार पर हमला किया।

आरोपी सीसीटीवी में भी कैद हुए हैं। पुलिस ने इस मामले में तीन नामजद और कुछ अज्ञात आरोपियों पर मुकदमा दर्ज किया है। वेदपुरा गांव में रहने वाली विधवा महिला विमलेश ने पुलिस से शिकायत की है कि वह अपने बच्चों के साथ गांव के बाहर बने मकान में रहती है। महिला के परिवार का पड़ोस के कुछ लोगों से जमीनी विवाद चल रहा है। आरोप है कि दो दिन पहले आरोपियों ने उनके गांव में स्थित मकान पर कब्जा कर लिया। विरोध करने पर मारपीट की। इसकी शिकायत उन्होंने पुलिस से की थी, लेकिन आरोपियों ने उसी रात को उनके घर पर हमला कर दिया। जबरन दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया। दरवाजा नहीं खोलने पर तोड़फोड़ की और फायरिंग की। इसके बाद आरोपी धमकी देकर भाग गए। हथियार और लाठी-डंडों से लैस आरोपी सीसीटीवी में कैद हुए हैं।

दिल्ली सरकार के कॉलेज में रोकी गई प्रोफेसरों की सैलरी

नई दिल्ली। पंजाब की तरह दिल्ली में भी सैलरी को लेकर संकट गहरा रहा है। दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित दिल्ली विश्वविद्यालय के दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज ने शिक्षकों के वेतन का कुछ हिस्सा रोकने का फैसला किया है। कॉलेज ने इस सप्ताह की शुरुआत में जुलाई महीने के वेतन का भुगतान करते हुए कर्मचारियों को इसकी सूचना दी है।

कार्यवाहक प्राचार्य हेम चंद जैन ने मंगलवार को जारी एक नोटिस में कहा,कॉलेज के सभी स्थायी शिक्षण कर्मचारियों को इस बात की सूचना दी जाती है कि धन की कमी के कारण सहायक प्रोफेसरों के वेतन से 30,000 रुपये और एसोसिएट प्रोफेसर की सैलरी से 50,000 रुपये रोके जा रहे हैं। फंड आते ही इसे जारी कर दिया जाएगा।

आपको बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित कॉलेज को अपने कर्मचारियों को वेतन देने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।

पिछले कुछ वर्षों में, दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित कॉलेजों ने बार-बार धन की कमी के कारण शिक्षकों के वेतन का भुगतान करने में असमर्थता व्यक्त की है। हालांकि, कॉलेज के अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि दिल्ली सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने फंड जारी किया था।

वहीं, संचालन बोर्ड के अध्यक्ष सुनील कुमार ने जैन को एक ईमेल भेजकर पूछा कि कॉलेज ने वेतन का एक हिस्सा क्यों रोक दिया है। उन्होंने लिखा, जब उच्च शिक्षा विभाग द्वारा वेतन मद के तहत आवश्यक राशि जारी की गई इसके बाद भी कॉलेज के कर्मचारियों को जुलाई महीने के लिए उनके वेतन का पूरा भुगतान क्यों नहीं किया गया है। कृपया स्पष्ट करें कि आप किसकी अनुमति से यह राशि काटते हैं।

पंजाब में भी किल्लत

आपको बता दें कि सितंबर महीने में 7 दिन बीत चुके हैं और अब तक पंजाब की भगवंत मान सरकार कर्मचारियों की अगस्त महीने की सैलरी नहीं दे पाई है। इसके चलते पंजाब में चर्चा शुरू हो गई है कि राज्य सरकार फंड की कमी के संकट से जूझ रही है। आमतौर पर सरकारी कर्मचारियों को बीते हुए महीने की सैलरी एक तारीख को ही अदा की जाती है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक पूरे मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों का कहना है कि जीएसटी क्षतिपूर्ति की व्यवस्था समाप्त होने के बाद से यह संकट बढ़ा है।

राज्य सरकार को जीएसटी कंपेनसेशन के तहत 16 हजार करोड़ रुपये मिले थे। इस साल पंजाब सरकार को मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही का ही जीएसटी मिला था। इसके बाद 30 जून से ही यह सिस्टम समाप्त हो गया।

ग्रेटर नोएडा में किसानों ने एनपीसीएल पर जड़ा ताला

भारतीय किसान यूनियन अंबावता ने क्षेत्रीय मांगों को लेकर किया जोरदार प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा । कंपनी एनपीसीएल के दफ्तर के कार्यालय पर शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन अंबावता के सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने हल्ला बोल प्रदर्शन किया।नॉलेज पार्क स्थित एनपीसीएल के दफ्तर पर किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने बिजली कटौती, अवैध वसूली व फर्जी मुकदमा दर्ज कराने सहित अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। और अधिकारियों को मांगों को पूरा करने के लिए 15 दिन का समय दिया और कहा कि यदि तय समय में किसानों की मांगों को पूरा नहीं किया गया तो एनपीसीएल पर मांगों को लेकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। भारतीय किसान यूनियन अंबावता के राष्ट्रीय प्रवक्ता बृजेश भाटी के नेतृत्व में सैकड़ों किसानों इकट्ठा होकर एनपीसीएल के दफ्तर पर पहुंचे ।एनपीसीएल के दफ्तर पर तालाबंदी करने के बाद किसान

धरने पर बैठे गए। गुस्साए किसानों ने जैसे ही अनिश्चित कालीन धरने के लिए टेंट लगाना शुरू किया तो पुलिस प्रशासन और एनपीसीएल के अधिकारी हरकत में आए। जिसके बाद एनपीसीएल के उपाध्यक्ष सारनाथ गांगुली,एसीपी महेंद्र सिंह व नॉलेज पार्क कोतवाल विनोद कुमार सहित भारी पुलिस बल के साथ धरना स्थल पर पहुंचे और किसानों की समस्याओं को सुना। किसानों ने अपनी समस्याओं को लेकर एनपीसीएल के अधिकारियों को ज्ञापन सौपा।

अधिकारियों ने मांगों को जल्द पुरा करने का दिया आश्वासन

एनपीसीएल के अधिकारियों ने किसानों की मांगों का ज्ञापन लेकर कहा कि अधिकारी किसानों की समस्याओं को लेकर गांवों में जाकर कैंप लगाकर उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे। इसके साथ ही किसानों पर फर्जी मामले दर्ज नहीं किए जाएगे। अवैध वसूली के मामले में जांच कराई जाएगी और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी। किसानों की मांगों को सुनने के बाद उनको जल्द ही निस्तारण करने का आश्वासन दिया है।

तय समय में मांगे पूरी नहीं हुई तो होगा आंदोलन

संगठन के डा. विकास प्रधान व आलोक नागर ने ने बताया कि एनपीसीएल के अधिकारियों के द्वारा बिजली चोरी और बिल से संबंधित मामलों पर कमेटी बनाने का आश्वासन दिया गया है। गुस्साए किसानों ने एनपीसीएल के जीएम को हटाने की भी मांग व समस्याओं के समाधान के लिए एनपीसीएल के उपाध्यक्ष को 15 दिन का समय दिया है। और कहा कि अगर निश्चित समय में सभी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो भारतीय किसान यूनियन अंबावता एनपीसीएल के सभी दफ्तरों पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेगी।

निर्माणाधीन डाटा सेंटर में हादसा

क्रेन का रस्सा टूटा, एक की मौत, चार घायल

नोएडा। नोएडा में सेक्टर 132 प्लॉट नंबर 11, 12, 13, कृष्णा बिल्ड स्टेट कंपनी में हादसा हो गया। हादसे में 5 लोग घायल हो गए। पांचों को सेक्टर-128 जेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसमें संतोष कुमार (22) यादव पुत्र जयराम निवासी शाहपुर की मौत हो गई है।

रस्सा टूटने से हुआ हादसा

कृष्णा बिल्ड स्टेट कंपनी यहां ट्रिलियम डाटा सेंटर का निर्माण कर रही है। जिसमे सिविल काम किया जा रहा है। बिल्डिंग बेसमेंट के साथ 8 फ्लोर की बनाई जा रही है। इसी इमारत के निर्माण के दौरान क्रेन का रास्सा टूट गया। जिससे लोड किया गया वजन सीधे नीचे आ गया। यहां मजदूर काम कर रहे थे। वे इसकी चपेट में आ गए।

दोषियों के खिलाफ होगी कार्यवाही

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। इस हादसे में घायल अन्य लोगों का अस्पताल में उपचार चल रहा है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में दोषी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दुबई की तरह रात में जगमगाएगा नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे

रास्ते की इमारतों में लगाई जाएंगी रंग-बिरंगी लाइटें, 40 प्रतिशत एरिया देने पर ही मैप होगा पास

नोएडा। न्यूयॉर्क, सिंगापुर और दुबई की तरह ही जल्द ही नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे भी जगमगाएगा। एक्सप्रेस वे की सर्विस लेन से जुड़ी इमारतों में फसाड लाइट लगाई जाएंगी।

इसको नोएडा के बिल्डिंग बॉयलॉज में शामिल कर लिया गया है।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे नोएडा की लाइफ-लाइन है। आगरा, दिल्ली और लखनऊ जाने वाले लोग इसी एक्सप्रेस वे से होकर गुजरते हैं। डेली करीब 10 लाख वाहनों का आवागमन होता है। नोएडा के मास्टर प्लान-2031 में इस रूट पर आवासीय, व्यवसायिक और संस्थागत प्रतिष्ठान प्रस्तावित है। वर्तमान में यहां बहुमंजिला इमारत हैं।

पहले चरण में एडवांट बिल्डिंग, वन स्काई , एमिटी यूनिवर्सिटी और एटीएस टावर के अलावा और भी कई इमारतों पर फसाड लाइट लगाई जाएंगी। उप्र इंडस्ट्रियल एरिया डवलेपमेंट एक्ट-1976 की धारा-8 की उपधारा (1) (ए) के तहत बॉयलाज में बदलाव किया गया है। इसके तहत प्राधिकरण मुख्य मार्गो पर भवनों का एलीवेशन कंट्रोल और आर्किटैक्चरल फीचर्स निर्धारित कर सकता है।

फसाड लाइट लगाने के लिए ये हैं नियम

एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर स्थित सर्विस रोड को फेस करने वाले समस्त भवनों पर फसाड लाइटिंग किया जाना कंपलसरी कर दिया गया है।

एक्सप्रेस -वे पर पहले से बनी हुई हर श्रेणी के आवंटियों को नोटिस जारी किया जाएगा। भवन के आगे के हिस्से के 40 प्रतिशत क्षेत्रफल में फसाड लाइट लगाई जाएंगी।

फसाड लाइट मल्टीकलर में हो सकती हैं। साथ ही लेजर बीम का प्रयोग कर सकते हैं। कलर की च्वाइस आवंटी की होगी।

फसाड लाइटिंग का काम नोटिस जारी होने के 2 महीने में पूरा कर जानकारी देनी होगी।

मैप पास कराने की ये होंगी शर्तें

इस रूट पर भविष्य में स्वीकृत होने वाले आवंटियों के मैप शर्त के साथ स्वीकृत किए जाएंगे। आवंटियों को भवन के फ्रंट में न्यूनतम 40 प्रतिशत क्षेत्रफल पर फसाड लाइट लगानी होगी। फसाड लाइट का काम पूरा होने के बाद ही आवंटी को कंपलीशन सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा।

प्राधिकरण ने ये भी कहा कि यदि नोटिस जारी होने के दो माह बाद भी फसाड लाइटिंग का कार्य शुरू किया जाता है तो ऐसी स्थित में आवंटियों के खिलाफ लीज डीड में दी गई शर्तों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। बोर्ड ने इस पर सहमति दे दी है।

संपादकीय

मालामाल होने के लिए मैदान में उतरती हैं नोट कटवा पार्टियां

देखा जाये तो चुनावों में बहुत सारे राजनीतिक दल मैदान में उतरते हैं जिनमें से एक जीतता है और बाकी हारते हैं। जो जीतता है वह सरकार चलाता है और जो हारते हैं वह अगली बार जीतने की तैयारी करते हैं। लेकिन कुछ ऐसे दल भी हैं जिन्हें जीत या हार से मतलब नहीं होता। राजनीति में किसी की रुचि हो या नहीं हो लेकिन देश की मुख्य राजनीतिक पार्टियों के नाम से तो सभी अवगत रहते हैं। भाजपा, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, शिवसेना, तृणमूल कांग्रेस आदि कई ऐसे नाम हैं जोकि राष्ट्रीय या क्षेत्रीय स्तर पर अच्छे से जाने पहचाने हैं लेकिन क्या आपने कभी महान समाज पार्टी, सबसे बड़ा क्रांति दल, सुपरहिट पार्टी या आपकी और हमारी पार्टी जैसे राजनीतिक दलों के नाम सुने हैं? आपमें से अधिकांश का उत्तर ना में ही होगा। दरअसल यह अनसुने नाम नोट कटवा पार्टियों के हैं। नोट कटवा से आशय यह है कि यह दल वोटों के लिए नहीं बल्कि सिर्फ नोटों के लिए राजनीति करते हैं। देखा जाये तो चुनावों में बहुत सारे राजनीतिक दल मैदान में उतरते हैं जिनमें से एक जीतता है और बाकी हारते हैं। जो जीतता है वह सरकार चलाता है और जो हारते हैं वह अगली बार जीतने की तैयारी करते हैं। लेकिन कुछ ऐसे दल भी हैं जिन्हें जीत या हार से मतलब नहीं होता क्योंकि उनका गठन तो पैसा कमाने के लिए किया गया होता है। नोट कटवा दलों को औपचारिक भाषा में पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल कहा जाता है। इस प्रकार के राजनीतिक दल कालेधन को सफेद करने का खेल खेलते हैं। लेकिन अब ऐसे दलों की खैर नहीं है क्योंकि चुनाव आयोग के सामने इन दलों की असलियत उजागर हो चुकी है इसीलिए आयकर विभाग की छापेमारी से जो खुलासे हुए हैं वह दर्शाते हैं कि लोकतंत्र में मिले अधिकारों का किस तरह दुरुपयोग किया जा रहा है। दरअसल भारत में कोई भी व्यक्ति अपना राजनीतिक दल गठित कर सकता है और चुनाव लड़ सकता है या अपने दल से किसी को उम्मीदवार बना सकता है। दलों की मान्यता के लिए निर्वाचन आयोग के कुछ पैमाने हैं जिनको पूरा करने के बाद ही कोई दल क्षेत्रीय या राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता हासिल कर सकता है और अपने लिये स्थायी चुनाव चिह्न भी ले सकता है। लेकिन दलों के पंजीकरण के लिए कुछ खास नियम नहीं हैं इसका फायदा कुछ लोग उठाते हैं। कालेधन को सफेद करने के उद्देश्य से निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा राजनीतिक दल का गठन किया जाता है ताकि जनता से चंदा जुटाया जा सके। उल्लेखनीय है कि जनता से जुटाये चंदे पर राजनीतिक दलों को कोई आयकर नहीं देना होता और राजनीतिक दल चंदे के बदले जो रसीद देते हैं उसको दिखाकर चंदा देने वाले व्यक्ति को आयकर में कटौती का लाभ भी मिल जाता है। एक आंकड़े के मुताबिक देश में 2100 से कुछ ज्यादा पंजीकृत राजनीतिक दल हैं जिनमें से मात्र 55 को ही मान्यता प्राप्त है। गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में से अधिकांश का चुनावी राजनीति से कोई वास्ता नहीं है। ना इनका कोई स्थायी चुनाव चिह्न है, ना जमीनी संगठन है, ना कोई नीति है, ना कोई उम्मीदवार है यह तो बस नोट बटोरने में लगे हुए हैं। इस प्रकार के राजनीतिक दल किसी चॉल, फ्लैट आदि से चलाये जा रहे हैं। बताया जाता है कि ऐसे दलों की चाँदी इसलिए हो जाती है क्योंकि लोग आयकर बचाने के लिए गैर-मान्यता प्राप्त दलों को चंदा देते हैं और यह दल अपनी फीस जोकि अमूमन एक प्रतिशत तक होती है, वह काट कर उस चंदे की बाकी राशि को वापस उसी व्यक्ति को दे देते हैं। नोट कटवा दल किस प्रकार चल रहे हैं इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि जब आयकर विभाग की एक टीम मुंबई के सायन इलाके की झुग्गी बस्ती में पहुँची तो पाया कि एक राजनीतिक दल जिसने 100 करोड़ की राशि पर आयकर छूट के लिए क्लेम किया था वह एक झुग्गी वाले पते पर पंजीकृत था। ऐसी भी खबरें सामने आई हैं कि हवाला ऑपरेटरों के इशारे पर ऐसे राजनीतिक दल गठित किये जाते हैं ताकि कालेधन को ठिकाने लगाया जा सके। ऐसे दलों को चलाने वाले लोगों का सारा खर्च हवाला ऑपरेटर ही उठाते हैं। हम आपको बता दें कि नोट कटवा दलों का मामला इसलिए सुर्खियों में आया है क्योंकि आयकर विभाग ने पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की संदिग्ध 'फंडिंग', एफसीआरए के उल्लंघन और कर चोरी से जुड़े अलग-अलग मामलों में कई राज्यों में छापेमारी की।

भोजन तथा अन्न की बर्बादी, दुनिया की भूख पर पड़ रही भारी

संयुक्त राष्ट्र संघ की फूड वेस्ट इंडेक्स सर्वे के अनुसार 2021 में हर एक नौ में से एक व्यक्ति पर्याप्त भोजन तथा आवश्यक पोषक तत्वों से वंचित रह जाता हैद्य संयुक्त राष्ट्र संघ के स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार पूरी दुनिया में एड्स, मलेरिया ,टीवी और करोना 2021 में जितने व्यक्ति की मृत्यु हुई है उससे कहीं ज्यादा लोग भुखमरी से ग्रस्त होकर भगवान को प्यारे हो गए है द्य संयुक्त राष्ट्र संघ के आंकड़ों के अनुसार ही पूरी दुनिया में गरीबों की संख्या लगभग 130 करोड़ है और दूसरी तरफ दुनिया में सर्वाधिक गरीब व्यक्ति भारत में निवासरत हैंद्य संयुक्त राष्ट्र संघ पर्यावरण कार्यक्रम के अंतर्गत फूड वेस्ट इंडेक्स 2021 की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में 93 करोड़ लाख तक खाना कूड़े करकट के रूप में बर्बाद हुआ हैद्य जिनमें घरों से निकला हुआ भोज्य पदार्थ का कूड़ा करकट लगभग 55त्न, होटल रेस्टोरेंट एवं अन्य बाजार के भोजन बेचने वालों 24त्न तथा अन्य क्षेत्र में लगभग 22 से 24त्न भोजन बर्बाद हुआ हैद्य पूरे विश्व में भोजन के बर्बाद होने से भुखमरी के आंकड़े और भी बढ़ गए हैंद्य बड़ी हैरानी और हैरतअंगेज बात यह है कि पूरे विश्व में प्रति व्यक्ति 1 साल में लगभग 122 से 124 किलोग्राम भोजन बर्बाद कर देता हैद्य भारत में प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष 50 किलो ,अफगानिस्तान 82 किलो, नेपाल 79 किलो ,श्रीलंका 76 किलो, पाकिस्तान 74 किलो और भूटान जैसा छोटा देश 79 किलो भोजन बर्बाद करता हैद्य भोजन बर्बाद करने की एवं भोजन को कूड़ा करकट बनाकर फेंकने की कुसंस्कृति ही लगातार कई देशों को गरीब से गरीबतर बनाते जा रही हैद्य पूरे विश्व स्तर पर विकसित विकासशील एवं गरीब देश भोजन की निर्मम बर्बादी करते आ रहे हैंद्य एक तरफ संयुक्त राष्ट्र संघ भुखमरी उन्मूलन के लिए अभियान छेड़ कर रखा है जिसका नाम दिया गया है जीरो हंगर यानी कि भुखमरी शून्य स्तर पर लाने का प्रयास जारी है पर इस अभियान में विकासशील ,गरीब तथा विकसित देश अपने देशों में खाद्य पदार्थ के अपशिष्ट को फेंक कर अवरोध पैदा करने में कोई कमी बेसी नहीं छोड़ रहे हैं। वर्तमान परिदृश्य में कुछ विकासशील देशों में बढ़ती जनसंख्या और लगातार गिरते अनाज के उत्पादन के साथ-साथ अन्न की निर्मम बर्बादी की वजह से दुनिया भर में भूख और भुखमरी से पैदा होने वाली समस्याओं तथा भुखमरी से मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यह भारत देश का दुर्भाग्य है की कृषि मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार कि भारत में करीब 50 हजार करोड़ की कीमत का हर साल अपशिष्ट के रूप में अन्न बर्बाद होता है, शायद आपको अंदाजा ना हो कि इतना अनाज बिहार जैसे बड़े राज्य की जनसंख्या को 1 वर्ष तक अन्य की आपूर्ति कर सकता है। भोजन की बर्बादी एक सामाजिक अपसंस्कृति एवं कुसंस्कृति की तरह व्याप्त होती जा रही है, विवाह समारोह अन्य उत्सव बफे सिस्टम एवं अन्य सामाजिक समारोह में अपनी थाली में ज्यादा से ज्यादा भोजन लेकर उसे बर्बाद कर देने की प्रवृत्ति अब आम हो गई है और थाली में पड़ा हुआ अनाज या तो सड़ जाता है अथवा बाहर फेंक दिया जाता है। भोजन की इस तरह बर्बादी एक तरह से कुसंस्कृति को बढ़ावा देकर एक सामाजिक बुराई के रूप में सामने आ रही है। अनाज को थाली या कूड़ेदान में फेंक देने से उससे केवल अनाज की बर्बादी नहीं होती बल्कि ऊर्जा, जल ,पोषक तत्वों की बर्बादी होती है। अलावा इसको पैदा करने वाले किसानों को भी एक तरह निराशा का सामना करना पड़ता है अनाज उत्पादन के लिए जितनी मेहनत मशक्कत किसान करता है उसके अलावा खेती की जमीन बढ़ाने के लिए वनों का विनाश भी बड़ी तेजी से हो रहा है एवं उस जमीन की उर्वरा शक्ति का भी निरंतर क्षरण हो रहा है ।लगातार रसायनिक खादों रासायनिक तत्वों के उपयोग के कारण मिट्टी की गुणवत्ता तो खराब हो ही रही है। इसके अलावा पर्यावरण एवं वातावरण भी खराब होता जा रहा है एवं खाद्य पदार्थ के अपशिष्ट छोड़ने से जानवरों की खाने से जानवरों को भी जीवन का खतरा बनते जा रहा है। इससे अन्य संक्रामक बीमारियां भी फैलने का खतरा बढ़ने लगा है।

आत्महत्या मृत्यु का दूसरा सबसे बड़ा कारण क्यों है ?

-डॉ सत्यवान सौरभ

अब समय आ गया है कि हम अपने शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र को नए अर्थों, जीवन जीने के नए विचारों और नई संभावनाओं को संजोने के तरीकों से नए सिरे से तलाशने की कोशिश करें जो अनिश्चितता के जीवन को जीने लायक जीवन में बदल सकें। आत्महत्या को रोका जा सकता है। आत्महत्या के बारे में सोचने वाले युवा अक्सर अपने संकट की चेतावनी के संकेत देते हैं। माता-पिता, शिक्षक और मित्र इन संकेतों को समझने और सहायता प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थिति में हैं। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि इन चेतावनी के संकेतों को कभी भी हल्के में न लें या इन्हें गुप्त रखने का वादा न करें। माता-पिता आत्महत्या जोखिम मूल्यांकन के महत्वपूर्ण सदस्य होते हैं क्योंकि उनके पास अक्सर मानसिक स्वास्थ्य इतिहास, पारिवारिक गतिशीलता, हाल की दर्दनाक घटनाओं और पिछले आत्मघाती व्यवहारों सहित जोखिम का उचित मूल्यांकन करने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी होती है।

नौकरी छूटने या बेरोजगारी दर और मानसिक स्वास्थ्य, मादक द्रव्यों के सेवन और आत्महत्या के बीच गहरा संबंध है। स्कूली उम्र के युवाओं में मौत का दूसरा प्रमुख कारण आत्महत्या है। समाजशास्त्री एमिल दुर्खीम ने प्रसिद्ध परिकल्पना की थी कि %आत्महत्या न केवल मनोवैज्ञानिक या भावनात्मक कारकों बल्कि सामाजिक कारकों का भी परिणाम है%। दुनिया में हर 40 सेकंड में कोई न कोई अपनी जान ले लेता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, प्रति 100,000 महिलाओं पर लगभग 16 महिलाएं अपनी जान लेती हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत में महिलाओं के लिए आत्महत्या की दर दुनिया में छठा सबसे अधिक है। आत्महत्या मृत्यु का दूसरा सबसे बड़ा कारण है, विशेष रूप से युवा पुरुषों में, केवल यातायात दुर्घटनाओं के कारण मृत्यु से अधिक है। आत्महत्या युवा महिलाओं में मौत का प्रमुख कारण है। हम आत्महत्या करने वाले प्रत्येक 100,000 पुरुषों पर लगभग 25 पुरुषों को खो देते हैं। भारत में आत्महत्याओं की उच्च संख्या के कारण मनोवैज्ञानिक या भावनात्मक प्रभावों और सामाजिक आयामों का मिश्रण हैं।

महिलाएं आय से अधिक सामाजिक-आर्थिक बोझ से जूझ रही हैं। महिलाओं और पुरुषों के लिए तनाव और संघर्ष से निपटने के सामाजिक रूप से स्वीकार्य तरीकों में अंतर, घरेलू हिंसा और विभिन्न तरीकों से गरीबी महिलाओं को ज्यादा को प्रभावित करती है। विवाहित महिलाएं सामान्य रूप से महिलाओं में आत्महत्या से होने वाली मौतों का सबसे बड़ा शिकार समूह हैं। व्यवस्थित और कम उम्र में शादी, युवा मातृत्व और आर्थिक निर्भरता के कारण यह समूह अधिक असुरक्षित हो जाता है।

पिछले कुछ दशकों में बड़े पैमाने पर आर्थिक, श्रम और सामाजिक परिवर्तन देखे गए हैं जो पहले शायद ही कभी देखे गए हों। आर्थिक अव्यवस्था के साथ इस तरह का तेजी से बदलाव और सामाजिक और सामुदायिक संबंधों में बदलाव के कारण यह मुद्दा और ज्यादा संवेनदशील हो सकता है।

भारत में मानसिक स्वास्थ्य विकारों से जुड़ा सामाजिक कलंक उन्हें सही करने में एक बड़ी बाधा है। जब मानसिक स्वास्थ्य विकारों की बात आती है तो कलंक और ज्ञान और समझ की सामान्य कमी समय पर हस्तक्षेप को रोकती है। चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक देखभाल का अभाव है, मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को संबोधित करने के लिए राज्य की क्षमताएं न के बराबर हैं। देश में लगभग 5,000 मनोचिकित्सक और 2,000 से कम नैदानिक मनोवैज्ञानिक हैं। मानसिक स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च कुल सार्वजनिक स्वास्थ्य खर्च का एक छोटा सा हिस्सा है। भारत की अर्थव्यवस्था काफी हद तक कृषि पर निर्भर करती है और लगभग 60त्न लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस पर निर्भर हैं। विभिन्न कारणों से सूखा, कम उपज की कीमत, बिचौलियों द्वारा शोषण और ऋण का भुगतान करने में असमर्थ भारतीय किसानों को आत्महत्या करने के लिए प्रेरित करती है।

युवा आत्महत्या के इतनी अधिक संख्या का कारण आर्थिक, सामाजिक और भावनात्मक संसाधनों की कमी को माना जा सकता है। विशेष रूप से, शैक्षणिक दबाव, कार्यस्थल तनाव, सामाजिक दबाव, शहरी केंद्रों का आधुनिकीकरण, संबंध संबंधी चिंताएं और समर्थन प्रणालियों का टूटना। कुछ शोधकर्ताओं ने शहरीकरण और पारंपरिक बड़े परिवार समर्थन प्रणाली के टूटने के लिए युवा आत्महत्या के उदय को जिम्मेदार ठहराया है। परिवारों के भीतर मूल्यों का टकराव युवा लोगों के जीवन में एक महत्वपूर्ण कारक है। जैसे-जैसे युवा भारतीय अधिक प्रगतिशील होते जाते हैं, उनके पारंपरिक परिवार वित्तीय स्वतंत्रता, विवाह की आयु, पुनर्वास, बुजुर्गों की देखभाल आदि से संबंधित उनकी पसंद के कम समर्थक होते जाते हैं। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि अवसाद और आत्महत्या का गहरा संबंध है और सबसे खराब स्थिति में, अवसाद आत्महत्या का कारण बन सकता है। विश्व स्तर पर अवसाद से पीड़ित लोगों की कुल संख्या में से 18 प्रतिशत भारत में है।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति कोटे के माध्यम से कॉलेज में प्रवेश प्राप्त करने के लिए अनुसूचित जनजाति समुदाय से संबंधित होने के लिए भेदभाव और गालियां एवं नस्लीय गाली-गलौज, सेक्सिस्ट गाली आदि जिससे व्यक्तियों का अत्यधिक उत्पीड़न होता है। उच्च जाति के छात्रों और शिक्षकों से जाति-आधारित भेदभाव और नाराजगी मेडिकल कॉलेजों के साथ-साथ देश के अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों के उच्च दबाव वाले वातावरण में आम है।थोराट कमेटी की रिपोर्ट ने दिखाया है कि देश के प्रमुख मेडिकल कॉलेज एम्स में जाति आधारित भेदभाव प्रथाएं कितनी व्यापक और विविध थीं।

अन्य विशेषज्ञों ने स्कूली पाठ्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य की शुरुआत के साथ किशोरावस्था में ही सक्रिय कदमों का सुझाव दिया है। मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम 2016 अधिनियम सुनिश्चित करेगा कि इन लोगों को सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार है और अधिकारियों द्वारा उनके साथ भेदभाव या उत्पीड़न नहीं किया जाएगा।.

पिछले कुछ वर्षों में कुछ सकारात्मक विकास हुए हैं। आत्महत्या का अपराधीकरण लंबे समय से अतिदेय और स्वागत योग्य था। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण के इस आदेश के लिए भी यही सच है कि बीमा कंपनियों को शारीरिक बीमारियों के साथ-साथ मानसिक बीमारियों को भी अपनी नीतियों में शामिल करने का प्रावधान करना है। भारतीय कॉलेजों में आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं से चिंतित, मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने देश के उच्च शिक्षा संस्थानों को एक मैनुअल प्रसारित किया है, जिसमें अधिकारियों से छात्रों को चरम कदम उठाने से रोकने के लिए उपाय करने को कहा गया है। मैनुअल सूची उपायों जैसे आत्महत्या की प्रवृत्ति की प्रारंभिक पहचान, एक दोस्त कार्यक्रम और एक डबल-ब्लाइंड हेल्पलाइन जहां कॉल करने वाले और काउंसलर दोनों एक-दूसरे की पहचान से अनजान हैं।

स्कूलों में विशेषज्ञ समितियों और परामर्शदाताओं की स्थापना के लिए स्टॉप-गैप समाधान समस्या को हल करने में सक्षम नहीं हैं। गहरे जड़ वाले कारणों को संबोधित किया जाना चाहिए। सरकार को इन आत्महत्याओं के कारणों का व्यापक अध्ययन करना चाहिए।

पाठ्यचर्या इस तरह से तैयार की जानी चाहिए जो मानसिक व्यायाम और ध्यान के महत्व पर जोर दे। उदाहरण हैप्पीनेस करिकुलम पर दिल्ली सरकार की पहल सही दिशा में एक कदम हो सकती है ।उच्च शिक्षा के संबंध में, विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में एक भेदभाव विरोधी अधिकारी के साथ समान अवसर प्रकोष्ठ बनाना। रैगिंग प्रथाओं के सबसे अहानिकर से अत्यधिक उत्पीड़ तक, इस तरह का भेदभावपूर्ण व्यवहार वास्तव में हिंसा का गठन करता है और एक व्यक्ति के मानवाधिकारों पर हमला है जो उन्हें सम्मान के साथ अपना जीवन जीने और शिक्षा प्राप्त करने से रोकता है।

स्कूलों में शैक्षिक दृष्टिकोण, अर्थात् आत्महत्या के तथ्यों के बारे में शिक्षा, जीवन कौशल में शिक्षा मॉड्यूल विकसित करना, और समस्या-समाधान और प्रशिक्षण शिक्षकों, व्यक्ति को मनोवैज्ञानिक सहायता और देखभाल दी जानी चाहिए।

राज्य इस उद्देश्य के लिए गैर सरकारी संगठनों के साथ-साथ धार्मिक मिशनरियों से भी सहायता ले सकता है। मौजूदा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम और जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम को मजबूत करने के साथ-साथ प्रशिक्षण संसाधनों पर ध्यान केंद्रित करना और धन को व्यवस्थित करना, अवसाद और आत्महत्या से लड़ने के लिए कुछ अन्य सिफारिशें हैं।

अब समय आ गया है कि हम अपने शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र को नए अर्थों, जीवन जीने के नए विचारों और नई संभावनाओं को संजोने के तरीकों से नए सिरे से तलाशने की कोशिश करें जो अनिश्चितता के जीवन को जीने लायक जीवन में बदल सकें। आत्महत्या को रोका जा सकता है। आत्महत्या के बारे में सोचने वाले युवा अक्सर अपने संकट की चेतावनी के संकेत देते हैं।

माता-पिता, शिक्षक और मित्र इन संकेतों को समझने और सहायता प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थिति में हैं।

राजस्थान छात्रसंघ चुनावों में युवाओं ने गहलोत सरकार को आगामी चुनावी रुझान दर्शा दिये हैं

रमेश सर्राफ धमोरा

विधानसभा चुनावों में यूथ वोटर्स बहुत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। पिछले कई चुनावों में यूथ वोटर्स ने सरकारें बदलने में बड़ी भूमिका निभाई है। छात्रसंघ चुनावों के नतीजों ने दोनों पार्टियों को भविष्य के लिए कई संकेत दिए हैं।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी सरकार को आमजन की सरकार बताते हुए दावा करते हैं कि देश में सबसे अधिक जनहित में काम करने वाली सरकार यदि कोई है तो है राजस्थान की कांग्रेस सरकार है। उनका दावा है कि उनकी सरकार द्वारा जनहित में किए जा रहे कार्यों की बदौलत ही राजस्थान में अगली बार फिर से कांग्रेस पार्टी की सरकार बनेगी। इसे हम मुख्यमंत्री गहलोत का अति आत्मविश्वास ही कह सकते हैं। क्योंकि हाल ही में राजस्थान के महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के छात्र संघ के संपन्न हुए चुनाव तो कुछ अलग ही कहानी बयां करते हैं।

कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई ने राजस्थान की सभी कॉलेजों व विश्वविद्यालयों में छात्रसंघों के चुनाव में पूरी ताकत के साथ भाग लिया था मगर परिणाम शून्य रहा। राजस्थान में भी एक भी सरकारी कॉलेज में कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई का प्रत्याशी अध्यक्ष नहीं बन पाया। इतना ही नहीं जयपुर, जोधपुर सहित प्रदेश के सभी 14 सरकारी विश्वविद्यालयों के छात्र संघ अध्यक्ष के चुनाव में भी कांग्रेस प्रत्याशी पराजित हो गए। राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के छात्र संघ के अध्यक्ष चुनाव में एनएसयूआई की प्रत्याशी रितु बराला तीसरे नंबर पर रहीं।

जबकि राज्य सरकार में मंत्री मुरारी लाल मीणा की बेटी निहारिका जोरवाल एनएसयूआई से टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय चुनाव लड़कर कांग्रेस प्रत्याशी से काफी अधिक वोट लेने में सफल रही। जोधपुर विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष के चुनाव में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सुपुत्र वैभव गहलोत एनएसयूआई के प्रत्याशी को जिताने के लिए दिन रात एक किए हुए थे, मगर फिर भी एनएसयूआई का प्रत्याशी हार गया। प्रदेश के चौदह सरकारी विश्वविद्यालयों में से पांच पर भाजपा के छात्र संगठन एबीवीपी, दो पर वामपंथी छात्र संगठन एसएफआई व सात पर निर्दलीय प्रत्याशी अध्यक्ष बने हैं।

राजस्थान में छात्र संघ के चुनाव परिणाम सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी और मुख्य विपक्षी दल भाजपा, दोनों के लिए ही एक चेतावनी की तरह है। सबसे अधिक चिंता तो कांग्रेस पार्टी के लिए मानी जाएगी। क्योंकि अगले साल प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं और चुनाव में सबसे अधिक भूमिका छात्रों व युवाओं की होती है। प्रदेश में हुए छात्र संघ चुनाव में कांग्रेस पार्टी के छात्र संगठन एनएसयूआई की करारी हार ने कांग्रेस को बैकफुट पर खड़ा कर दिया है। हालांकि विधानसभा चुनाव में छात्र संघ चुनाव की ज्यादा भूमिका नहीं रहती है। मगर विपक्ष को तो कहने को मौका मिल गया है। पांच विश्वविद्यालयों में भाजपा समर्थित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रत्याशियों की जीत ने भाजपा को उत्साहित किया है। वहीं आधे विश्वविद्यालयों में निर्दलीय प्रत्याशियों की जीत ने सभी राजनीतिक दलों को चौंका दिया है।

राजस्थान के छात्रों ने चुनाव से ठीक साल भर पहले अपना रुझान दे दिया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से लेकर सभी बड़े मंत्रियों के इलाकों में कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई को करारी हार का सामना करना पड़ा है। गहलोत के गृह क्षेत्र जोधपुर की जयनारायण व्यास यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में एनएसयूआई हार गई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के गृह जिले सीकर में शेखावाटी यूनिवर्सिटी और एसके कॉलेज में एनएसयूआई, एसएफआई प्रत्याशियों से बुरी तरह हारी है।

प्रदेश की किसी भी बड़ी यूनिवर्सिटी में एनएसयूआई का उम्मीदवार अध्यक्ष पद पर नहीं जीता। यह हालत तब है जब कांग्रेस के कई विधायक और मंत्री पर्दे के पीछे से एनएसयूआई प्रत्याशियों को जिताने के लिए सक्रिय थे।

अमृत काल में गुलामी के एक और पहचान से मुक्ति - कर्तव्यपथ के रूप में नए इतिहास का सृजन

आजादी के अमृत महोत्सव कालमें देशप्रौद्योगिकी स्वास्थ्य यातायात शिक्षा दूरसंचार सहित लगभग सभी क्षेत्रों में रोज नए-नए ऊर्जा के आयामों के अध्याय को जोड़कर इतिहास रचा रहा है जिससे हर भारतवासी सहित अप्रवासी इस गौरवमई उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहे हैं यहां तक कि दुनिया की नजरें भी भारत की ओर लगी हुई है कि भारत अगर 75 वें अमृत महोत्सव काल में इतनीं कुछ उपलब्धियां हासिल कर रहा है तो भारत का सौवां स्वर्ण जयंती महोत्सव याने विज़न 2047 कितना अद्भुत विशाल और स्वर्णिम होगा इसका अंदाजा लगाकर भारतीयों अनिवासी और प्रवासी भारतीयों को गर्व और दुनिया भर में बसने वाले मानवीय जीवो के हृदय में जरूर विचार आएगा काश हम भारतवासी होते!! ऐसी है मेरी ममतामई भारत माता की गाथा! हालांकि भारत की गाथाओं का वर्णन शब्दों में नहीं किया जा सकता, परंतु चूंकि 8 सितंबर 2022 को राज पथ अब कर्तव्य पथ हो गया है इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से इस नए भारत की भव्य तस्वीर कर्तव्य पथ की चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम ब्रिटिश काल में भारत पर अंग्रेजों के शासन की करें तो सोने की चिड़िया के अनेक महत्वपूर्ण स्थानों, संस्थानों, ऐतिहासिक जड़ों,गड़ों को अंग्रेजों ने अपने तरीके से नाम रखकर, बदलकर, रूपांतरित कर अपने नाम दिए थे और भारत को गुलामी कीजंजीरों से जकड़ कर पाश्चात्य भारत का रूप देने की परिकल्पना के आयाम हासिल करने के मंसूबे रचकर अपना काम किया परंतु भारत माता के सपूतों ने ज़ज्बे और जांबाज़ी से देश को आजाद कराया परंतु आज भी उस गुलामी के सैकड़ों धब्बे जरूर दिखते हैं, जिसकी धुलाई करना शुरू है जिसमें से एक राजपथ टू कर्तव्य पथ सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण है

साथियों बात अगर हम राजपथ टू कर्तव्यपथ की करें तो दिनांक 8 सितंबर 2022 को देर रात्रि तक माननीय पीएम महोदय ने राष्ट्र को सौंपा और पीआईबी के अनुसार अपने संबोधन में कहा, औपनिवेशिक परंपरा को पीछे छोड़ते हुए अमृत काल में अपनी ही विरासत के साथ आजादी के 100 वर्ष पूरे होने की ओर बढ़ना ही ठीक हैं उन्होंने कहा, अगर पथ ही राजपथ हो,तो यात्रा लोकमुखी कैसे होगी? राजपथ ब्रिटिश राज के लिए था, जिनके लिए भारत के लोग गुलाम थे ।राजपथ कीभावना भी गुलामी का प्रतीक थी, उसकी संरचना भी गुलामी का प्रतीक थी ।आज इसका आर्किटेक्चर भी बदला है, और इसकी आत्मा भी बदली है ।उन्होंनेकर्तव्य पथ केवल ईंट-पत्थरों का रास्ता भर नहीं है, ये भारत के लोकतांत्रिक अतीत और सर्वकालिक आदर्शों का जीवंत मार्ग है।

उन्होंने कहा आज देश अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे सैकड़ों कानूनों को बदल चुका है। भारतीय बजट, जो इतने दशकों से ब्रिटिश संसद के समय का अनुसरण कर रहा था, उसका समय और तारीख भी बदली गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिए अब विदेशी भाषा की मजबूरी से भी देश के युवाओं को आजाद किया जा रहा है ।आजादी के अमृत महोत्सव में, देश को आज एक नई प्रेरणा मिली है, नई ऊर्जा मिली है। आज हम गुजरे हुए कल को छोड़कर, आने वाले कल की तस्वीर में नए रंग भर रहे हैं। आज जो हर तरफ ये नई आभा दिख रही है, वो नए भारत के आत्मविश्वास की आभा है। गुलामी का प्रतीक किंग्सवे यानि राजपथ, आज से इतिहास की बात हो गया है, हमेशा के लिए मिट गया है। आज कर्तव्य पथ के रूप में नए इतिहास का सृजन हुआ है। मैं सभी देशवासियों को आजादी के इस अमृतकाल में, गुलामी की एक और पहचान से मुक्ति के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा, आज के इस अवसर पर, मैं अपने उन श्रमिक साथियों का विशेष आभार व्यक्त करना चाहता हूं, जिन्होंने कर्तव्यपथ को केवल बनाया ही नहीं है, बल्कि अपने श्रम की पराकाष्ठा से देश को कर्तव्य पथ दिखाया भी है। आज इंडिया गेट के समीप हमारे राष्ट्रनायक नेताजी सुभाषचंद्र बोस की विशाल मूर्ति भी स्थापित हुई है। गुलामी के समय यहां ब्रिटिश राजसत्ता के प्रतिनिधि की प्रतिमा लगी हुई थी आज देश ने उसी स्थान पर नेताजी की मूर्ति की स्थापना करके आधुनिक, सशक्त भारत की प्राण प्रतिष्ठा भी कर दी है ।आज भारत के आदर्श अपने हैं, आयाम अपने हैं, आज भारत के संकल्प अपने हैं, लक्ष्य अपने हैं. आज हमारे पथ अपने हैं,प्रतीक अपने हैं ।देश के विकास में एक और संविधान है और दूसरी ओर श्रमिकों का योगदान है. यही प्रेरणा देश को आगे और भी कर्तव्य पथ देगी। उन्होंने कहा, मैं देश के हर एक नागरिक का आह्वान करता हूं, आप सभी को आमंत्रण देता हूं, आइये, इस नवनिर्मित कर्तव्यपथ को आकर देखिए, इस निर्माण में आपको भविष्य का भारत नज़र आएगा, यहां की ऊर्जा आपको हमारे विराट राष्ट्र के लिए एक नया विज़न देगी, एक नया विश्वास देगी।

साथियों बात अगर हम अन्य मार्गो व कर्तव्य पथ के इतिहास की करें तो, साल 2015 में रेसकोर्स रोड का नाम बदलकर लोक कल्याण मार्ग किया गया,जहां पीएमआवास है। साल 2015 में औरंगजेब रोड का नाम बदलकर एपीजे अब्दुल कलाम रोड किया गया। साल 2017 में डलहौजी रोड का नाम दाराशिकोह रोड कर दिया गया। इसके अलावा 2018 में तीन मूर्ति चौक नाम बदलकर तीन मूर्ती हाईफा चौक कर दिया था। आजादी के बाद प्रिंस एडवर्ड रोड को विजय चौक, क्वीन विक्टोरिया रोड को डॉ. राजेंद्र प्रसाद रोड, %किंग जॉर्ज एवेन्यू% रोड का नाम बदलकर राजाजी मार्ग किया गया था। इन महत्वपूर्ण सड़कों के नाम अंग्रेजी ब्रिटिश सम्राटों के नाम पर थे। किंग्सवे की कहानी 1911 से शुरु होती है। तब दिल्ली दरबार में शामिल होने के लिए किंग जॉर्ज पंचम भारत आए थे।

मानसिक स्वास्थ्य के सिद्धांत।

हमेशा कुछ न कुछ नया सिखिए,
स्वास्थ्य और शारिर का पूर्ण रूप
से ध्यान रखिये,
सकारात्मक लोगो के साथ ज्यादा
वक्त बीताइए,
दसरो की सहायता जितनी हो सके
करते चले जाइए।
शांत रहे, सिमरन या प्राणायाम
ज़रुर किजिये,
ज़रुरत पढ़ने पर अपनों से मदद
भी लिजिये,
ज़्यादा से ज़्यदा हसिये,
खिलखिलाईये और मुस्कुराये,
लोगो की कमी को नज़र अंदाज़
करते चले जाइए।
सभी की अच्छी आदतो को
अपनाइए,
सबको अच्छे कामों के लिए
प्रोत्सहित किजिये,
और स्वयं भी अच्छे काम करते
चले जाइए,
शारीरिक गतिविधियां, खेलकूद
को भी अपने दिनचरिया का
हिस्सा बनाइए।
अपने आस पास के वातवरन को
स्वच्छ रखिए,
इंसानियत को स्वयं के अंदर
संपूर्ण रूप से जगाइए,
सबसे प्रेम किजिये और स्वयं को
भी प्रेम देते चले जाइए

शार्ट न्यूज

भलाई के चक्कर में ज्वैलर को लगा जोर का झटका, लाखों के जेवर ले उड़े दो ठग

श्रावस्ती। कई बार भलाई के चक्कर में लोगों को भुगतना भी पड़ जाता है। कुछ ऐसा ही मामला श्रावस्ती जिले से सामने आया है। यहां ज्वैलर्स की दुकान में पहुंचे दो युवकों ने दुकानदार को पाने लेने के लिए भेज दिया। इतने में ही दोनों ने जेवरातों पर हाथ साफ कर दिया और फरार हो गए। इसके बाद सराफा व्यापारी ने घटना की सूचना भिनगा कोतवाली पुलिस को दी। प्रभारी निरीक्षक जीतेंद्र कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। एएसपी प्रवीण कुमार यादव ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। साक्ष्य जुटाने के लिए फारेंसिक टीम लगाई है। भिनगा नगर के हाजी सलीम नई बाजार स्थित हिना लाज के सामने ज्वैलरी की दुकान करते हैं। शुक्रवार को दिन में 11.30 बजे वह अपनी दुकान पर बैठे थे। इसी बीच दो अज्ञात युवक ग्राहक बनकर उनकी दुकान पर आए और सोने के आभूषण दिखाने को कहा। व्यापारी ने एक ट्रे में सोने की तीन चेन, तीन जोड़ी सोने का झाला व 12 जोड़ी कान के टप युवकों को देखने को दिया। इसी बीच उन्हीं युवकों में से एक युवक ने पानी पिलाने के लिए आग्रह किया। व्यापारी जैसे की पानी लेने के लिए दुकान के पीछे गया। दोनों युवक सोने के आभूषण लेकर फरार हो गए। सराफा व्यापारी ने भिनगा कोतवाली में घटना की तहरीर दी है। पुलिस व फारेंसिक टीम जांच में जुटी है।

अवैध संबंध में रोड़ा बन रहे पति को पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर लगाया ठिकाने, मारकर जंगल में फेंका शव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के मड़ियांव पुलिस ने अखिलेश वर्मा नाम के शख्स की हत्या के आरोप में उसकी पत्नी नेहा और उसके प्रेमी राहुल गिरी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने अवैध संबंध में बाधा बनने के कारण अखिलेश की हत्या करने के बाद शव को घैला पुलिस चौकी के पास फेंक दिया था। डीसीपी उत्तरी सै. कासिम आब्दी के मुताबिक 6 सितंबर को पुलिस चौकी से कुछ दूर झाड़ियों में 45 वर्षीय व्यक्ति का शव मिला था। शव की पहचान अखिलेश वर्मा के तौर पर हुई थी। डीसीपी के मुताबिक जांच के दौरान मृतक अखिलेश की पत्नी नेहा के बयान में विरोधाभास था। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ किए जाने पर नेहा ने प्रेमी राहुल गिरी और उसके दोस्त कौशल की मदद से पति की हत्या कराने की बात कबूल ली। नेहा के बयान के आधार पर पुलिस ने राहुल गिरी को पकड़ लिया। पूछताछ में राहुल ने बताया कि नेहा के कहने पर उसने उसके पति अखिलेश का गला दबा कर उसकी हत्या की थी। जिसके बाद कौशल की मदद से वह शव को मड़ियांव घैला के पास फेंक कर भाग निकला था। पुलिस के मुताबिक अखिलेश वर्मा की पत्नी नेहा का राहुल गिरी नाम के शख्स के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों ने मिलकर अखिलेश वर्मा को रास्ते से हंटाने का फैसला किया और इसी योजना के तहत उन्होंने मिलकर अखिलेश वर्मा की हत्या कर दी।

मदरसों पर भाजपा की टेढ़ी नजर, तुष्टीकरण के नाम पर मुस्लिमों का दमन जारीः मायावती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने भारतीय जनता पार्टी के शासन में मुस्लिम समाज को तुष्टीकरण के नाम पर आतंकित कर इनका दमन किये जाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि मदरसों की जांच के फैसले से स्पष्ट है कि भाजपा की मदरसों पर टेढ़ी नजर है। मायावती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में कहा कि पहले कांग्रेस के शासनकाल में इस तरह की संकीर्ण राजनीति के कारण इस समुदाय को तुष्टीकरण की राजनीति का शिकार होना पड़ा और अब यह सिलसिला भाजपा की सरकारों में भी जारी है। उन्होंने इसे दुखद एवं निंदनीय बताया। मायावती ने ट्वीट कर कहा, मुस्लिम समाज के शोषित, उपेक्षित व दंगा-पीड़ित होने आदि की शिकायत कांग्रेस के ज़माने में आम रही है, फिर भी बीजेपी द्वारा 'तुष्टीकरण' के नाम पर संकीर्ण राजनीति करके सत्ता में आ जाने के बाद अब इनके दमन व आतंकित करने का खेल अनवरत जारी है, जो अति-दुःखद व निन्दनीय। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, इसी क्रम में अब यूपी में मदरसों पर भाजपा सरकार की टेढ़ी नजर है। मदरसा सर्वे के नाम पर कौम के चन्दे पर चलने वाले निजी मदरसों में भी हस्तक्षेप का प्रयास अनुचित जबकि सरकारी अनुदान से चलने वाले मदरसों व सरकारी स्कूलों की बदतर हालत को सुधारने पर सरकार को ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।

बस्ती : पांच लाख उपभोक्ताओं का तीन सौ 11 करोड़ का बिजली बिल बकाया

बस्ती। उत्तर प्रदेश में बस्ती मण्डल के तीनो जिलों बस्ती,सिद्धार्थनगर तथा संतकबीरनगर में विद्युत निगम के लगभग 05 लाख उपभोक्ताओं का तीन सौ 11 करोड़ रूपया बिजली बिल बकाया चल रहा है जिसको जमा कराने के लिए विभाग द्वारा निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। आधिकारिक सूत्रो ने शुक्रवार को यहां यह जानकारी देते हुए बस्ती मण्डल के बस्ती,सिद्धार्थनगर तथा संतकबीरनगर जिलों में 05 लाख उपभोक्ताओं का बकाया बिल भुगतान के लिए आंशिक बिल भुगतान की सहूलियत देने के लिए कार्यक्रम जारी किया जा रहा है। उपभोक्ताओं का बकाया बिल 25 प्रतिशत के हिसाब से चार बार मे सम्पूर्ण बकाया का भुगतान कराया जायेगा। बस्ती जनपद के 01 लाख 97 हजार 05 सौ 75 उपभोक्ताओं का 153 करोड़,सिद्धार्थनगर जिले के 01 लाख 80 हजार 07 सौ 25 उपभोक्ताओं का 90 करोड़ तथा संतकबीरनगर जिले के 01 लाख 19 हजार 1 सौ 35 उपभोक्ताओं का 68 करोड़ रूपये का बकाया चल रहा है। वर्तमान समय मे बड़े बकायेदारों का विद्युत विभाग द्वारा कनेक्शन काटा जा रहा है।

प्रतापगढ़ : अदालत परिसर में लगी आग, जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में शुक्रवार को दोपहर दीवानी न्यायालय परिसर में स्थित तीन मंजिला इमारत के इलेक्ट्रिक रूम में आग लग गयी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक यह आग बिजली का शॉर्ट सर्किट होने से लगी, जिससे अदालत परिसर में अफरा तफरी मच गयी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पा लिया। न्यायालय कर्मियों के मुताबिक इसमें जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। जिस इमारत में आग लगी उसमें बैठ कर न्यायिक अधिकारी मुकदमो की सुनवाई करते हैं। इसी इमारत में मुकदमों से सम्बंधित फाइलें व अन्य अभिलेख रखे हुये हैं। अदालतकर्मियों ने बताया कि बड़ा हादसा टल गया।

वरासत अभियान में मिले 30 लाख से ज्यादा आवेदन निस्तारित हुए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में संपत्तियों के दस्तावेज डिजिटल करने एवं विरासत संपत्तियों को ऑनलाइन दर्ज करने के लिये योगी सरकार के वरासत अभियान के तहत अब तक 30 लाख से अधिक आवेदनों का निस्तारण किया जा चुका है। राजस्व परिषद द्वारा संचालित इस अभियान से जुड़े ताजा आंकड़ों के हवाले से शुक्रवार को बताया गया कि वरासत अभियान के तहत संपत्तियों का ऑनलाइन नामांतरण आदि के लिये अब तक 37,91,958 आवेदन मिले हैं। इनमें से 31,78,950 आवेदनों को निस्तारित किया जा चुका है। गौरतलब है कि इस अभियान में पंचायत भवनों को भी डिजिटल किया जा रहा है। योगी सरकार ने वरासत की प्रक्रिया को 2018 से ऑनलाइन करने का निर्णय लिया था। अब इस प्रक्रिया को लगभग पूरी तरह से ऑनलाइन कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद को वरासत के कुल 37,91,958 आवेदन मिले, जिनके निस्तारण के लिए 37,66,460 आवेदन लेखपाल के जरिए राजस्व निरीक्षक को भेजे गये। राजस्व परिषद ने किसी भी प्रकार के विवाद से रहित 31,78,950 आवेदन पत्रों पर आदेश पारित किए हैं। इसके अलावा गांवों में पंचायत भवनों को डिजिटल किये जाने के परिणामस्वरूप गांव के लोग एक ही क्लिक पर अपने गांव में हुए विकास की जानकारी हासिल कर सकेंगे। साथ ही विकास कार्यों में पारदर्शिता भी आयेगी। राजस्व परिषद द्वारा ऑनलाइन वरासत की समीक्षा हर माह की जाती है।

कानपुर में लगेगा बॉलीवुड हस्तियों का तड़का

ग्रीन पार्क में जलवा बिखेरेंगी नोरा फतेही और श्रद्धा कपूर

कानपुर। ग्रीन पार्क में होने वाली रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज टी-20 में क्रिकेट के साथ ही बॉलीवुड हस्तियों का भी तड़का लगेगा। नोरा फतेही, श्रद्धा कपूर और कार्तिक आर्यन समेत कई हस्तियां मैदान में रंगारंग प्रस्तुतियों से मनमोहेंगे। मैच का शुभारंभ 10 सितंबर को होने से पहले डेढ़ घंटे का बॉलीवुड नाइट व प्रस्तुतिकरण होगा। ओपनिंग सेरेमनी में प्रदेश व देश की कई नामचीन हस्तियां आ सकती है। मैच को लेकर पुलिस, प्रशासन और नगर निगम के साथ ही खेल विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी है।

पूरी क्षमता से होगा मैच, बायोबबल घेरा रहेगा

ग्रीन पार्क में भारत समेत आठ लीजेंड्स टीमों की प्रतियोगिता पूरी क्षमता के साथ कराने की तैयारी है। फिर भी खेल विभाग की अनुमति ली जाएगी। पिछली बार कोविड प्रोटोकॉल को देखते हुए मैच 70 फीसदी क्षमता से कराया गया था। इस बार 28 हजार की क्षमता के साथ मैच कराने की तैयारी है। इसके साथ ही सभी खिलाड़ी बायोबबल के घेरे में रहेंगे। इसको लेकर प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है।

शराब के सेल्समैन ने पत्नी की हत्या के बाद बोरे में भरकर गोदाम में फेंक दी लाश

कानपुर। कानपुर के पनकी इंडस्ट्रियल एरिया में शराब ठेके के सेल्समैन पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। शव को बोरे में भरा और ठेके के गोदाम में फेक दिया। पत्नी का भाई कानपुर पहुंचा तब घटना का खुलासा हुआ। आरोपित पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पनकी गंगागंज भाग 4 निवासी पवन कुमार पनकी इंडस्ट्रियल एरिया साइड नंबर तीन स्थित अंग्रेजी शराब ठेके पर सेल्समैन है। 7 सितंबर को सेल्समैन पवन की पत्नी शिवा (32) उसके ठेके पर पहुंची थी। वहा पर दोनो का कस कर विवाद हुआ। पवन ने रस्सी से गला घोट कर हत्या कर दी और शव को बोरे में भरकर गोदाम में फेक दिया। महिला से संपर्क ना होने पर मायके पक्ष ने पड़ोसियों से जानकारी की। सोमवार सुबह मृतका का भाई पवन के घर पहुंचा, वहा से पूछताछ करते हुए ठेके पर और फिर गोदाम में बहन का शव देख कर उसके होश उड़ गए। पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद फॉरेंसिक फील्ड यूनिट को बुलाया गया। आरोपित पति पवन को इलाके से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पनकी इंस्पेक्टर अंजन कुमार सिंह ने बताया कि अब तक की जांच में पता चला है पवन के भाई के कोई बच्चे नहीं थे। इस कारण उसने अपना एक बच्चा भाई को गोद दे दिया।

दवा लेने जा रही महिला को किडनैप कर पांच दिन तक रेप करते रहे दरिंदे, पुलिस पर कार्रवाई ना करने का आरोप

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में दवा लेने जा रही महिला को किडनैप कर पांच दिनों तक रेप करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि दवा लेने जा रही महिला को कार सवार कुछ लोगों ने ने सिरौली जाने की बात कहकर बैठा लिया। पीड़िता का आरोप है कि वो लोग उसे सुनसान जगह पर बने एक मकान में ले गए जहां उसका बारी-बारी से पांच दिनों तक रेप होता रहा। पीड़िता के पति का आरोप है कि शिकायत करने के बावजूद सिरौली पुलिस ने उनकी रिपोर्ट नहीं लिखी। पीड़ित ने गुरुवार को एसएसपी से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के मुताबिक थाना सिरौली के एक गांव निवासी महिला तीस अगस्त को सिरौली दवा लेने जा रही थी। रास्ते में उसे गांव के कुछ लोग मिल गये। उन्होंने सिरौली जाने की बात कहकर महिला को कार में जबरन बैठा लिया। आरोप है कि आरोपी महिला को सिरौली के बजाय किसी सूनसान जगह पर ले गए। जहां एक बंद मकान में उसे बंद कर दिया। पांच दिनों तक सबने उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपियों ने महिला के जेवर हंसली, खडुआ, पाज़ेब, लौंग आदि भी धमकाकर जबरन उतरवा लिए।

पुलिस ने चार शातिर गोकशों को किया गिरफ्तार

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जनपद में पुलिस ने थाना रामपुर मनिहारन में चार शातिर गोकशों को गिरफ्तार किया है। सहारनपुर के पुलिस अधीक्षक (नगर) राजेश कुमार ने शुक्रवार को बताया कि थाना रामपुर मनिहारन पुलिस ने 04 शातिर गोकशों खुशनुद, शमशेर, आशू और साजिद को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से गोवंश के अवशेष, गोकशी के उपकरण, 01 मोटर साईकिल व एक तंमचा और अवैध कारतूस बरामद किये गये।

चाचा ने नहीं दिए 50 हजार तो भाई को उतार दिया मौत के घाट, गला घोट कर शव नदी में फेंका

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां चचेरे भाई ने मासूम को महज पैसों के लिए मौत के घाट उतार दिया। आरोपी ने पुलिस के सामने कई अहम खुलासे किए। आरोपी अमित पाण्डेय ने पुलिस बताया कि उसको 50 हजार रुपये नहीं मिलने पर चचेरे भाई की हत्या कर दी थी।

आरोपी ने गला दबा कर हत्या करने के बाद मासूम के शव को कानपुर जाजमऊ के पास गंगा नदी में फेंक दिया था। शुक्रवार को अमित को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने यह दावा किया। एसडीआरएफ की मदद से शव को तलाशने की कोशिश की जा रही है।

एडीसीपी पूर्वी सै. अली अब्बास के मुताबिक सनातन नगर निवासी मार्केटिंग इंस्पेक्टर धीरेंद्र पाण्डेय का एकलौता बेटा राम पाण्डेय चार सितंबर को लापता हुआ था। धीरेंद्र ने कौशांबी निवासी भतीजे अमित पाण्डेय पर संदेह जताया था। जो राम को अपने साथ घूमाने की बात कह कर ले गया था। एडीसीपी के मुताबिक अमित को हिरासत में लेकर पूछताछ किए जाने पर वह लगातार बयान बदलता रहा। कभी हरिद्वार तो कभी कानपुर में शव फेंकने की बात कही।

गुरुवार रात आरोपी ने बताया कि उसने चाचा धीरेंद्र से पचास हजार रुपये मांगे थे। वह रुपये नहीं दे रहे थे। इसलिए उसने राम पाण्डेय को अगवा कर लिया। घर से निकलने के बाद वह कानपुर पहुंचा। जहां गला दबा कर हत्या करने के बाद शव को गंगा नदी में फेंक कर वह वापस आ गया था। एडीसीपी ने बताया कि राम पाण्डेय का शव तलाशने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

यूपी पुलिस वाले अब वर्दी में नहीं बना सकेंगे रील

सख्ती के साथ कार्रवाई, महिला सिपाही सस्पेंड

मुरादाबाद। वर्दी में रील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करना महिला सिपाही को महंगा पड़ गया। सीओ सिविल लाइंस की जांच के बाद कप्तान ने उसे तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। एंटी रोमियो टीम में मोहिनी नाम की महिला सिपाही कार्यरत है। महिला सिपाही आए दिन फिल्मी गानों पर रील बनाती है। रील बनाते समय वह पुलिस की वर्दी पहने रहती है। बुधवार को उसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस मामले का संज्ञान लेकर एसएसपी हेमंत कुटियाल ने जांच के

आदेश दिए थे।

सोशल मीडिया का प्रयोग गरिमा के अनुसार हो

पुलिस की वर्दी में फिल्मी गानों पर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर वायरल करने को डीआईजी शलभ माथुर ने गंभीरता से लिया। उन्होंने कप्तानों को पत्र लिखकर ऐसी घटनाओं की पुनरावृति नहीं होने के निर्देश दिए। कहा कि सोशल मीडिया का प्रयोग विभाग की गरिमा के अनुसार किया जाए। निर्देशों को सभी पुलिस कर्मियों को पढ़कर सुनाया भी जाए। इसके बाद भी वर्दी में वीडियो बनाकर पोस्ट की गईं तो संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदार मानते हुए उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर ऐसी कोई भी जानकारी साझा नहीं की जाएगी जो उन्हें अपनी विभागीय नियुक्ति के कारण प्राप्त हो।

अमरोहा में भी वीडियो पोस्ट करने वाली सिपाही सस्पेंड

ड्यूटी टाइम में सोशल मीडिया पर फनी पोस्ट कर सुर्खियों में आई अमरोहा शहर कोतवाली में तैनात महिला सिपाही वर्षा राठी पर बड़ी कार्रवाई हुई। पहले ही एसपी स्तर पर लाइन हाजिर हो चुकी वर्षा को अब एडीजी बरेली जोन राजकुमार ने सस्पेंड किया है। बीते दिनों सोशल मीडिया पर महिला सिपाही वर्षा के फनी वीडियो वायरल हुए थे।

सूखे से निपटने के लिये योगी सरकार कर रही सर्वे का छलावा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जनता के साथ वादाखिलाफी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में सूखे की छाया मंडरा रही है और किसानों को मुआवजा देने की जगह योगी सरकार अभी तक सर्वे का छलावा कर रही है। अखिलेश ने भाजपा की वादाखिलाफी के सबूत देते हुए कहा कि चुनाव के समय मुख्यमंत्री योगी ने किसानों से मुफ्त सिंचाई का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आते ही भाजपा सरकार अपने वादे से मुकर गई। प्रदेश में सूखे की छाया मंडरा रही है। किसानों को मुआवजा देने की जगह भाजपा सरकार अभी तक सर्वे का छलावा कर रही है। किसानों की आय 2022 तक दुगनी करने का वादा भी भाजपा ने नहीं निभाया। भाजपा सरकार ने अभी तक इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया है।

जनता से वादाखिलाफी करने को भाजपा का वास्तविक चरित्र बताते हुए अखिलेश ने कहा कि चुनाव के समय किसानों को सम्माननिधि दी गई थी, लेकिन अब उनसे वसूली हो रही है।

निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज में खामियों पर योगी ने जताई नाराजगी

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर के दौरे पर आये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को यहां निर्माणाधीन उमानाथ सिंह राज्य चिकित्सालय महाविद्यालय (मेडिकल कालेज) में निरीक्षण के दौरान खामियां मिलने पर नाराजगी जाहिर करते हुए जिम्मेदार अधिकारियों को फटकार लगाई।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने साइट लेआउट और लेक्चर भवन देखकर निर्माणाधीन भवनो का निरीक्षण किया। इसके अलावा उन्होंने बच्चों से बातचीत कर निर्माण कार्य के बारे में जानकारी ली। योगी ने मेडिकल कॉलेज के निर्माणकार्य में लचर व्यवस्था को देख कर नाराजगी जतायी। मुख्यमंत्री ने संबद्ध अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए और कहा कि निर्माणकार्य में खामी पाये जाने पर दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने इस काम में बजट की कोई कमी नहीं होने दिये जाने का भरोसा दिलाया।

इसके बाद उन्होंने मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा स्नातक (एमबीबीएस) छात्रों से मुलाकात कर संसाधनों एवं पठन-पाठन के बारे में पूछा। कुछ छात्रों ने उन्हें समस्याओं से अवगत भी कराया।

दुर्ग छपरा एक्सप्रेस का जैतहरी स्टेशन पर होगा अस्थाई ठहराव

गोरखपुर। रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा को देखते हुए दुर्ग-छपरा-दुर्ग एक्सप्रेस का पूर्वोत्तर रेल मंडल के जैतहरी स्टेशन पर अस्थाई ठहराव को मंजूरी प्रदान की है। पूर्वोत्तर रेलवे के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि आगामी 10 सितंबर से प्रायोगिक तौर पर यह ट्रेन जैतहरी स्टेशन पर 02 मिनट के लिये रुकेगी। रेल प्रशासन ने इस स्अेशन पर इस गाड़ी का अस्थाई ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया है। इसके फलस्वरूप गाड़ी संख्या 15160, दुर्ग-छपरा एक्सप्रेस जैतहरी स्टेशन पर शनिवार को 01:26 बजे पहुंचकर 01:28 बजे प्रस्थान करेगी।

मोदी व योगी के बढ़ते आर्कषण से अन्य दलों मे हो रही है टूटनः दिनेश शर्मा

झांसी। उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधानपरिषद के सदस्य दिनेश शर्मा ने शुक्रवार को वीरांगना नगरी झांसी में कहा कि मोदी और योगी का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है और इसी कारण से अन्य दलों को छोड़ कर लोग आ रहे हैं।

यहां बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री रमानाथ खैरा के जयंती समारोह के कार्यक्रम में हिस्सा लेने आये पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के समापन के बाद संवाददाताओं के सवालों के जवाब दिये। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा उपमुख्यमंत्री को आधे विधायकों को तोडकर ले आने पर मुख्यमंत्री बना देने के लिए दिये जा रहे ऑफर के बारे में पूछे जाने पर श्री शर्मा ने कहा कि हर राजनेता अपने दल की टूटन को रोकने के लिए, अपने लोगों के मन में कोरी कल्पना भरने के लिए तरह तरह के बयान देता है और यह सब इसलिए है कि लोगों में मोदी और योगी का आर्कषण बढ़ रहा है और लोगों के साथ के लोग तेजी से टूट रहे हैं। ऐसी स्थिति में कोई भी कुछ भी कह सकता है।

जिले में शिक्षा विभाग में फर्जी नियुक्तियों को लेकर पूछे गये सवाल के जवाब में श्री शर्मा ने जानकारी न होने की बात कही लेकिन यह भी साफ किया कि योगी शासनकाल में कहीं कुछ गलत नहीं हो सकता है।

मेरठ : आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले युवक के आतंकी कनेक्शन की जांच शुरु

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में पुलिस ने सोशल मीडिया पर पिछले दिनों हिंदू देवताओं के बारे में आपत्तिजनक पोस्ट चस्पा करने वाले युवक नजर मोहम्मद को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस युवक के आतंकी नेटवर्क से तार जुड़े होने की पड़ताल शुरु कर दी है।

पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि नजर मोहम्मद ने अपने फेसबुक अकाउंट पर एके 47 राइफल लिये एक रहस्यमयी पाकिस्तानी नागरिक के साथ फोटो साझा की थी। इसके बाद ही सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गई और मामले की जांच शुरु कर दी है।

इस दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) और राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) की टीम नजर मोहम्मद से पूछताछ करने में लगी हुई हैं। हालांकि अभी तक जांच में यह साबित नहीं हो पाया है कि फोटो में रहस्यमयी पाकिस्तानी नागरिक का क्या किसी आतंकवादी संगठन से कोई संबंध है या नहीं। जबकि आरोपी नजर मोहम्मद का कहना है कि तस्वीर में दिख रहे इब्राहीम से उसका उससे कोई ताल्लुक नहीं है। मेरठ के भावनपुर क्षेत्र के गांव शाहकुलीपुर के रहने वाले बादशाह उर्फ नजर मोहम्मद ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वह छह साल से सऊदी अरब में रह रहा था। वह नवंबर 2021 में भारत वापस लौट आया था। उसने बताया कि वह एक किराये के कमरे में पांच छह लोगों के साथ रहता था। जिसमें पाकिस्तान के पेशावर का निवासी इब्राहीम भी शामिल था और वहीं उससे मुलाकात हुई थी।

मेरठ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण ने बताया कि आरोपी नजर मोहम्मद के विरुद्ध फिलहाल सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसी पूछताछ करने में लगी हैं। इनकी जांच रिपोर्ट अभी प्रतीक्षारत है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जायेगी।

झांसी-किशोर ने फ्लैट की आठवीं मंजिल से लगायी छलांग, मौत

झांसी। उत्तर प्रदेश के सीपरी बाजार थानाक्षेत्र स्थित रॉयल सिटी टावर की आठवी मंजिल से शुक्रवार सुबह तड़के एक किशोर ने छलांग लगा दी, उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि रॉयल सिटी टावर में फ्लैट नंबर 409 में रहने वाले राजीव शाक्य के पुत्र कौस्तुभ शाक्य (19) ने सुबह तड़के करीबन चार बजे आठवीं मंजिल की टेरिस से छलांग लगा दी। राजीव शाक्य यहां जीएसटी अधिकारी डिप्टी कमिश्नर के पद पर तैनात हैं। घटना के समय राजीव शाक्य घर पर नहीं थे वह अपनी पत्नी के साथ दिल्ली में किसी रिश्तेदार के यहां गये थे। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंच गयी।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन तक राज्य के 51 हजार घरों में पानी पहुंचाने का लक्ष्य

एजेंसी

झांसी। उत्तर प्रदेश की वीरांगना नगरी झांसी आये राज्य के सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को राज्य में 51 हजार घरों में नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य विभाग ने लिया है।

यहां सर्किट हाउस में सिंचाई विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के बाद संवाददाताओं से बातचीत में सिंचाई मंत्री ने कहा राज्य के अंदर 2024 सभी घरों में टोंटी लगाकर नल से शुद्ध जल देना है। प्रधानमंत्री नरेंद मोदी जी के द्वारा लायी गयी हर घर नल से जल योजना दुनिया की सबसे बड़ी योजना है । यह सपना साकार होगा, 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन है और हमारा प्रयास है कि इस दिन राज्य में कम से कम 51 हजार घरों में पानी पहुंचा दिया जाए । इसके लिए काम किया जा रहा है। उनका जन्मदिन सेवा समर्पण के रूप में मनाया जायेगा और इस दिन तक 51 हजार घरों में पानी पहुंचान का लक्ष्य विभाग द्वारा लिया गया है।

उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड की जो महिलाएं पांच से दस दस किलोमीटर से सिर पर मटका रख पानी लेकर आतीं थीं उनके लिए आज भी समस्याएं हैं लेकिन इसे जल्द से जल्द दूर करने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। रात दिन काम किया जा रहा है और कोशिश की जा रही है कि अधिक से अधिक घरों में 2022 में पानी पहुंचा दिया जाए और जो शेष बचे रहे वहां 2023 तक काम पूरा कर दिया जाए। उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में से सबसे पहले बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में पानी पहुंचाएं जाने को लेकर लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि जलापूर्ति के साथ साथ जलसंरक्षण के लिए भी सभी को काम करना चाहिए।

उद्यान अधिकारी ने चित्रकूट मंडल के उपनिदेशक पद का प्रभार नहीं लिया

कौशांबी। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार की नयी तबादला नीति के अनुपालन में नियमों की अनदेखी के आरोपों की आंच, स्वास्थ्य और लोक निर्माण (पीडब्ल्यूडी) विभाग के बाद अब उद्यान विभाग तक पहुंच गयी है। इसके फलस्वरूप कौशांबी के जिला उद्यान अधिकारी (डीएचओ) ने चित्रकूट मंडल के उपनिदेशक (डीडी) पद का प्रभार लेने से मना कर दिया है। विभाग में तीन मंडलों (चित्रकूट, मिर्जापुर और प्रयागराज) में उपनिदेशक पद पर प्रभारी अफसरों की तैनाती के लिये पिछले एक सप्ताह से चल रही कशमकश के बाद कौशांबी के डीडीएच सुरेन्द्र राम भास्कर ने चित्रकूट मंडल का प्रभार लेने में असमर्थता जतायी है। सूत्रों के मुताबिक भास्कर ने शासन को पारिवारिक कारणों से कार्यभार ग्रहण कर पाने में असमर्थ होने की जानकारी दे दी है।

गौरतलब है कि शासन द्वारा पांच सितंबर को जारी आदेश में भास्कर को चित्रकूट मंडल का, प्रयागराज स्थित प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र के मुख्य उद्यान विशेषज्ञ कृष्ण मोहन चौधरी को प्रयागराज मंडल तथा मिर्जापुर के डीएचओ मेवा राम को मिर्जापुर मंडल के डीडी पद का प्रभार सौंपते हुए तत्काल प्रभाव से कार्यभार ग्रहण करने को कहा गया था। प्रदेश के विभिन्न मंडलों में उद्यान विभाग के रिक्त पदों पर तैनाती की शुरुआत इन तीन मंडलों के आला अधिकारियों को प्रभार सौंपे जाने के साथ हुयी थी। इससे पहले ही विभागीय अधिकारियों के संगठन ने विभाग के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को इस प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन होने के तथ्य से अवगत करा दिया था।

शार्ट न्यूज

मोदी ने नार्वे के प्रधानमंत्री जोनास गेर स्टोर से की गुफ्तगू

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को नार्वे के प्रधानमंत्री जोनास गेर स्टोर से दूरभाष पर बातचीत की। प्रधानमंत्री कार्यालय की विज्ञप्ति के अनुसार दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय और आपसी हित के अंतरराष्ट्रीय विषयों पर परस्पर चर्चा की। चर्चा के मुख्य विषयों में विकासशील देशों में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए जलवायु परिवर्तन संबंधी वित्तीय सहायता जुटाने का मुद्दा भी शामिल था। वक्तव्य के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी ने विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन को रोकने संबंधी परियोजनाओं के लिए समय से और पर्याप्त मात्रा में वित्तीय सुविधा उपलब्ध कराने के महत्व पर जोर दिया। बयान में कहा गया है कि मोदी ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री श्री स्टोर की प्रतिबद्धता की सराहना की। मोदी और स्टोर ने भारत और नार्वे के बीच द्विपक्षीय सहयोग के लिए चल रही विभिन्न योजनाओं और पहलुओं की प्रगति की समीक्षा की जिसमें समुद्र आधारित अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में सहयोग कर कार्यबल की पहल भी शामिल है। दोनों नेताओं ने हरित हाइड्रोजन, जहाजरानी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा शिक्षा के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग में विस्तार पर संतोष व्यक्त किया।

कीमती धातुओं में तेजी

मुंबई। वैश्विक बाजार में पीली धातु के मुकाबले सफेद धातु के अधिक चमकने के प्रभाव से आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोना में 57 रुपये प्रति दस ग्राम की मामूली बढ़त वहीं चांदी में 437 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी रही। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.57 प्रतिशत चढ़कर 1716.99 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इसी तरह अमेरिका सोना वायदा 0.28 प्रतिशत की बढ़त लेकर 1712.80 डॉलर प्रति औंस हो गया। इस दौरान चांदी हाजिर 0.92 प्रतिशत की तेजी के साथ 18.74 डॉलर प्रति औंस बोली गई। इस दौरान देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 57 रुपये की मामूली बढ़त लेकर 50413 रुपये प्रति दस ग्राम और सोना मिनी 72 रुपये बढ़कर 50501 रुपये प्रति दस ग्राम पर रही। इसी तरह चांदी 437 रुपये महंगी होकर 55718 रुपये प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 406 रुपये चमककर 55270 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गई।

रुपया 12 पैसे मजबूत

मुंबई। आयातकों और बैंकरों की बिकवाली के बीच शेयर बाजार में जारी तेजी की बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 12 पैसे मजबूत होकर 79.57 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पिछले कारोबार दिवस रुपया 26 पैसे चढ़कर 79.69 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया तीन पैसे की बढ़त लेकर 79.66 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और यही इसका दिवस का निचला स्तर भी रहा। सत्र के दौरान बिकवाली होने से यह 79.47 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 79.69 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 12 पैसे की तेजी लेकर 79.57 रुपये प्रति डॉलर हो गया।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 6.48 लाख करोड़ पर पहुंचा

नयी दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में आठ सितंबर तक प्रत्यक्ष कर संग्रह 6.48 लाख करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 35.46 प्रतिशत अधिक है। केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आज यहां जारी बयान में बताया कि रिफंड के बाद प्रत्यक्ष कर संग्रह 5.29 लाख करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के प्रत्यक्ष कर संग्रह की तुलना में 30.17 प्रतिशत अधिक है। आठ सितंबर तक संग्रहित प्रत्यक्ष कर चालू वित्त वर्ष के बजट अनुमान का 37.24 प्रतिशत है। चालू वित्त वर्ष में एक अप्रैल से आठ सितंबर तक कुल 1.19 लाख करोड़ रुपये का रिफंड किया गया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में किये गये रिफंड की तुलना में 65.29 प्रतिशत अधिक है। अब तक कंपनी आयकर और व्यक्तिगत आयकर में क्रमश: 25.95 प्रतिशत और 44.37 प्रतिशत की बढोतरी दर्ज की गयी है। रिफंड के बाद यह बढोतरी क्रमश: 32.73 प्रतिशत और 28.32 प्रतिशत रही है।

एसपीएमसीआईएल ने दृष्टिबाधित बच्चों के स्कूल को ईको वैन प्रदान की

नयी दिल्ली। सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एसपीएमसीआईएल) की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तृप्ति पात्रा घोष ने आज एसपीएमसीआईएल की ओर से सीएसआर पहल के तहत नई दिल्ली में लाजपत नगर की अमर कॉलोनी में नेत्रहीन स्कूल संस्थान को ईको वैन सौंपी। इस मौके पर एसपीएमसीआईएल के निदेशक (मानव संसाधन) एस.के. सिन्हा और एसपीएमसीआईएल के मुख्य महाप्रबंधक (एचआर) बी.जे. गुप्ता उपस्थिति थे। इस अवसर पर उन्होंने एसपीएमसीआईएल की ओर से सीएसआर पहल के तहत स्कूल को प्रदान की जाने वाली अन्य वस्तुओं का भी निरीक्षण किया। कार्यक्रम के दौरान नेत्रहीन विद्यालय के दिव्यांग बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किया गया, जहां उन्होंने गायन, टेबल वादन और जुगलबंदी आदि में अपने कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल प्रबंधन ने स्कूल के बच्चों को पहले ब्रेल घड़ियां और साउंड सिस्टम उपलब्ध कराने के लिए एसपीएमसीआईएल प्रबंधन को धन्यवाद दिया।

अगस्त में म्युचुअल फंड संपदा प्रबंधन रिकार्ड 39.33 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा

नयी दिल्ली। इस वर्ष अगस्त महीने में देश में कार्यरत म्युचुअल फंड उद्योग का कुल शुद्ध संपदा प्रबंधन 139.33 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया जो पिछले वर्ष इसी महीने के संपदा प्रबंधन की तुलना में सात फीसदी अधिक है। इस उद्योग के शीर्ष संगठन एएमएफआई द्वारा आज जारी आंकड़ों के अनुसार औसत संपदा प्रबंधन अगस्त 2022 में 39.53 लाख करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वर्ष अगस्त के औसत संपदा प्रबंधन की तुलना में 10 फीसद अधिक है। अगस्त में म्युचुअल फंड फोलियो 13.64 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया और रिटेल म्युचुअल फंड फोलियो 10.89 लाख करोड़ रुपये रहा है। अगस्त में एसआईपी खातों की संख्या भी रिकार्ड स्तर 5.71 करोड़ पर पहुंच गयी और मासिक एसआईपी भागीदारी भी रिकार्ड 12693.45 करोड़ रुपये रहा है। म्युचुअल फंड एसआईपी संपदा प्रबंधन 6.39 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है जो कुल म्युचुअल फंड संपदा प्रबंधन का 16 प्रतिशत है।

एडब्ल्यूएस पर उच्च शिक्षा के शासन में परिवर्तन के लिए समर्थ ईगॉव का गठन

नयी दिल्ली। ऑनलाइन मार्केटप्लेस एमेज़ॉनडॉटकॉम की कंपनी एमेज़ॉन वेब सर्विसेज़ इंक ने आज घोषणा की कि दिल्ली विश्वविद्यालय भारत के विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों (एचईआई) को ओपन सोर्स, सुरक्षित, स्केलेबल और मजबूत प्रोसेस ऑटोमेशन ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म समर्थ ईगॉव को अपनाने में सक्षम बनाने के लिए एमेज़ॉन वेब सर्विसेज़ का उपयोग कर रहा है। कंपनी ने आज यहां कहा कि समर्थ ईगॉव के संग्रह में 40 से ज्यादा सॉफ्टवेयर मॉड्यूल हैं, जो शैक्षणिक, प्रशासन, विद्यार्थी सेवाओं, मानव संसाधन, शासन, लेखा, एवं वित्त से संबंधित हैं और भारत में केंद्रीय व राजकीय विश्वविद्यालयों, एचईआई एवं प्रीमियर टेक्निकल संस्थानों को क्लाउड-बेस्ड सेवाएं प्रदान करते हैं। इस संग्रह द्वारा विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों को एक ऑटोमेशन इंजन प्राप्त होता है, जो उन्हें पेपर पर आधारित और पारंपरिक थर्ड पार्टी एंटरप्राईज़ रिसोर्स प्लानिंगसिस्टम्स से ज्यादा सुरक्षित, भरोसेमंद, और स्केलेबल प्लेटफॉर्म में माईग्रेट करता है।

भारत मुक्त, खुले समावेशी भारत-प्रशांत क्षेत्र के लिये प्रतिबद्ध : पीयूष गोयल

लॉस एंजेलिस/नयी दिल्ली, 09 सितंबर (वार्ता) वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका की अपनी वर्तमान यात्रा के दूसरे चरण में शुक्रवार को लॉस एंजेलिस में भारत-प्रशांत आर्थिक मंच (आईपीईएफ) की मंत्री स्तरीय बैठक में भाग लिया और भारत-प्रशांत क्षेत्र को खुला एवं समावेशी बनाने के प्रयासों को लेकर भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।

इस फोरम के गठन के बाद इसकी यह पहली पहली बैठक थी जिसमें मंत्री एक जगह एकत्रित थे। आईपीईएफ की बैठक से अलग श्री गोयल ने मीडिया से बात करते हुये कहा कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर आईपीईएफ के प्रारूप के विभिन्न पक्षों पर निर्णय करेगा।

इस 14 सदस्यीय मंच का उद्घाटन इसी वर्ष 23 मई को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने किया था जिसका उद्देश्य एशिया प्रशांत क्षेत्र में निष्पक्ष व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला के सशक्तीकरण, अवसंरचना सुविधाओं के विकास, स्वच्छा ऊर्जा और कार्बनहरण तथा करचोरी और भ्रष्टाचार पर अंकुश-इन चार क्षेत्रों में सहयोग को प्रोत्साहित करना है।

श्री गोयल ने कहा कि आईपीईएफ के सदस्यों के साथ बहुत उपयोगी चर्चायें हुईं। उन्होंने कहा कि सदस्य राष्ट्रों के अधिकारियों ने ऐसे लाभप्रद संवादों के लिये जमीन तैयार करने में बहुत मेहनत की है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आईपीईएफ प्रारूप को अंतिम रूप दे देगा, जिसके तहत सदस्य राष्ट्र आपसी हितों के विभिन्न मुद्दों पर

बातचीत कर सकेंगे।

लॉस एंजेलिस में मंत्री स्तरीय बैठक से अलग श्री गोयल ने ऑस्ट्रेलिया के व्यापार मंत्री डॉन फैरल, अमेरिका की व्यापार मंत्री जिना रायमॉन्डो, जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्री यासूतोशी निशीमूरा, ब्रिटेन के व्यापार प्रतिनिधि दूत कैथरीन ताए और वियतनाम के उद्योग एवं व्यापार मंत्री एनगुयेन हांग ड्येन से मुलाकात की तथा आपसी हितों के क्षेत्रों पर सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

मीडिया से बातचीत करते हुये गोयल ने अपने अमेरिकी समकक्ष से बैठक के विषय में बताया कि यह बैठक बहुत ही सौहार्दपूर्ण रही। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष अमेरिका और भारत के बीच व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिये सहमत हैं और स्थिति बेहतर होने से उत्साहित हैं।

बाजार तक सुगमता सम्बंधी मुद्दों पर एक प्रश्न के उत्तर में गोयल ने कहा भारत-अमेरिका व्यापार नीति मंच की बैठक जल्द होगी, जिसके दौरान हम अधिक और नये क्षेत्रों में संलग्नता पर गौर करेंगे।

श्री गोयल ने समृद्धि के लिये भारत-प्रशांत आर्थिक प्रारूप की मंत्री स्तरीय बैठक में बताया कि भारत डिजिटल स्पेस में अति समकालीन और आधुनिक कानूनों का समर्थक है तथा यहां डाटा निजता की उच्चस्तरीय सुरक्षा है, खासतौर से हमारे नागरिकों के व्यक्तिगत आंकड़ों की। उन्होंने कहा कि इस भावना के तहत भारत अधिक मजबूत प्रारूप पर काम कर रहा है, जिसे जल्द संसद में पेश किया जायेगा। गोयल ने कहा कि इन चर्चाओं में यह जान कर उन्हें प्रोत्साहन मिला है कि अमेरिकी कंपनियां भारत से लोगों को नियुक्त करने की गतिविधियें को बढ़ाने पर विचार कर रही हैं तथा अपने अनुसंधान व विकास, प्रौद्योगिकी समर्थन प्रणालियों और 'बैक ऑफिस' कार्य को बढ़ाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को नियुक्त करने की उनकी जो योजना है, वह वाकई आश्चर्यजनक है।

यात्रा के पहले चरण में श्री गोयल ने सान फ्रांसिसको में व्यापार एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ कार्यक्रमों में भाग लेने के अलावा भारतीय मूल के प्रौद्योगिकी क्षेत्र के व्यवसायियों के साथ भी मुलाकात की थी।

एसईसी की बैठक में 4615 करोड़ के निवेश प्रस्तावों पर चर्चा

जयपुर। राजस्थान में स्टेट एम्पॉवर्ड कमेटी (एसईसी) की 39वीं बैठक में करीब 4615 करोड़ के निवेश प्रस्तावों पर चर्चा की गई हैं।

राजस्थान एंटरप्राइजेज सिंगल विंडो इनेबलिंग एंड क्लीयरेंस एक्ट, 2011 एवं राजस्थान इनवेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम-2019 के तहत कस्टमाईज्ड पैकेज देने पर विचार करने के लिए मुख्य सचिव उषा शर्मा की अध्यक्षता में आज एसईसी की बैठक में विभिन्न प्रोजेक्ट्स पर चर्चा की गई। इससे राज्य में 4615 करोड़ रुपये के निवेश का मार्ग प्रशस्त होगा।

प्रदेश में अपनी निर्माण इकाई स्थापित करने के लिए सीमेन्ट, टेक्सटाइल, इलेक्ट्रोनिक व्हीकल, बेवरेजेस और टूरिज्म क्षेत्र की सात कम्पनियों ने अपने निवेश प्रस्ताव रखे। समिति द्वारा इन प्रस्तावों को राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2019 के तहत दिये जाने वाले इन्सेन्टिव के अतिरिक्त विशेष निवेश पैकेज देने की अनुशंसा की गई। इन परियोजनाओं से राज्य में 7729 से अधिक नए रोजगार सृजित होने की संभावना है। एसईसी द्वारा अनुशंसित प्रोजेक्ट्स को अंतिम अनुमोदन के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता वाले बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट के समक्ष पेश किया जाएगा।

राज्य में निवेश करने वाली कुछ कंपनियों में हीरो इलेक्ट्रिक व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड, वंडर सीमेंट, वरुण बेवरेज प्राइवेट, एलिसियन होटल्स प्राइवेट लिमिटेड, मनोमय टेक्स इंडिया लिमिटेड, इशिका रिसॉर्ट्स एंड हॉस्पिटैलिटी, संगम टेक्सटाइल्स, आदि शामिल है। इन निवेश से न केवल राज्य में विकास को बढ़ावा मिलेगा बल्कि राज्य में रोजगार भी उत्पन्न होंगे।

उद्योग विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव वीनू गुप्ता ने कहा कि सरकार के विज़न के अनुसार हम निवेश को परेशानी मुक्त बनाने पर कार्य कर रहे हैं। हम विभिन्न उद्योगों में भारी निवेश की संभावनाएं देख रहे हैं, और बीआईपी टीम उन्हें वास्तविकता में बदलने के साथ 'नए राजस्थान' के स्वप्न को साकार करने के लिए समर्पित है।

उन्होंने बताया कि निवेशकों ने राज्य सरकार की योजनाओं पर भरोसा जताया है।

राज्य में निवेश को सुगम बनाने का लक्ष्य है और इस प्रयास का नेतृत्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कर रहे हैं। 39वीं एसईसी बैठक की सिफारिशें राज्य में नए अवसरों और सतत विकास की संभावनाएं प्रस्तुत करती हैं।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान इनवेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम (रिप्स) 2019, राजस्थान इंडस्ट्रियल पॉलिसी-2019, राजस्थान सोलर एनर्जी पॉलिसी-2019 और राजस्थान विंड एंड हाइब्रिड एनर्जी पॉलिसी-2019 जैसी निवेशक-अनुकूल नीतियों और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन से राज्य में निवेश करने पर विचार कर रहे निवेशकों को सकारात्मक संदेश मिला है।

स्ट्रेटेजिक लोकेशन, मैनपॉवर और रिसोर्स की उपलब्धता और अनुकूल नीतियों के चलते राजस्थान में निवेशक अनुकूल वातावरण बना है। वन स्टॉप शॉप एवं रिप्स की सुगम प्रोसेसिंग जैसी राज्य सरकार की पहल ने निवेशकों के विश्वास को और बढ़ा दिया है।

कमिटेड एंड डिलीवर्ड विजन के तहत राज्य अपने इंटरनेशनल इन्वेस्टर कॉन्क्लेव 'इन्वेस्ट राजस्थान-2022' की मेजबानी करने जा रहा है। राज्य सरकार को कॉन्क्लेव के तहत पहले ही 10.44 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। ये नए निवेश राजस्थान में औद्योगीकरण के एक नए युग को बढ़ावा देंगे।

सस्टेनेबिलिटी एजुकेशन पर चौथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

नयी दिल्ली। पर्यावरण के क्षेत्र में सस्टेनेबिलिटी पर कार्यरत गैर-सरकारी संगठन मोबियस फाउंडेशन ने अपनी चौथी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सस्टेनेबिलिटी एजुकेशन (आईसीएसई) का आयोजन किया जहां वक्ताओं ने सम्मेलन के भागीदारों में यूनेस्को, यूएनईपी, सेंटर फॉर एन्वायरनमेंट एजुकेशन (सीईई), फाउंडेशन फॉर एन्वायरनमेंटल एजुकेशन (एफईई, कोपेनहेगन), द क्लाइमेट रिएलिटी प्रोजेक्ट इंडिया, द एनर्जी एंड रिसोर्स इंस्टीट्यूट (टेरी), डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया शामिल थे। यह लगातार तीसरा साल है जबकि आईसीएसई का आयोजन मोबियस फाउंडेशन द्वारा 30 से अधिक संगठनों के सहयोग से सस्टेनेबिलिटी एजुकेशन के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श के लिए किया जाता है इस साल आयोजित सम्मेलन का विषय 'बिल्डिंग कनेक्शंस एंड पार्टनरशिप्स फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर' रखा गया था और इस भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण की बदौलत, कनेक्शंस बनाने तथा भागीदारियों को मजबूती देने के लिए शानदार नेटवर्किंग अवसर प्रदान किए गए। इसमें विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों के साथ ही 300 से अधिक हितधारकों ने भाग लिया। फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा सस्टेनेबिलिटी एजुकेशन पूरी दुनिया को अधिक सस्टेनेबल बनाने के लिए प्रमुख उत्प्रेरक तथा बदलाव के वाहक की भूमिका निभाने की क्षमता रखती है। साथ ही, भागीदारियों के चलते भी हम सस्टेनेबिलिटी एजुकेशन तंत्र को इतना मजबूत बना सकते हैं कि वह हमारे प्रयासों को आगे ले जाने में समर्थ बन सके।

टोयोटा अर्बन क्रूजर हायरायडर के लिए शिखर के चार ग्रेड की कीमतों की घोषणा

एजेंसी

नयी दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने शुक्रवार को अपनी बिल्कुल नयी टोयोटा अर्बन क्रूजर हायरायडर की कीमतों की घोषणा की शुरुआत की।

चरणबद्ध तरीके से घोषित की जाने वाली टोयोटा की नवीनतम पेशकश के चार शिखर के ग्रेड की प्रतिस्पर्धी कीमत 15,11,000 रुपये से 18,99,000 रुपये के बीच है।

बिल्कुल नयी एसयूवी को जुलाई के शुरू में पेश किया गया था और उसी समय बुकिंग की भी घोषणा की गई थी। यह उन्नत प्रौद्योगिकी सुविधाओं के साथ यह ग्राहकों के लिए एक आदर्श विकल्प है।

एक्स-शोरूम कीमत (ग्रेड-वार) का विवरण इस प्रकार है

ग्रेड का नाम
वी ईड्राइव 2डब्ल्यूडी हाइब्रिड रु. 18,99,000
जी ईड्राइव 2डब्ल्यूडी हाइब्रिड रु. 17,49,000
एस ईड्राइव 2डब्ल्यूडी हाइब्रिड रु. 15,11,000
वी एटी 2डब्ल्यूडी नियो ड्राइव रु. 17,09,000

टीकेएम के एसोसिएट वाइस प्रेसीडेंट (बिक्री एवं रणनीतिक विपणन) अतुल सूद ने इस मौके पर कहा, हम अर्बन क्रूजर हायरायडर के लिए इस तरह की जबरदस्त प्रतिक्रिया प्राप्त करके वास्तव में विनम्र और सम्मानित महसूस कर हैं और हम आभारी हैं कि हमारे ग्राहकों ने टोयोटा ब्रांड में अपना विश्वास और भरोसा बनाए रखा है।

आज हमने अर्बन क्रूजर हायरायडर की कीमत चरणबद्ध तरीके से घोषित करने का फैसला किया है। शेष ग्रेड के लिए कीमतों की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी।

श्री सूद ने कहा, हमने अर्बन क्रूजर हायरायडर के लिए एक बहुत ही प्रतिस्पर्धी मूल्य पेश किया है, हमारा उद्देश्य पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों की व्यापक स्वीकृति को प्रोत्साहित करना है, जिससे सकारात्मक प्रभाव पैदा होता है और देश की ऊर्जा सुरक्षा में वृद्धि होती है।

ऑनलाइन बिक्री को आसान बनाने के लिए ई-कॉमर्स टेक्नोलॉजी का प्रदर्शन

नयी दिल्ली। ओएनडीसी के मुख्य बिजनेस अधिकारी शिरीष जोशी ने आज कहा कि वर्तमान समय में ई-कॉमर्स तभी संभव है जब कोई शुरू से लेकर अंत तक की प्रक्रिया को आपस में जोड़ता है और जब खरीदार एवं विक्रेता दोनों एक ही प्लेटफॉर्म पर रजिस्टर होते हैं।

यूनी कॉमर्स द्वारा आयोजित 'सरल' सम्मेलन में 1000 से ज्यादा रिटेलर ब्रांड अपने द्वारा अपनायी जा रही प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किया गया। सरल नाम से आयोजित इस सम्मेललन में ई-कॉमर्स उद्योग की वृद्धि को बढ़ावा देने में टेक्नोलॉजी की भूमिका का जश्न मनाया गया।

ओएनडीसी के चीफ बिजनेस ऑफिसर श्री जोशी कहा हमने ओएनडीसी को एक फ्लेक्सिबल कैपेबिलिटी के तौर पर बनाया है जिसके कई तत्व साथ मिलकर एक-दूसरे से इंटरैक्ट करते हैं। ओएनडीसी के साथ, ई-कॉमर्स एक निश्चित पूर्व-परिभाषित समाधान एक फ्लेक्सिबल सिस्टम में बदल जाएगी, जहां खरीदार और विक्रेता अपनी जरूरत के आधार पर जुड़ सकेंगे।

यूपीआइ का इस्तेमाल कर जिस तरह पेमेंट किए जाते हैं जहां दो पक्ष एक-दूसरे के साथ एक एकीकृत नेटवर्क पर लेकिन अलग-अलग बैंकिंग चैनलों के जरिए लेनदेन करते हैं, ओएनडीसी भी ईकॉमर्स कंपनियों एवं विक्रेताओं को ज्यादा संख्या में खरीदारों तक पहुंचने में सशक्त बनाएगा।

यूनी कॉमर्स हर साल ऑनलाइन बिक्री को आसान बनाने के उद्देश्य से सरल का आयोजन करती है। सरल 2022 में 1000 से ज्यादा रिटेल ब्रांड्स और ई-कॉमर्स कंपनियों ने हिस्सा लिया। इसमें ई-कॉमर्स से संबंधित अलग-अलग उद्योगों, जैसे 3 पीएल कंपनियों, ई-कॉमर्स इनेलबर्स, मार्केट में बेहतरीन परफॉर्मेंस देने वाली कंपनियों, अकाउंटिंग कंपनियों, डब्ल्यूएमएस प्रदाताओं, मार्केट प्लेसेज और रिटेल सलाहकार के क्षेत्र में औद्योगिक दिग्गजों ने हिस्सा लिया। जिन कंपनियों ने पिछले साल एक मजबूत ऑनलाइन मौजूदगी दर्ज कराई थी और एक आशाजनक भविष्य की झलक पेश की, उन्हें भी सम्मानित किया गया।

अंतराष्ट्रीय मुद्राकोष की प्रबंध निदेशक जॉर्जीवा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की मुलाकात

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से यहां राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की।

मुर्मू ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा प्रणाली की स्थिरता बनाए रखने में मुद्राकोष की बड़ी भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने विश्व में विविधताओं को देखते हुए जी20 जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग के लिए समावेश और लचीलेपन के सिद्धांतों पर आधारित प्रयास किए जाने पर बल दिया।

राष्ट्रपति भवन की एक विज्ञप्ति के अनुसार सुश्री जॉर्जीवा का स्वागत करते हुए श्रीमती मुर्मू ने कहा कि दुनिया कोविड महामारी के तीसरे वर्ष से गुजर रही है। उन्होंने मुद्राकोष और विश्व बैंक के कार्यों की सराहना करते

हुए कहा कि इन बहुपक्षीय संस्थानों द्वारा संकट के इस दौर में कई कम आय वाले देशों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की गई है।

बयान के मुताबिक राष्ट्रपति ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा प्रणाली की स्थिरता बनाए रखने में मुद्राकोष को अहम भूमिका निभानी है।

राष्ट्रपति ने मुद्राकोष की प्रबंध निदेशक से कहा, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत का स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र दुनिया में उच्च स्थान पर है।

हमारे देश में स्टार्ट-अप की सफलता, विशेष रूप से यूनिकॉर्न की बढ़ती संख्या, हमारी औद्योगिक प्रगति का एक चमकदार उदाहरण है। इससे भी अधिक खुशी की बात यह है कि हमारे देश का विकास अधिक समावेशी होता जा रहा है और क्षेत्रीय विषमताएं भी कम हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि आज के भारत का मूल मंत्र है करुणा, दलितों के लिए करुणा, जरूरतमंदों के लिए करुणा और हाशिए पर रहने वालों के लिए करुणा। भारत में अगले वर्ष होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन के बारे में मुर्मू ने कहा कि विश्व में विविधता को देखते हुए जी-20 में बहुपक्षीय सहयोग समावेश और लचीलेपन के सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत की अध्यक्षता के दौरान जी-20 फोरम सभी के लिए शांतिपूर्ण, टिकाऊ और समृद्ध विश्व के निर्माण की दिशा में बहुपक्षवाद और वैश्विक शासन को और मजबूत करने के प्रयास करने की आकांक्षा के साथ आगे बढ़ेगा।

गैरकानूनी एप को कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा: सीतारमण

नयी दिल्ली। कोको लोन, जोजो लोन और ऐसे अन्य एप पर आधारित ऋण सेवा देने वाले मंचों की गैरकानूनी गतिविधियों से चिंतित सरकार ने इनके खिलाफ कार्रवाई की एक व्यापक योजना बनाने का फैसला किया है। इसके तहत गड़बड़ी करने वाले ऐप को एपस्टोर से बाहर करने की कार्रवाई की जायेगी।

एप आधारित ऋण कारोबार में गड़बड़ी करने वाले ज्यादातर एप का संपर्क चीन के लोगों से है।

वित्त निर्मला सीतारमण ने ऐसे मंचों की गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए वित्त मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक और इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ यहां उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में उन्होंने इस तरह के गैरकानूनी गतिविधियों को लेकर चिंता व्यक्त की गयी जिनमें खासकर निम्न आय वर्ग के लोगों को अत्यधिक ऊंची दरों पर कर्ज दिये जाते हैं और ग्राहक पर ऐसे खर्च डाल दिये जाते हैं जिनकी जानकारी ग्राहक से छिपाई गयी होती है। बड़ी संख्या में शिकायतें हैं कि ये मंच वसूली में भयादोहन और धौंस पट्टी जैसे गैरकानूनी हथकंडे अपनाते हैं।

वित्त मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार कल हुई इस बैठक वित्त मंत्री ने इस संभावना का भी उल्लेख किया कि इस काम में धनशोधन, कर चोरी, व्यक्तिगत डाटा की निजता का उल्लंघन और इन मंचों का ऐसे दूसरे कामों में दुरुपयोग होने की भी आशंका है।

चर्चा में यह फैसला किया गया कि कानूनी रूप से कारोबार करने वाले ऋण एप की रिजर्व बैंक एक 'स्वच्छ सूची' तैयार करेगा और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय यह सुनिश्चित करेगा कि एप स्टोर पर केवल इस स्वच्छ सूची के एप ही रखे जाएं।

बयान के अनुसार रिजर्व बैंक इन गैरकानूनी ऋण एप के साथ फर्जीवाडे के लिए जोड़े गये खातों की भी निगरानी करेगा और देखेगा कि कहीं उनका उपयोग मनीलॉड्रिंग के लिए नहीं हो रहा है। रिजर्व बैंक की सुप्त गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की समीक्षा भी करेगा और उनका लाइसेंस रद्द करेगा ताकि उनका दुरुपयोग न हो सके। रिजर्व बैंक यह सुनिश्चित करेगा कि कोई गैर पंजीकृत भुगतान एग्रीगेटर प्लेटफार्म परिचालन न कर सके, भुगान एग्रीगेटर के लिए पंजीकृत प्रक्रिया का सुव्यवस्थित और समयबद्ध किया जायेगा।

इसी तरह कारपोरेट मामलों का मंत्रालय खोखा कंपनियों के जरिए गड़बड़ी रोकने के लिए उनकी पहचान और उनके पंजीकरण रद्द करने का काम करेगा। कल हुई इस बैठक में यह भी फैसला किया गया कि ग्राहकों, बैंक कर्मियों, सरकारी प्रवर्तन एजेंसियों और अन्य संधंतित पक्षों को ऑन लाइन प्रणाली से जुड़े जोखिमों के बारे में जागरुक किया जाए।

अमेज़ॅन बिजनेस का 12 से 18 सितंबर तक लघु बिजनेस सप्ताह

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत में परिचालन के पांच वर्ष पूर्ण होने के मौके पर अमेज़ॅन बिजनेस ने भारत में 12 से 18 सितंबर तक अपने छोटे कारोबारी ग्राहकों के लिए सप्ताह भर चलने वाले लघु बिजनेस सप्ताह के शुभारंभ की भी घोषणा की है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में यह घोषणा करते हुये कहा कि इस साल भारत में एमएसएमई को सशक्त बनाने के अपने पांच साल पूरे कर लिए हैं और उन्हें उनके बिजनेस को अधिक कुशलता से चलाने में मदद की। छोटे और मझोले बिजनेस को सशक्त बनाने के पांच साल पूरे होने के मौके पर स्मॉल बिजनेस वीक शॉपिंग इवेंट के दौरान आईटी प्रोडक्ट, ऑफिस सप्लाई व फर्निशिंग, मैंटेनेंस, रिपेयर एवं ऑपरेशन्स प्रोडक्ट, सेफ्टी इक्विपमेंट और अन्य पर ऑफर पेश किए गये हैं।

कंपनी के निदेशक सुचित सुभाष ने कहा, भारत में अपने कारोबार के बीते पांच वर्षों में अपने ग्राहको और एमएसएमई सेलिंग पार्टनरों से मिले समर्थन के लिए हम उनका आभार प्रकट करते हैं। हम बिजनेस ग्राहकों की ओर से इनोवेशन को जारी रखेंगे और उन्हें सशक्त बनाने और उनके बिजनेस को अधिक कुशलता से चलाने के लिए नए प्रोडक्ट पेश करेंगे। हम भारत में अपनी पांचवीं वर्षगांठ मनाने के लिए ग्राहकों और विक्रता साझेदारों के साथ टॉप ब्रांडों की विभिन्न कैटेगरी के प्रोडक्टों की रेंज से चुने गए प्रोडक्टों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई डील्स और ऑफर के साथ जश्न मनाने जा रहे हैं।

सीतारमण करेंगी माइंडमाइन शिखर सम्मेलन का उद्घाटन

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण दो दिवसीय माइंडमाइन शिखर सम्मेलन का 13 सितंबर को यहां शुभारंभ करेंगी। यह माइंडमाइन इंस्टिट्यूट का प्रमुख आयोजन है जो हीरो एंटरप्राइज द्वारा प्रवर्तित है। 13 और 14 सितंबर, 2022 को हो रहे इस सम्मेलन का विषय वस्तु पोस्ट पैंडेमिक- रिपर्पजिंग इंडिया!'' रखा गया है। इसको संबोधित करने वालों में केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. अनंत नागेश्वरन और 'द कश्मीर फाइल्स' के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री शामिल हैं।

शार्ट न्यूज

माइकल और निर्मल की शानदार तिकड़ी, रेंजर्स और गढ़वाल जीते

नयी दिल्ली। रेंजर्स फुटबाल क्लब ने तीन गोलों से पिछड़ने के बाद लकी माइकल की शानदार तिकड़ी की मदद से तरुण संघा को 4-3 से हरा कर प्रीमियर लीग में न सिर्फ पूरे अंक पाए बल्कि खूब वाह-वाह भी लूटी। तरुण संघा ने मैच में बड़ी बढ़त बनाने के बाद जैसे आत्महत्या की। गोलकीपर तनमोय ने कई गलत अनुमान लगाए जो उनकी टीम पर भारी पड़ा। आशीष के दो और श्याम के एक गोल पर रेंजर्स के स्टार स्ट्राइकर नाइजीरियन माइकल लकी की बेहतरीन तिकड़ी भारी पड़ी, जबकि एक गोल अमित ने किया। दिन के दूसरे मुक़ाबले में गढ़वाल एफसी ने निर्मल सिंह बिष्ट की उत्कृष्ट तिकड़ी से भारतीय वायुसेना को फुटबॉल का पाठ पढ़ाया। वायुसेना और गढ़वाल के बीच पुनर्निर्धारित मुकाबले में विजेता टीम हावी रही। वायुसैनिक मैदान में बस सैर सपाटा करते नजर आए। निर्मल के तीन गोलों ने पराजित टीम को उबरने का मौका नहीं दिया। सात मैच हारकर वायुसेना नॉकआउट मैचों की दौड़ से पूरी तरह बाहर हो गई है, जबकि गढ़वाल ने 26 अंकों से वापसी की उम्मीद जगाई है।

केरल को धकेल कर सर्विसेज ने अंतिम आठ में बनायी जगह

लखनऊ। पिछली चैंपियन सर्विसेज ने 51वीं राष्ट्रीय सीनियर पुरुष हैंडबॉल चैंपियनशिप के तीसरे दिन शुक्रवार को केरल को एक तरफा मुकाबले में 24-11 से शिकस्त देकर क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह सुरक्षित की। मेजबान उत्तर प्रदेश ने अपने अंतिम लीग मैच में उत्तराखंड को 28-9 से रौंद कर प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर शनिवार को प्री क्वार्टरफाइनल में मेजबान टीम को अंतिम आठ में जगह बनाने के लिये दिल्ली की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। यूपी के अलावा लीग मुकाबलों में बिहार, पंजाब, रेलवे, हरियाणा, चंडीगढ़ और राजस्थान ने अपने-अपने पूल में शीर्ष पर रहते हुए प्री क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। आज मैच में यूपी के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल से मैच में अपनी मजबूत पकड़ बना ली, जिसके चलते दबाव में आयी उत्तराखंड की टीम अंत तक उबर नहीं सकी। इस मैच में मेजबान ने मध्यांतर तक 12-1 से बढ़त हासिल कर ली। इसके अलावा लीग दौर में शानदार प्रदर्शन से पूल ए में शीर्ष पर रही सर्विसेज के खिलाड़ियों ने तेजतर्रार खेल दिखाया और जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी। सर्विसेज की ओर से मोहित और कैलाश ने दमदार खेल दिखाते हुए सर्वाधिक 6-6 गोल दागे।

30 घंटे में लेह से मनाली का सफर तय करेंगे आदिल

श्रीनगर। गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में अपना नाम दर्ज करा चुके साइक्लिस्ट आदिल तेली लेह से मनाली तक की दूरी मात्र 30 घंटे में नापने के लिये कमर कस चुके हैं। मध्य कश्मीर में बडगाम जिले के निवासी आदिल इससे पहले कश्मीर से कन्याकुमारी तक 3600 किमी का सफर आठ दिनो में तय कर गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में अपना नाम दर्ज करा चुके हैं। लेह से मनाली तक की दूरी का विश्व रिकार्ड 35 घंटे का है जिसे आदिल 30 घंटे में पूरा कर नया इतिहास रचने का लक्ष्य बना चुके हैं। श्रीनगर के पर्यटन स्वागत केन्द्र में जम्मू कश्मीर के पर्यटन सचिव सरमाद हफीज ने शुक्रवार को हरी झंडी दिखा कर आदिल को रवाना किया। युवा साइक्लिस्ट ने कहा, गिनीज रिकार्ड में इतिहास रचने का यह मेरा दूसरा प्रयास होगा जिसमें लेह से मनाली तक 475 किलोमीटर की दूरी तय करनी होगी। यह ऊबड़-खाबड़ इलाका है जिसे पार करना रोमांच से भरा होगा। रास्ते में मुश्किल चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है लेकिन मैं इन चुनौतियों का सामना कर इतिहास रचने को तैयार हूं।

पेरिस ओलंपिक के लिए नई मुक्केबाजी योग्यता प्रणाली को मिली मंजूरी

लुसाने। पेरिस में 2024 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिये नई बाक्सिंग योग्यता प्रणाली को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने मंजूरी प्रदान कर दी है। आईओसी ने यहां जारी बयान में कहा, इसी साल जून में फैसला लिया गया था कि पेरिस 2024 के लिए मुक्केबाजी क्वालीफाइंग प्रतिस्पर्धा और प्रतियोगिताओं को अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) के अधिकार के तहत संचालित नहीं किया जायेगा। इस सिलसिले में एक योग्यता मॉडल को लुसाने में एक बैठक में मंजूरी दी गयी। बाक्सिंग विशेषज्ञों के सहयोग से तैयार की गयी नयी योग्यता प्रणाली चुनिंदा प्रतियोगिताओं के जरिये सीधे क्वालीफिकेशन पर आधारित है, और राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (एनओसी) के क्षेत्रीय आयोजन ओलंपिक क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के रूप में काम करेंगे। इस प्रणाली के लागू होने के बाद सैंटियागो पैन-अमेरिकन गेम्स 2023, क्राको यूरोपीय खेल 2023, होनियारा प्रशांत खेल 2023, हांग्जोउ एशियाई खेल 2023 और अनोका (अफ्रीका) मल्टीस्पोर्ट इवेंट के आयोजन की जिम्मेदारी आईबीए की नहीं होगी और आईओसी आयोजकों के साथ मिलकर वैकल्पिक व्यवस्था करेगी।

मालदीव के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनायें लड़कियां : छेत्री

काठमांडू। सैफ महिला चैंपियनशिप के पहले मैच में पाकिस्तान को 3-0 से हराने के बाद उत्साह से लबरेज भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच सुरेन छेत्री ने टीम को दस सितंबर को अपने दूसरे मैच में मालदीव के खिलाफ और अधिक आक्रामक रवैया अपनाने को कहा है। छेत्री ने विश्वास जताया कि उनकी टीम को कुछ क्षेत्रों में और अधिक कड़ी मेहनत करने की जरूरत है, जिसे वे बखूबी अंजाम दे रही हैं। उन्होंने कहा, पाकिस्तान के खिलाफ मैच में हमने विरोधी टीम को उबरने का मौका नहीं दिया लेकिन अभी भी टीम के सदस्यों को अपने प्रदर्शन में काफी कुछ सुधार करने की गुंजाइश है। हमें तेज और सटीक पास देने और फील्ड गोल करने की दिशा में काम करने की जरूरत है। अभ्यास सत्र में लड़कियों ने इन्हीं कमियों में सुधार के लिये कड़ी मेहनत की है जिसके नतीजे हमने पाकिस्तान के खिलाफ मैच जीत कर दिये हैं। छेत्री ने कहा कि मैच के दौरान अधिकतर समय फुटबाल को अपने कब्जे में रखना बेहद महत्वपूर्ण होता है। लड़कियों को मैदान पर और अधिक आक्रमकता दिखाने की जरूरत है। मालदीव आक्रामक खेल नहीं खेलता मगर उनकी रक्षा पंक्ति को भेदना मुश्किल भरा होता है। भारतीय टीम सैफ महिला चैंपियनशिप के पिछले आयोजन की विजेता है। ब्लू टिग्रेस शनिवार को दशरथ स्टेडियम में मालदीव से भिड़ेंगी।

आसिफ, फरीद पर आईसीसी ने लगाया जुर्माना

दुबई। पाकिस्तान के बल्लेबाज आसिफ अली और अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज फरीद अहमद पर अन्तरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आचार संहिता के लेवल-एक के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बुधवार को खेले गये एशिया कप मैच में दोनों के बीच झड़प हो गयी थी। फरीद ने दूसरी पारी के 19वें ओवर में आसिफ को आउट करने के बाद उनके बहुद करीब जाकर विकेट लेने की खुशी जाहिर की। जवाब में आसिफ ने फरीद को धक्का दिया जिसके बाद अन्य खिलाड़ियों ने बीच-बचाव कराया। आईसीसी ने एक बयान में कहा, आसिफ ने खिलाड़ियों और खिलाड़ी समर्थन कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.6 का उल्लंघन किया, जो अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान अश्लील, आक्रामक या अपमानजनक इशारे का उपयोग करने से संबंधित है, जबकि फरीद ने अनुच्छेद 2.1.12 का उल्लंघन किया था, जो कि एक अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान एक खिलाड़ी, खिलाड़ी समर्थन कर्मी, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति (एक दर्शक सहित) के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी गलती कबूल कर ली है और मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित प्रतिबंधों को स्वीकार कर लिया।

कोहली की विराट पारी के पाकिस्तानी खिलाड़ी भी हुये मुरीद

दुबई। एशिया कप के सुपर-4 मैच में विराट कोहली के 1020 दिनों के बाद शतक बनाने पर न सिर्फ भारतीय प्रशंसकों ने, बल्कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने भी उनके फॉर्म में लौटने की प्रशंसा की है।

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हसन अली और मोहम्मद आमिर ने ट्विटर पर कोहली को टी20 अंतरराष्ट्रीय में पहले और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 71वें शतक के लिए बधाई दी है।

हसन ने ट्वीट किया, महान क्रिकेटर विराट कोहली फिर से लौट आये हैं।

आमिर ने बधाई देते हुए कहा, आखिरकार इंतजार खत्म हुआ। किंग कोहली का शानदार शतक। 1020 दिन के अंतराल के बाद आये इस शतक से पहले कोहली खराब फॉर्म से जूझ रहे थे और और कुछ क्रिकेट विशेषज्ञों ने भारत की टी20 टीम में उनकी जगह पर सवाल उठाने शुरू कर दिये थे।

वर्ष 1983 के विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने यहां तक कहा कि अगर रविचंद्रन अश्विन जैसा गेंदबाज टीम से बाहर हो सकता है, तो कोहली को भी उनके खराब फॉर्म के कारण टीम से बाहर कर दिया जाना चाहिए।

पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर एवं बल्लेबाज कामरान अकमल ने ट्वीट किया, फॉर्म अस्थायी है, क्लास स्थायी है। कोहली को खेलते हुए देखना हमेशा अच्छा लगता है। आप लाजवाब हैं, आप क्रिकेट के असली बादशाह हैं।

पाकिस्तान के हरफनमौला इमाद वसीम ने कोहली को विश्व का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बताते हुए कहा, विश्व का सबसे अच्छा खिलाड़ी फिर से रंगत में लौट आया है, विराट कोहली सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ हैं।

कोहली ने गुरुवार को अपने पहले टी20 शतक का श्रेय पत्नी अनुष्का शर्मा और बेटी वामिका को दिया।

कोहली का यह शतक खास था क्योंकि यह तीन साल के अंतराल के बाद उनके बल्ले से निकला। कोहली ने 6 गेंदों पर 122 रन की पारी में 12 चौके और छह छक्के लगाये, जिसकी बदौलत भारत ने अफगानिस्तान के लिए 213 रनों का विशाल लक्ष्य दिया और 101 से मैच जीता। भुवनेश्वर कुमार ने भी पिछले दो मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद इस मैच में चार रन के बदले पांच विकेट लेकर अफगानिस्तान को पीछे धकेल दिया। कोहली ने कहा कि पिछले ढाई साल में वक्त ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया जिससे उन्होंने बहुत सी चीजों को परिप्रेक्ष्य में रखा। कोहली ने चीजों को परिप्रेक्ष्य में रखने का श्रेय अनुष्का शर्मा को दिया। उन्होंने कहा कि वह थोड़ा चौंक गए क्योंकि उन्हें टी20 मैच में शतक बनाने की उम्मीद बहुत कम थी।

कोहली का यह 71वां अंतरराष्ट्रीय शतक है, जिससे उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग के रिकॉर्ड की बराबरी की। पूर्व कप्तान ने हालांकि पोंटिंग की तुलना में कम पारियां खेल कर यह मील का पत्थर हासिल किया है। अब कोहली शतकों के मामले में सिर्फ मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर (100) से पीछे हैं।

टी-20 विश्वकप में हेडन होंगे पाकिस्तान टीम के मेंटर

एजेंसी

लाहौर। आस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज मैथ्यू हेडन आईसीसी टी-20 विश्वकप में लगातार दूसरी बार पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मेंटर की भूमिका निभायेंगे।

हेडन इससे पहले 2021 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हुए टी20 विश्व कप में भी पाकिस्तान के मेंटर की भूमिका निभा चुके हैं, जहां पाक टीम ने सेमीफाइनल तक का सफर किया था।

पाकिस्तानी क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा, टीम में हेडन को मेंटर के तौर पर बरकरार रखने का फैसला किया गया है। उन्होंने आईसीसी टी-20 विश्वकप 2021 में भारत, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, स्काटलैंड और नामीबिया के खिलाफ जीत अर्जित करके पाकिस्तान को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में प्रभावी भूमिका अदा की थी।

हेडन 15 अक्टूबर को ब्रिसबेन में पाकिस्तानी टीम से जुड़ेंगे। इसी दिन पाक टीम क्राइस्टचर्च से बांग्लादेश और मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज खेल कर ब्रिसबेन पहुंचेगी।

हेडन ने कहा आस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप टूर्नामेंट में पाकिस्तानी स्कावड में दोबारा नियुक्त होने को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं। फिर से संस्कृति में शामिल होने और एक राष्ट्र, एक जुनून की भावना को महसूस करने का इंतजार नहीं कर सकता।

मैंने टी-20 एशिया कप में पाकिस्तानी टीम के लाजवाब प्रदर्शन को देखा कि किस तरह से टीम ने रविवार को भारत पर शानदार जीत हासिल की।

उन्होंने कहा मुझे लगता है कि पाकिस्तान टीम ऑस्ट्रेलिया में अपना बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखेगी। गेंद और बल्ले से आस्ट्रेलिया की परिस्थितियां वास्तव में टीम के अनुकूल होंगी। मुझे यकीन है कि टीम पिछले साल यूएई में किये गये प्रदर्शन को बरकारार रखेगी।

विश्वकप से पहले बाबर आजम की टीम इंग्लैंड और आफगानिस्तान के खिलाफ दो वार्म अप मैच खेलेगी।

फुटबाल खेल के विकास के लिये प्लेटफार्म लॉन्च

कोलकाता। भारत में फुटबाल की सर्वोच्च नियामक संस्था अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने खेल के चौमुखी विकास की खातिर सुझाव और रचनात्मक आलोचना आमंत्रित करते हुए एक डिजीटल प्लेटफार्म लॉन्च किया है। महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने गुरुवार को पत्रकारों से कहा, हम फुटबाल की तरक्की चाहते हैं और इसके लिये हम मीडिया सहित सभी हितधारकों से अपनी कमियां जानने को आतुर हैं। हमने इसके लिये सजेशन एट द-एआईएफएफ डॉट काम' वेबसाइट बनायी है जिसमें जाकर लोग अपने सुझाव और शिकायतें हमें भेज सकते हैं। भारतीय टीम के पूर्व गोलकीपर ने कहा कि लॉन्च किये गये प्लेटफार्म में मिलने वाली शिकायतें और सुझाव अगर तर्कसंगत हुए तो उन पर गंभीरता से विचार कर त्वरित निर्णय लिया जायेगा। चौबे ने कहा कि एआईएफएफ के लिये पिछले 19 महीने बेहद कठिन रहे हैं। इस दौरान फेडरेशन ने मुकदमों में करीब तीन करोड़ रुपये खर्च किये जबकि 19 लाख रुपये ज्योतिषविदों को दिये गये।

आईओसी ने भारत को निलंबन की 'आखिरी चेतावनी' दी

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के कार्यकारी बोर्ड (ईबी) ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को ओलंपिक चार्टर के अनुसार जल्द से जल्द अपने चतुष्कोणीय चुनाव कराने की अंतिम चेतावनी जारी की।

ईबी ने गुरुवार को कहा कि यदि भारत चुनाव कराने में विफल रहता है तो उसे निलंबित कर दिया जाएगा।

बोर्ड ने मई 2023 में मुंबई में होने वाले आईओसी सत्र को सितंबर या अक्टूबर 2023 तक स्थगित करने का भी फैसला किया। आईओसी ने कहा कि ईबी दिसंबर 2022 में भारतीय ओलंपिक संघ से संबंधित अपनी अगली बैठक के दौरान लिये जाने वाले निर्णयों के आधार पर तय करेगा कि 2023 में आईओसी सत्र भारत में हो या स्थानांतरित किया जाए।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने आईओए प्रमुख नरिंदर बत्रा की हॉकी इंडिया में आजीवन सदस्यता को समाप्त किया था जिसके बाद उनकी आईओए अध्यक्षता भी समाप्त हो गयी थी। न्यायालय ने बत्रा की जगह अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के पूर्व प्रमुख अनिल खन्ना को आईओए का कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने पिछले महीने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के मामलों को संभालने और चुनाव कराने के लिए तीन सदस्यीय प्रशासकों की समिति (सीओए) नियुक्त की थी। आईओसी ने सीओए पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, ईबी को आईओए के भीतर आवर्तक आंतरिक विवादों और शासकीय मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए एक रिपोर्ट प्राप्त हुई। इन विवादों के कारण आईओए चतुष्कोणीय चुनावों के आयोजन में देरी हुई है जो दिसंबर 2021 में होने चाहिए थे। इससे देश में खेलों का निरंतर विकास भी प्रभावित हुआ है। उल्लेखनीय है कि इसी तरह के कारणों से आईओसी द्वारा भारतीय ओलंपिक संघ को 2012 और 2014 के बीच निलंबित कर दिया गया था।

आईओसी ने कहा कि वह इन आंतरिक विवादों और शासकीय समस्याओं को ध्यान में रखते हुए भारतीय ओलंपिक संघ को आखिरी चेतावनी देता है, और यदि दिसंबर 2022 में होने वाली ईबी की बैठक तक इन्हें नहीं सुलझाया गया तो भारत को निलंबित कर दिया जाएगा। किसी भी देश के राष्ट्रीय ओलंपिक परिषद (एनओसी) के निलंबन का अर्थ है कि उस देश के एथलीट राष्ट्रध्वज/राष्ट्र के नाम के साथ ओलंपिक खेलों और अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में हिस्सा नहीं ले सकते।

इसके अलावा एनओसी को निलंबन हटने से पहले ओलंपिक मूवमेंट से किसी तरह की आर्थिक सहायता भी नहीं दी जाती है।

नियमों से ऊपर होंगे ब्रिटेन के नए राजा प्रिंस चार्ल्स, बिना पासपोर्ट कहीं भी दौरा, बिना लाइसेंस चलाएंगे गाड़ी

लंदन। ब्रिटेन में आधिकारिक हलकों में महारानी के निधन को ऑपरेशन लंदन ब्रिज के नाम से जाना जाता है। यह एक तरह का प्रोटोकॉल है, जिसे बकिंघम पैलेस के गुरुवार को 96 वर्षीय महारानी के निधन की घोषणा के बाद लागू किया गया। इसके साथ ही ऑपरेशन स्प्रिंग टाइड भी लागू हुआ, जिसके तहत महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के बेटे और उत्तराधिकारी प्रिंस चार्ल्स को 73 साल की उम्र में महाराज चार्ल्स तृतीय के रूप में देश की राजगद्दी पर विराजमान हुए।

एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के बाद उनके बेट वहां के राजा बनेंगे। ब्रिटेन के नए राजा बिना पासपोर्ट के यात्रा करेंगे और बिना लाइसेंस के गाड़ी चलाएंगे। साथ ही वे साल में दो बार अपना जन्मदिन मनाने की परंपरा जारी रख सकते हैं।

कोई लाइसेंस या पासपोर्ट नहीं

किंग चार्ल्स 3 बिना पासपोर्ट के विदेश यात्रा करेंगे। उन्हें अपने नाम पर जारी किए गए किसी दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी। इसके अलावा ब्रिटेन में राजा ही एकमात्र व्यक्ति होंगे जो बिना लाइसेंस के गाड़ी चला सकते हैं।

दो जन्मदिन

चार्ल्स की मां क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय के दो जन्मदिन थे। उनका वास्तविक जन्मदिन 21 अप्रैल को था, जो निजी तौर पर आयोजित किया जाता था। जून में दूसरे मंगलवार को एक आधिकारिक सार्वजनिक उत्सव मनाया जाता था। चार्ल्स का जन्मदिन 14 नवंबर को सर्दियों की शुरुआत में है। इसलिए संभावना है कि गर्मी के महीने में उनका भी आधिकारिक जन्मदिन होगा।

सार्वजनिक उत्सव

आपको बता दें कि सार्वजनिक उत्सव के तौर पर द ट्रूपिंग द कलर 250 से अधिक वर्षों से मनाया जाता है। इस दौरान 1,400 से अधिक सैनिक, 200 घोड़े और 400 संगीतकार प्रदर्शन करते हैं।

रॉयल एयर फोर्स फ्लाई पास्ट के साथ कार्यवाही समाप्त करती है। शाही परिवार के सदस्य मध्य लंदन में बकिंघम पैलेस की बालकनी से इसका आनंद उठाते हैं।

मतदान नहीं करेंगे

ब्रिटिश सम्राट वोट नहीं देंगे। वह ना ही चुनाव के लिए उम्मीदवार बन सकते हैं। राज्य के प्रमुख के रूप में उन्हें राजनीतिक मामलों में सख्ती से तटस्थ रहना होगा। वे संसदीय सत्रों के औपचारिक उद्घाटन में शामिल होते हैं। संसद से बने कानून को मंजूरी देते हैं। साथ ही ब्रिटिश प्रधानमंत्री के साथ साप्ताहिक बैठकें करते हैं।

हंस, डॉल्फ़िन और स्टर्जन

ब्रिटिश सम्राट सिर्फ लोगों पर शासन नहीं करता है। 12वीं शताब्दी के बाद से इंग्लैंड और वेल्स में खुले पानी में तैरते मूक हंसों को सम्राट की संपत्ति माना जाता है। हर साल टेम्स नदी पर शाही अधिकारों का प्रयोग किया जाता है। यहां हंसों को गिनने की परंपरा है। शाही विशेषाधिकार ब्रिटिश जल में स्टर्जन, डॉल्फ़िन और व्हेल पर भी लागू होता है।

न्यूजीलैंड जून 2023 में संप्रभु दिवस को पुनर्निर्धारित नहीं करेगा

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मृत्यु के बाद जून से ब्रिटिश संप्रभु का जन्मदिन मनाने के अगले साल के दिन को नहीं बदलेगा। गवर्नर-जनरल के कार्यालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पूर्व उपनिवेश में ब्रिटिश राजशाही के प्रतिनिधि सिंडी किरो के कार्यालय ने कहा, जून में इस छुट्टी सप्ताहांत का समय वही रहता है, लेकिन इसे किंग्स बर्थडे वीकेंड के रूप में जाना जाएगा। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का जन्म 21 अप्रैल, 1926 को हुआ था। इसके बावजूद न्यूजीलैंड में ब्रिटिश सम्राट का जन्मदिन जून के पहले सोमवार को मनाया जाता है। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मृत्यु के बाद उनके सबसे बड़े बेटे चार्ल्स ब्रिटेन के राजा बने। उन्हें चार्ल्स तृतीय के रूप में जाना जाएगा।

परमाणु हथियार बनाने की जिद पर अड़ा तानाशाह, न्यूक्लियर पॉलिसी नहीं बदलेगा नॉर्थ कोरिया

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम में किसी भी तरह के बदलाव से इनकार किया है। तानाशाह किम जोंग-उन ने कहा कि उनके देश की परमाणु स्थिति अब अपरिवर्तनीय है। सेना को अपने विवेक के आधार पर देश की रक्षा के लिए परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की अनुमति है। सरकारी मीडिया ने बताया कि उत्तर कोरिया ने एक कानून पारित किया है जिसमें रक्षा के लिए परमाणु हमला करने का अधिकार दिया गया है।

किम ने कहा कि यह कानून परमाणु निरस्त्रीकरण को लेकर किसी भी तरह की बातचीत को प्रतिबंधित करता है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब पर्यवेक्षकों का कहना है कि उत्तर कोरिया 2017 के बाद पहली बार परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में वैश्विक सुरक्षा को लेकर चिंता और भी बढ़ जाती है।

किम से बातचीत का नहीं हुआ फायदा

साल 2018 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व अन्य नेताओं ने किम के साथ ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन किया था। हालांकि, इसके बाद भी किम को परमाणु हथियारों के कार्यक्रमों को विकसित करने से मना करने में विफलता नहीं मिली। उत्तर कोरिया सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए ने शुक्रवार को नए कानून के बारे रिपोर्ट छापी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर कोरिया की संसद सुप्रीम पीपुल्स असेंबली ने गुरुवार को वर्ष 2013 के कानून का संशोधन विधेयक पारित करके परमाणु हथियारों से संबंधित नया कानून बनाया गया। किम ने संसद में भाषण में कहा, परमाणु हथियार नीति को कानून बनाने का अत्यधिक महत्व एक अपरिवर्तनीय रेखा खींचना है ताकि हमारे परमाणु हथियारों पर 100 साल का प्रतिबंध भी लगता है तो हम अपना कार्यक्रम बंद नहीं करेंगे।

युगांडा में तेज बारिश के कारण बाढ़ की चेतावनी जारी

कम्पाला। युगांडा ने भारी बारिश के मद्देनजर बाढ़ की चेतावनी जारी करते हुए कहा कि बारिश और बाढ़ से देश के कुछ हिस्से प्रभावित हो सकते है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि इस महीने से अगले महीने की शुरुआत तक बीच बीच में तेज या मूसलाधार बारिश हो सकती है। जिसके कारण बाढ़, भूस्खलन और महामारी का प्रकोप बढ़ सकता है। पीएमओ ने बयान में कहा गया है कि पूर्वी, पश्चिमी और उत्तरी क्षेत्रों के कुछ इसाकों में सामान्य और इससे ज्यादा बारिश हो सकती है, जिससे जलजनित बीमारियां जैसे टाइफाईड, हैजा, पेचिश और मलेरिया आदि बढ़ सकती है। सरकार ने भूस्खलन की आशंका वाले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। यह चेतावनी ऐसे समय में दी गयी है जब देश के पश्चिमी और पूर्वी हिस्से खतरनाक भूस्खलन की चपेट में हैं। मंगलवार को पश्चिमी युगांडा के कासेसे जिले में भारी बारिश के कारण भूस्खलन होने से 16 लोगों की मौत हो गई और 1,100 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए।

एलिज़ाबेथ के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे बाइडेन

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ब्रिटेन की महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे। एनबीसी न्यूज ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। गौरतलब है कि महारानी का गुरुवार को स्कॉलैंड स्थित बाल्मोरल महल में निधन हो गया। बाइडेन ने एक बयान में कहा कि रानी बेजोड़ गरिमा वाली राजनेता थीं। उन्होंने यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) और संयुक्त राष्ट्र के बीच संबंधों को मज़बूत किया। बाइडेन ने जोर देकर यह भी कहा, वह एक महारानी से अधिक थीं। उन्होंने एक युग को परिभाषित किया। आने वाले वर्षों में, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका ब्रिटेन के सम्राट के साथ घनिष्ठ मित्रता जारी रखने की आशा करता है। शाही परिवार ने गुरुवार को एक बयान जारी करते हुए कहा कि एलिज़ाबेथ द्वितीय का स्कॉटलैंड के बाल्मोरल महल में 96 वर्ष की आयु में शांतिपूर्वक निधन हो गया। जिस समय रानी की मृत्यु हुई, सिंहासन तुरंत उनके सबसे बड़े बेटे प्रिंस चार्ल्स के पास चला गया।

चीन में भूकंप से मरने वालों की संख्या 88 हुई

चेंगदू। दक्षिण पश्चिम चीन में सिचुआन प्रांत के लुडिंग काउंटी में सोमवार को आए भूकंप के तेज झटकों के बाद अभी तक 88 लोगों की मौत हो गई है और अन्य 30 लापता हैं। स्थानीय अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राहत एवं बचाव अभियान के मुख्यालय ने कहा कि देश के सिचुआन प्रांत के लुडिंग काउंटी में सोमवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.8 मापी गयी। भूकंप के झटकों के बाद से आज तक गंजी तिब्बती स्वायत्त प्रांत के लुडिंग काउंटी में 50 लोगों की मौत हो गयी है। जबकि आज अपराह्न तक शिमियन काउंटी के यान शहर में 38 लोगों की मौत हो गयी है। मुख्यालय ने बताया कि 30 लोग अभी भी लापता हैं और 400 से अधिक घायल हुए हैं, जिनमें 11 लोगों की हालत बेहद नाजुक और 38 की गंभीर है।

इजराइल का ड्रोन लेबनान के पास समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त

तेल अवीव। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने शुक्रवार को कहा कि उसका मानव रहित विमान ड्रोन (यूएवी) तकनीकी खराबी के कारण लेबनान समुद्री सीमा के पास भूमध्य सागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। आईडीएफ ने ट्विटर पर लिखा कि उनका ड्रोन तकनीकी खराबी के कारण देश की उत्तरी समुद्री सीमा के निकट समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। आईडीएफ के जवानों ने समुद्र से ड्रोन को बरामद कर लिया है और घटना की समीक्षा की जा रही है। आईडीएफ के अनुसार इस तरह के सभी ड्रोन के जांच की जाएगी। ड्रोन लेबनान और इजरायल की विवादित समुद्री सीमा के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। वर्ष 2020 से इजरायल और लेबनान सीमांकन करने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ- सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले सिंचाई क्षेत्रों में देखने को मिला है. अधिक सिंचाई करने से मिट्टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

रबी फसलों को पिलाएं
संतुलित जल

किसानों की यह आमधारणा है कि जितनी अधिक सिंचाई की जायेगी, उतनी ही ज्यादा उपज मिलेगी, किंतु वास्तविकता यह नहीं है. पानी उतना ही लाभदायक है, जितना पौधों की जरूरत है. बाकी जल तो अधिक गहराई तक पौधों की जड़ों की पहुंच से दूर नीचे रिस जाता है और कुछ भाप बनकर उड़ जाता है। रबी की फसलों में सिंचाई का दो तिहाई पानी कच्ची नालियों से रिसकर अन्यथा बहकर नष्ट हो जाता है केवल एक तिहाई भाग पानी ही पौधों को प्राप्त होता है। अतः अगर सिंचाई समयानुसार की जाय तो न केवल सी मिल जल का अच्छा उपयोग होगा, बल्कि ज्यादा क्षेत्रमें भी किसान सिंचाई करके अपने खेत की औसत उपज बढ़ा सकते हैं।

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ- सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले सिंचाई क्षेत्रों में देखने को मिला है. अधिक सिंचाई करने से मिट्टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

- पौधे पीले पड़ने लगते हैं।
- पौधे की बढ़वार रुक जाती है
- भूमि में क्षार बढ़ने से ऊसर होने की संभावना है।
- अधिक नमी होने के कारण भूमि में पौधों की जड़ों का क्षेत्र घट जाता है जिससे पौधों को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वन हीं मिल पाते हैं।

रबी फसलों में महत्वपूर्ण सिंचाई की अवस्थाएं

- **गेहूं** रबी फसलों में गेहूं को ही सबसे अधिक सिंचाई से फायदा होता है देशी उन्नत जातियाँ या गेहूं की ऊंची किस्मों की जल की आवश्यकता 25 से 30 से.मी. है। इन जातियों में जल उपयोग की दृष्टि से तीन अवस्थाएं होती हैं जो क्रमशः कल्ले निकलने की अवस्था (बुआई के 30 दिन बाद), पुष्पावस्था (बुआई के 50 से 55 दिन बाद) और दूधिया अवस्था बुआई के 95 दिन बाद)इन अवस्थाओं में सिंचाई करने से निश्चित उपज में वृद्धि होती है। प्रत्येक सिंचाई में 8 से.मी. जल देना आवश्यक है।

बौने गेहूं की किस्मों को प्रारंभिक अवस्था से ही पानी की अधिक आवश्यकता होती है- क्राउन रुट (शिखर या शीर्ष जड़ें) और शीर्ष जड़े और 'झखड़ा जड़ें' निकलते समय।

बुआई के 15-16 दिन तक पौधा बीज में सुरक्षित भोजन पर जीवित रहता है और अपनी खुराक लेता रहता है। लेकिन इसके बाद बीज का संचित भोजन समाप्त होने लगता है और तब वह धीरे-धीरे भूमि से खुराक खींचना शुरू कर देता है। ये जड़ें लगभग एक से.मी. की गहराई पर निकलती हैं। जिस समय ये जड़ें निकलती हैं, उस समय भूमि की सतह नम होनी चाहिए. ऐसे में बुआई के 20-21 दिन बाद खेत में हल्की सिंचाई करना अत्यंत आवश्यक होता है। किसानों को यह बात भली-भांति समझना चाहिए कि शिखर जड़ों से पौधों में कल्लों का विकास होता है, जिससे पौधों में बालियां ज्यादा आती हैं और फलस्वरूप उपज अधिक मिलती है। झखड़ा जड़ें पौधों को प्रारंभिक आधार देती हैं।

अतः बुआई के समय हर हालत में खेत में काफी नमी होनी चाहिए. बौनी गेहूं की किस्मों के खेत में पलेवा देकर खेत की तैयारी करने से अच्छा अंकुरण होता है। इन जातियों को 40 से 50 से.मी. जल की कुल आवश्यकता होती है और प्रति सिंचाई 6 से 7 से.मी. जल देना जरूरी है।

अगर दो सिंचाई की सुविधा है तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद प्रारंभिक जड़ें निकलने के समय करें दूसरी सिंचाई फूल आने के समय। यदि तीन सिंचाई करना संभव हो तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी पौधों में गाँठ बनते समय (बुआई के 60-65 दिन बाद) और तीसरी सिंचाई पौधों में फूल आने के बाद करनी चाहिए। जहां चार सिंचाईयों की सुविधा हो वहाँ पहली सिंचाई बुआई के 21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी बुआई के 40-45 दिन बाद (पौधों में कल्ले निकलने के बाद) तीसरी बुआई के 60-65 दिन बाद (पौधों में गाँठ बनते समय) और चौथी सिंचाई फूल आते समय करें. चौथी और पाँचवी सिंचाई विशेष लाभप्रद सिद्ध नहीं होती है। इनको उसी समय करना चाहिए जब मिट्टी में पानी की संचय शक्ति कम हो। बलुई या बलुई दोमट मिट्टी में इस सिंचाई की जरूरत होती है। पांचवी सिंचाई उस समय करें जब दानों में दूध पड़ जाये। यदि वायुमंडल का तापमान तेजी से बढ़ रहा हो तो छठी सिंचाई हल्की करें। जब दाने में थोड़ी कठोरता नजर आती हो या दूधिया अवस्था बीत गयी हो तो इस सिंचाई को करना बहुत जरूरी नहीं है।

परीक्षणों से यही निष्कर्ष निकला है कि यदि 6 सिंचाईयां की जायें तो बौने गेहूं से अधिकतम उपज मिलती है। लेकिन यदि 6 सिंचाईयाँ संभव न हो तो उपयुक्त समय पर उक्त तीन सिंचाईयां तो अवश्य ही करनी चाहिए। पिछेती गेहूं में पहली 5 सिंचाईयां 15 दिनों के अंतर से करें। फिर बालें निकलने के बाद यह अन्तर 9-10 दिन का रखें। पिछेती गेहूं की दैहिक अवस्था पिछड़ जाती है और बालें निकलना और दानों का विकास तो ऐसे समय पर होता है जब वाष्पीकरण तेजी से होता है और ऐसी दशा में खेत में नमी की कमी का दानों के विकास पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है, फलस्वरूप दाना सिकुड़ जाता है। इसीलिए देर से बोये गए गेहूं में जल्दी सिंचाई कम दिनों के अंतर से जरूरी है।

रबी में लगाएं
राई-सरसों

भूमि की तैयारी :(अ) बारानी क्षेत्र- वर्षा आधारित क्षेत्रों में वर्षा ऋतु से ही जुताई आरंभ करना चाहिए तथा मिट्टी को खरपतवार रहित कर भुरभुरी बनाकर पाटा लगाकर छोड़ देना चाहिए। उपयुक्त तापमान आने पर बुवाई करें।

(ब) **सिंचित क्षेत्र**- जब खरीफ फसल की कटाई हो जाये तब पलेवा देकर खेत की तैयारी करें तथा पाटा लगाकर खेत को समतल कर लें फिर बुवाई करें।

विकसित एवं अनुशंसित किस्में

पूसा बोल्ड- बड़े दाने वाली इस जाति का 1000 दानों का वजन 7 ग्राम है तथा यह 110-140 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 42 प्रतिशत तथा उपज 18 क्विंटल/हे. है।

रोहिणी- इसकी फलियां टहनियों से चिपकी रहती हैं तथा यह 125-130 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 43 प्रतिशत तथा 1000 दानों का वजन 5.2 ग्राम है उपज 22-28 क्विं./हे. है।

वरूणा- यह सम्पूर्ण भारत वर्ष के लिये अनुमोदित है यह 135-140 दिन में पककर तैयार होती है। दानों का वजन 6 ग्राम तथा उपज 20-22 क्विं./हे. है तथा तेल की मात्रा 43 प्रतिशत है।

जवाहर सरसों-1 :- यह जाति 125-127 दिन में पककर तैयार होती है इसके 1000 दानों का वजन 5 ग्राम है तथा तेल की मात्रा 42 प्रतिशत तथा उपज 20-21 क्विं./हे. है। यह सफेद किट्ट नामक रोग के प्रतिरोधिता वाली किस्म है।

वसुन्धरा- यह किस्म 130-140 दिनों में पककर तैयार हो जाती है तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तथा उपज 20-21 क्विं./हे. है।

जवाहर सरसों-2 :- यह किस्म 135-138 दिन में तैयार होती है, तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तथा दानों का वजन 5 ग्राम तथा उपज 15 से 30 क्विं./हे. है।

जवाहर सरसों-3 :- यह 130-132 दिनों में पककर तैयार होती है तथा इसकी फली चटकती नहीं है तेल 40 प्रतिशत तथा उपज 15 से 25 क्विं./हे. है।

जगन्नाथ- यह किस्म 125-130 दिन में पककर तैयार होती है तथा उपज 18 क्विं. प्रति होगा तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तक होती है।

जवाहर सरसों-4- यह किस्म असिंचित अवस्था के लिये उपयुक्त है। यह 125-135 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 43 प्रतिशत तथा दानों का वजन 5-6 ग्राम तक है।

माया- यह किस्म 125-135 दिन में पककर तैयार होती है तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत एवं उपज 25-29 क्विं./हे. है।

बीजोपचार :- भरपूर पैदावार हेतु फसल को बीमारियों से बचाने हेतु बीजोपचार आवश्यक है, बीजोपचार 6 ग्राम एप्रान एस.डी.35 नामक दवा से प्रति किलो बीज दर से करें या 3 ग्राम कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम थीरम नामक दवा द्वारा प्रतिकिलो बीज के हिसाब से करके फसल बोएं।

बुवाई का समय : बुवाई असिंचित क्षेत्रों में 20 सितंबर से 15 अक्टूबर तक, 5-6 किलोग्राम बीज दर के हिसाब से बोएं तथा सिंचित क्षेत्रों में 15 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक 5 किलोग्राम बीज दर/हे. के हिसाब से करें। बुवाई देशी हल या सीड ड्रिल से कतारों में करें। पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30 से.मी. एवं बीज से बीज की दूरी 10 से.मी. रखें। गहराई 2-3 से.मी. रखें अधिक गहरा बीज बोने पर अंकुरण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

खाद एवं उर्वरक की मात्रा : भरपूर पैदावार के लिये हरी खाद, गोबर की खाद या कम्पोस्ट खाद का प्रयोग करना चाहिए. सिंचित क्षेत्र के लिये 100 क्विं. पकी हुई गोबर खाद बुवाई पूर्व खेत में डालकर जुताई कर खेत में मिला लें। बारानी क्षेत्र में देशी खाद या कम्पोस्ट खाद 40-50 क्विं./हे. बुवाई पूर्ण खेत में डालकर अच्छी तरह मिला लें इसके बाद रसायनिक उर्वरकों को खेत में मिलाएं। सिंचित क्षेत्र के लिये 217 किलोग्राम यूरिया, 313 कि.ग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट, 40 किलोग्राम, म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 30 किलोग्राम गंधक देने से सरसों की भरपूर पैदावार होती है। जबकि असिंचित क्षेत्र के लिये 40 किलोग्राम यूरिया, 20 किलोग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट, 10 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 15 किलोग्राम गंधक देने पर अच्छी पैदावार ली जा सकती है।

रोगमुक्त होगी
चना फसल

चना रबी मौसम की प्रमुख दलहनी फसल है। चने में लगने वाली इल्ली व उकठा रोग का प्रकोप इसकी उत्पादकता में प्रमुख बाधा है साथ ही कुछ क्षेत्रों में परम्परागत पुरानी किस्मों का उपयोग भी कम उत्पादकता का कारण है।

उन्नतशील प्रजातियाँ- बीज, फसल उत्पादन का महत्वपूर्ण आदान हैं। अतः बुवाई पूर्व स्वस्थ, सुडौल, रोग रहित प्रजातियों का बीज एकत्र कर रख लेना चाहिए।

बीज दर एवं बीजोपचार :- देशी चने का 75 कि.ग्रा. जबकि बड़े आकार के काबुली चने की 125 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हे. के मान से उपयोग करना चाहिए ताकि एक वर्गमीटर क्षेत्र में 25-30 पौधे हों। बुवाई के समय लाइन से लाइन की दूरी 30 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी. होना चाहिए. बोनी से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम अथवा कार्बोक्सिन की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा. की दर से उपचारित करें. तत्पश्चात् राइजोबियम व पी.एस.बी. कल्चर से बीज का निवेशन करें इस हेतु 250 ग्राम गुड़ के घोल में कल्चर मिलाकर फिर बीज को उपचारित करें।

खेत की तैयारी:- खरीफ मौसम के खाली पड़े खेतों में सितम्बर में या अक्टूबर के प्रारंभ में बार-बार जुताई करें ताकि बारिश की नमी का संरक्षण हो सके। खेत से कचड़ा आदि एकत्र कर नष्ट कर देना चाहिए व पाटा लगाकर बुवाई का कार्य करें। अथवा पलेवा लगाकर बोनी करें।

उर्वरकों का उपयोग- दलहनी फसल होने के कारण चने को 743 कि.ग्रा. यूरिया व 373 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट की आवश्यकता सिंचित अवस्था में होती है एवं असिंचित अवस्था में 20 कि.ग्रा. यूरिया व 187 कि.ग्रा.फास्फेट, अंतिम जुताई से पूर्व एक कि.ग्रा. पी.एस.बी. कल्चर को 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद में मिलाकर खेत में भुरकाव करने से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

अन्य शस्य क्रियाएं:- बुवाई के 25-30 दिन बाद निंदाई कर घास निकालें. ताकि नमी का ह्रास न हो। इसी समय चने की खुटाई करना चाहिए ताकि अधिक से अधिक शाखायें निकल सकें।

बुवाई से पूर्व खेत में भलीभांति तय कर लें कि पर्याप्त नमी है तभी बुवाई करें। चने की फसल में 45-60 दिन के भीतर सिंचाई करें। ध्यान रहे कि फूल आते समय सिंचाई न करें। हल्की भूमि में नमी की कमी होने पर फली लगते समय भी सिंचाई की जानी चाहिए।

कटाई, गहाई व उपजः- परिपक्व अवस्था में आने पर फलियाँ सूखकर पीली पड़ती हैं एवं पत्तियाँ झड़ने लगती हैं। इस समय कटाई करना चाहिए। फसल की कटाई कर 2-3 दिन तक खेत में पड़ा रहने दें तत्पश्चात् गहाई करें। इस प्रकार 15-20 क्विं. किस्मों के अनुसार उत्पादन मिलता है। दानों को भलीभांति सुखाकर 8-10 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।